हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • बुधवार • 15.10.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 81 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

जैसलमेर में चलती बस में लगी आग 15 लोगों के जिंदा जलने की आशंका

कई यात्री झुलसे, 57 लोग थे सवार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जैसलमेर रवाना

एजेंसी

जैसलमेर : जैसलमेर से जोधपुर जा रही एक निजी बस मंगलवार दोपहर अचानक भीषण आग की चपेट में आ गई। हादसे में तीन बच्चों और चार महिलाओं समेत करीब 15 यात्री झुलस गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि गंभीर रूप से झुलसे यात्रियों को जोधपुर रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में प्रथम दृष्टया करीब 12 से 15 लोगों के जिंदा जल जाने की आशंका है।

चलती बस में उठने लगा धुआं, मिनटों में आग ने वाहन को जकड़ा

जानकारी के मुताबिक, यह घटना दोपहर करीब 3:30 बजे जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर थईयात गांव के पास हुई। बस में कुल 57 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार, बस रोजाना की तरह दोपहर 3 बजे जैसलमेर से जोधपुर के लिए रवाना हुई थी। करीब 20 किलोमीटर चलने के बाद अचानक बस के पिछले हिस्से से धुआं उठने लगा। इससे पहले कि चालक या यात्री कुछ समझ पाते, आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया।

खिड़कियां तोड़कर यात्रियों ने बचाई जान, ग्रामीणों ने की मदद

आग लगते ही बस में चीख-पुकार मच गई और यात्री जान बचाने के लिए खिड़कियां तोड़कर बाहर कूदने लगे। कई यात्रियों के कपड़े और सामान जल गए। सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। दमकल विभाग और पुलिस को भी सूचना दी गई।

दमकल ने मशक्कत के बाद बुझाई आग, शॉर्ट सर्किट की आशंका

दमकल की गाड़ियां कुछ ही देर में मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पुलिस के अनुसार, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि बस के इंजन या वायरिंग में शॉर्ट सर्किट से आग लगी हो सकती है।

वहीं, नगर परिषद के असिस्टेंट फायर ऑफिसर कृष्णपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि सूचना मिलते ही वे टीम के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि बस पूरी तरह से आग का गोला बन चुकी थी। फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रथम दृष्टया करीब 12 से 15 लोगों के जिंदा जल जाने की आशंका है।

कई यात्री गंभीर रूप से झुलसे, दो लोग जोधपुर रेफर

हादसे में यात्रियों के चेहरे, हाथ-पैर और शरीर के कई हिस्से बुरी तरह झुलस गए। गंभीर रूप से घायल ओमाराम भील (30) निवासी लाठी को जोधपुर रेफर किया गया है। वहीं, इमामत (30) और उसका बेटा यूनूस भी आग की चपेट में आए हैं, जिनका इलाज जोधपुर के अस्पताल में चल रहा है।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने घटना पर दुख जताते हुए कहा है कि लोगों को जल्द स्वास्थ्य लाभ मिले। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जैसलमेर से जोधपुर जा रही बस में भीषण आग लगने से कई लोगों के हताहत होने का चिंताजनक समाचार मिला है।

कैबिनेट : नगर निकायों में 50 फीसदी तक आरक्षण को मंजूरी कॉलेज-कर्मचारियों को 730 दिन की चाइल्ड केयर लीव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई झारखंड कैबिनेट की बैठक में कुल 24 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें शिक्षा, शहरी निकाय, पुलिस प्रशासन और वन विभाग से जुड़े कई अहम निर्णय शामिल हैं।

सबसे बड़ा फैसला नगर निकायों में आरक्षण से जुड़ा रहा। कैबिनेट ने पिछड़ा वर्ग आयोग की ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट को मंजूरी देते हुए नगर निकाय चुनावों में आरक्षण की नई व्यवस्था लागू की है।

अब नगर निकायों की 36 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए तथा 14 प्रतिशत सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित होंगी। यानी कुल 50 प्रतिशत तक आरक्षण की व्यवस्था होगी। पूर्व नियमों में संशोधन करते हुए अब ओबीसी वर्ग को भी प्रतिनिधित्व दिया गया है। नियमावली को स्वीकृति मिलने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग जल्द ही आरक्षित सीटों की अधिसूचना जारी करेगा।

कॉलेज एवं विश्वविद्यालय कर्मियों के लिए राहत

बैठक में उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों और कर्मचारियों को चाइल्ड केयर लीव देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। अब न केवल महिला कर्मचारी, बल्कि एकल पुरुष कर्मचारी भी अपने सेवा काल में 730 दिनों की छुट्टी का लाभ उठा सकेंगे।

राज्य के थानों की विधि-व्यवस्था और पेट्रोलिंग को मजबूत करने के लिए 628 चार पहिया और 849 दो पहिया वाहन खरीदे जाएंगे, जिस पर 78.5 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

वहीं, सानंद क्षेत्र के 314.6 वर्ग किलोमीटर इलाके को वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी घोषित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली है। इसके चारों ओर एक किलोमीटर का क्षेत्र इको-सेंसिटिव जोन घोषित किया जाएगा। कैबिनेट की यह बैठक कई नीतिगत बदलावों और सामाजिक प्रतिनिधित्व को लेकर राज्य सरकार के लिए एक अहम मील का पत्थर साबित हुई।

अयोध्या में बनेगा एनएसजी का नया हब, आतंकवादियों को पाताल तक ढूंढ निकालेंगी सुरक्षा एजेंसियां : शाह

मानेसर : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को घोषणा की कि अयोध्या में राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का एक नया हब स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित किए जा रहे एनएसजी के हब किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। अमित शाह हरियाणा के मानेसर में एनएसजी के 41वें स्थापना दिवस समारोह और स्पेशल ऑपरेशंस ट्रेनिंग सेंटर (एसओटीसी) के भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनएसजी के कार्य में बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। अब तक एनएसजी के छह हब– मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, अहमदाबाद और जम्मू में स्थापित हो चुके हैं। इनके साथ अब अयोध्या में भी एक नया हब बनाया जाएगा। इन छह जोनों में एनएसजी कमांडो 24 घंटे और 365 दिन तैनात रहेंगे, ताकि किसी भी आकस्मिक आतंकी हमले की स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके। हर जोन के लिए एक विशेष कंपोजिट ग्रुप बनाया गया है जो अपने क्षेत्र में आने वाले किसी भी खतरे का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम रहेगा। गृह मंत्री ने बताया कि एनएसजी का मुख्यालय हरियाणा की 'वीर भूमि' मानेसर में स्थित है। यहां न केवल एनएसजी बल्कि देशभर के राज्यों की आतंक विरोधी इकाइयों के प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की जा रही है।

एक नजर

कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों की फायरिंग में दो आतंकी ढेर

कुपवाड़ा : जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना के जवानों ने घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार देर रात कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा पर जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और घुसपैठियों को चुनौती दी। दोनों पक्षों के बीच कुछ देर के लिए गोलीबारी हुई। बता दें कि यह घटना इलाके के कमकाडी क्षेत्र में हुई। सूत्रों ने बताया कि एलओसी पर गश्त कर रहे जवानों ने शाम करीब सात बजे कुछ हथियारबंद तत्वों को गुलाम जम्मू कश्मीर की ओर से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते देखा।

राहुल गांधी ने आईपीएस वाई पूरन की आत्महत्या मामले में की कार्रवाई की मांग

नयी दिल्ली : कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के परिवार से मिलने के बाद उनकी आत्महत्या के मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी न होने पर नाराजगी जताते हुए सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि वाई पूरन कुमार की आत्महत्या समाज और सिस्टम की अंतरात्मा को झकझोर देने वाली त्रासदी है। उनकी पत्नी एक सप्ताह से पति का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार करने की प्रतीक्षा में हैं और पूरा दलित समाज इस पीड़ा को महसूस कर रहा है। सरकार तुरंत दोषियों के खिलाफ कदम उठाए। कांग्रेस महासचिव और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर कहा कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने जातिगत उत्पीड़न के चलते आत्महत्या की और परिवार न्याय के लिए भटक रहा है।

महाराष्ट्र में करोड़ों के इनामी नक्सली नेता भूपति ने 60 साथियों के साथ किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

गढ़चिरोली : महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में करोड़ों के इनामी 60 वर्षीय नक्सली नेता मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति ने अपने 60 साथियों के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। महाराष्ट्र पुलिस के विश्वस्त सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। नक्सल आंदोलन के वरिष्ठ पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति उर्फ सोनू दादा ने अपने लगभग 60 साथियों के साथ मंगलवार को गढ़चिरौली पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। यह नक्सलवादी आंदोलन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। हालांकि, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। भूपति देश के 'मोस्ट वांटेड' नक्सली नेताओं में से एक रहा है। उस पर विभिन्न राज्यों में कई करोड़ रुपये का इनाम घोषित है। भूपति पर तेलंगाना प्रदेश में डेढ़ करोड़ से ज्यादा का इनाम है। छत्तीसगढ़ में भी एक करोड़ से अधिक का इनाम है। इसके अलावा आंध्र प्रदेश, झारखंड और मध्य प्रदेश में भी इस नक्सली नेता भूपति पर करोड़ों का इनाम बताया जा रहा है। भूपति उर्फ सोनू दादा का नाम नक्सल संगठन की उच्चतम केंद्रीय समिति और पोलित ब्यूरो में शामिल है। हाल ही में भूपति ने अपने नाम से एक पत्र जारी किया था, जिसमें उसने कहा था कि 'हथियार उठाना एक गलती थी' और 'जनता से माफी मांगकर शांति का मार्ग अपनाना आवश्यक है।'

टीएसपीसी के तीन उग्रवादी गिरफ्तार

लातेहार : पुलिस ने लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाकर तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों में हेरहंज निवासी प्रताप गंझू, तथा छात्रा निवासी संतोष गंझु और अशोक गंझु शामिल हैं। नक्सलियों के पास से पुलिस ने तीन पिस्तौल, 40 गोलियां सहित अन्य सामान बरामद किए। मंगलवार को प्रेस वार्ता करते हुए डीएसपी विनोद रवानी ने बताया कि लातेहार एसपी कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए टीएसपीसी नक्सली एक गाड़ी में सवार होकर आ रहे हैं। सूचना के बाद थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई और नक्सलियों के खिलाफ छापामारी अभियान चलाई गई।

कल्याण मंत्री ने धरती आबा जनजातीय फिल्म फेस्टिवल का किया शुभारंभ

आदिवासी अस्मिता, संस्कृति और सृजनशीलता को समर्पित एक ऐतिहासिक पहल : चमरा लिंडा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने मंगलवार को रांची स्थित डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण अनुसंधान संस्थान में 'प्रथम धरती आबा जनजातीय फिल्म फेस्ट 2025' का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह महोत्सव केवल फिल्मों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि हमारी आदिवासी पहचान, परंपरा और जीवन दर्शन का उत्सव है। फिल्म एक सशक्त माध्यम है जो जनजातीय भारत की आत्मा, उसकी संस्कृति और संघर्षों को दुनिया के सामने लाती है। राज्य सरकार जनजातीय समाज के समग्र विकास और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। यह फिल्म महोत्सव झारखंड सरकार एवं भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

चमरा लिंडा ने कहा कि जब भी किसी व्यक्ति, समुदाय या जनजातीय जीवन पर फिल्म बनाई जाए, तो उसके दृश्य और कथानक यथार्थ पर आधारित हों – न कि काल्पनिक या भ्रामक। कला और सिनेमा का दायित्व समाज की सच्चाई को उजागर करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ सही परिप्रेक्ष्य में अपनी जड़ों को पहचान सकें। इस पहल से आदिवासी कलाकारों और युवाओं को अपनी अभिव्यक्ति का एक सशक्त मंच मिलेगा, जिससे वे अपने समुदाय की वास्तविक कहानियों को राष्ट्रीय और वैश्विक पटल पर प्रस्तुत कर सकेंगे। चमरा लिंडा ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और भाषाई विविधता का संरक्षण भी है। ऐसे आयोजन हमारी परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में सेतु का कार्य करेंगे।

महोत्सव का उद्देश्य देश के जनजातीय समाज की विविध कला, संस्कृति, परंपरा और संघर्षों को सिनेमा के माध्यम से राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना है। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आए जनजातीय फिल्म निमार्ताओं, शोधकताओं और कलाकारों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से आदिवासी जीवन के गहरे सरोकारों को साझा किया।

फेस्टिवल के दौरान झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, असम, नागालैंड, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल सहित 15 राज्यों की 70 से अधिक फिल्में प्रदर्शित की जा रही हैं। इनमें "Palash", "हेंडे सोना एंड ब्लैक गोल्ड", "फूलो", "कुसुम", "नाची से बाची" जैसी चर्चित फिल्मों के साथ कई World Premiere और National Premiere भी शामिल हैं।

इस अवसर पर विभाग के सचिव कृपा नन्द झा, रामदयाल मुंडा जनजातीय शोध संस्थान के निदेशक करमा ज़िम्पा भुट्टिया, विशेष सचिव नेलसन बागे तथा कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार विस चुनाव : भाजपा ने 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पहली सूची में 71 उम्मीदवार के नाम शामिल है। पटना में आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उम्मीदवारों के नामों का औपचारिक ऐलान किया। राजग के अहम घटक दल के रूप में भाजपा इस बार जदयू और अन्य सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव मैदान में उतरेगी। राजग में हुए सीटों के बंटवारे के तहत भाजपा इस बार 101 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

भारतीय जनता पार्टी की सीट और उम्मीदवारों की सूची

भाजपा ने बेतिया से रेणु देवी, रक्सौल से प्रमोद कुमार सिन्हा, पिपरा से श्यामबाबू प्रसाद यादव, मधुबन से राणा रणधीर सिंह, मोतिहारी से प्रमोद कुमार, ढाका से पवन जायसवाल, रीगा से बैद्यनाथ प्रसाद, बथनाहा से अनिल कुमार राम, परिहार से गायत्री देवी, सीतामढ़ी से सुनील कुमार पिंटू, बेनीपट्टी से विनोद नारायण झा, खजौली से अरुण शंकर प्रसाद, बिस्फी से हरिभूषण ठाकुर बचौल को टिकट दिया गया है। भाजपा की ओर से राजनगर से सुजीत पासवान, झंझारपुर से नीतीश मिश्रा, छातापुर से नीरज कुमार बबलू, नरपतगंज से देवंती यादव, फारबिसगंज से विद्या सागर केसरी, सिकटी से विजय कुमार मंडल, किशनगंज से स्वीटी सिंह, बनमनखी से कृष्ण कुमार ऋषि, पूर्णिया से विजय कुमार खेमका, कटिहार से तारकिशोर प्रसाद, प्राणपुर से निशा सिंह, कोढ़ा से कविता देवी, सहरसा से आलोक रंजन झा, गौरा-बौराम से सुजीत कुमार सिंह और दरभंगा से संजय सरावगी को टिकट मिला है।

इसी तरह से केवटी से मुरारी मोहन झा, जाले से जिवेश कुमार मिश्रा, औराई से रमा निषाद, कुढ़नी से केदार प्रसाद गुप्ता, बैकुंडपुर से मिथिलेश तिवारी, सिवान से मंगल पांडेय, दरौंदा से कर्णजीत सिंह, गोरेयाकोठी से देवेश कांत सिंह, तरैया से जनक सिंह, अमनौर से कृष्ण कुमार मंटू, हाजीपुर से अवधेश सिंह, लालगंज से संजय कुमार सिंह, पातेपुर से लखेंद्र कुमार रौशन, मेहिउद्दीननगर से राजेश कुमार सिंह, तेघरा से रजनीश कुमार और बेगूसराय से कुंदन कुमार, भागलपुर से रोहित पांडेय, बांका से राम नारायण मंडल, तारापुर से सम्राट चौधरी और लखीसराय से विजय कुमार सिन्हा को भाजपा ने अपना उम्मीदवार बनाया है।

जीतन राम मांझी की हम पार्टी सभी 6 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए में शामिल जीतन राम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा (हम) ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। एनडीए की सीट शेयरिंग के तहत हम पार्टी को कुल 6 सीटें मिली थीं। मंगलवार को पार्टी ने इन 6 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इसमें सबसे प्रमुख नाम जीतन राम मांझी के बहु दीपा कुमारी का है जिन्हें पार्टी ने गयाजी जिले के इमामगंज से प्रयाशी बनाया है।

जमीन विवाद में झामुमो के पांकी प्रखंड अध्यक्ष की हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पांकी थाना क्षेत्र के डंडार गांव में जमीन विवाद में मंगलवार को झामुमो के पांकी प्रखंड अध्यक्ष मुन्ना सिन्हा (40) की हत्या कर दी गयी। मुन्ना पर टांगी से तीन बार हमला किया गया, जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मुन्ना पिछले सात साल से झामुमो में थे एवं दूसरी बार पांकी प्रखंड अध्यक्ष बने थे। मुन्ना सिन्हा ट्रैक्टर ड्राइवर के साथ घर से कुछ दूर खेत पर गए थे। खेत की जोतायी हो रही थी। इसी क्रम में अरूण ठाकुर पिता स्व. महावीर ठाकुर से पूर्व से चले आ रहे जमीन विवाद को लेकर कहा सुनी हुई।

एक नजर

बड़कागांव प्रखंड के बादम में छठ पूजा को लेकर हुई बैठक

बडकागांव : बड़कागांव प्रखंड के बादम दुर्गा मन्दिर प्रांगण छठ को लेकर की गई बैठक जिसकी अध्यक्षता जितेंद्र कुमार व सहयोगी विक्रम प्रसाद गुप्ता, उमाशंकर कुमार ने की बैठक में यार निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि हर वर्ष के बाद कि इस वर्ष भी छठ पुजा में साफ सफाई को ध्यान में रखते हुए एवं छठ घाटों पर छठ व्रतियों के लिए सुविधाएं छठ घाट पर ही किया जाएगा तथा बादम बस स्टैंड से लेकर छठ घाट तक लाइट का सुंदरता दिखेगा। बैठक में प्रेम गुप्ता, रंजीत गुप्ता, सोनू सिंह, आदित्य गुप्ता, गोलू गुप्ता, त्रिदेव कुमार, अंकित गुप्ता, उपेंद्र गुप्ता, राहुल गुप्ता, राज गुप्ता, आकाश पांडे, गोलू गुप्ता, अन्य उपस्थित थे।

स्कूटी सवार महिला से एक लाख और मोबाइल लूट

बरही : बरही प्लस टू हाइ स्कूल के पास बाइक सवार अपराधियों ने स्कूटी सवार महिला का हैंड बैग झपट कर फरार हो गया। महिला बरही के एसबीआई बैंक बरही शाखा से 99 हजार रुपये निकालकर घर लौट रही थी। हैंड बैग में बैंक से निकासी की हुई 99 हजार रुपये के अलावा बैग में पहले से रखे हुए 1 हजार 200 रुपये और मोबाइल था। स्कूटी में पीड़ित महिला अनिता देवी जिसके हाथ से हैंड बैग झपटा गया के अलावा संटू कुमार मुंडा और पुष्पा कुमारी बैठी थी। अनिता देवी बरही के छोटकी केवाल गांव की रहने वाली है। शाम 4 बजे की घटना है। अनिता देवी दो बजे बैंक से पैसा निकालकर बरही चौक पर अपने मोबाइल का रिपेयरिंग कराया और ठेला फर चाउमिन खाया था। चाउमिन खाने के बाद अनिता देवी, संटू कुमार मुंडा और पुष्पा कुमारी वहां से अपने घर छोटकी केवाल के लिए चल दिए। बरही चौक की ओर से तेजी से एक बाइक में सवार दो लोग स्कूटी के आगे हो गए और महिला से हैंड बैग झपट कर बरही चौक की ओर भागे। महिला के हैंड बैग में बैंक खाता, एटीएम, आधार कार्ड, राशनकार्ड और अन्य कागजात थे। अनिता देवी बरही के एक निजी कंपनी से 9 अक्टूबर को गाय, बकरी पालन के लिए लोन ली थी। चैतन्या कंपनी लोन अमांउट उसके खाता में ट्रांसफर कर दिया था। वही पैसा था। उन्होंने पुलिस को इस घटना की सूचना दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रामगढ़ डीसी के समक्ष आंगनबाड़ियों का प्रदर्शन संपन्न

रामगढ़ : झारखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय और झारखंड राज्य आंगनवाड़ी सभा के अध्यक्षा सुंदरी तिर्की के उपस्थिति में रामगढ़ जिले के अध्यक्ष माधुरी देवी के नेतृत्व में रामगढ़ डीसी कार्यालय के समक्ष आज 14 अक्टूबर को जोरदार प्रदर्शन किया गया और लगभग 05,,घंटों तक कार्यालय के मुख्य गेट को जाम कर दिया गया। निम्न मांगो के साथ डीसी को ज्ञापन सौंपा गया, ज्ञापन देने वालों में सुंदरी तिर्की,जय प्रकाश पांडेय, मिनहाज अंसारी,गुलजार आलम ,माधुरी देवी सहित 07 शिष्टमंडल डीसी महोदय को 07 सूत्री ज्ञापन सौंपा गया,जिसमें निम्न मांगो को रखा गया। 1)मृतक सेविका के आश्रित को 50 लाख की मुआवजा राशि भुगतान हो। 2)मृतक के आश्रित परिवार को सरकारी नौकरी दी जाए। 3) मृतक सेविका के बच्चों को शिक्षा की व्यवस्था सरकार करे। 4)मृतक सेविका के आश्रित को अबुआ आवास दिया जाए। 5) जिले में सेविका/सहायिका के सभी प्रकार के बकाए का तुरंत भुगतान किया जाए। 6) सेविका के गिरफ्तार हत्यारे को कड़ी से कड़ी सजा दिया जाए।

चाइनीज लाइटों के आगे फीके पड़ रहे मिट्टी के दीए, कुम्हारों के चेहरे पर छाई मायूसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : दुर्गा पूजा की समाप्ति के साथ ही दीपोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं ।लोग घरों की सफाई, रंग-रोगन करने में लोग व्यस्त हो गए हैं। बाजारों आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक लाईटों,झालर से दुकानें सज कर तैयार हो गया है ।नयी खरीददारी और सजावट के लिए लोग खरीदारी शुरू कर दिए हैं ।बाजारों में रौनक लौट आयी है,लेकिन इस रौनक के बीच मिट्टी की खुशबू और कुम्हारों की उम्मीद कहीं खोती सी दिखायी दे रही है। हर बार की तरह इस बार भी बाजारों में चाइनीज झालरों और इलेक्ट्रॉनिक लाइटों की चकाचौंध इतनी बढ़ गयी है कि मिट्टी के दीयों की टिमटिमाहट अब फीकी पड़ रही है। लोग दीपावली में जहां

पहले हर घर की चौखट पर सैकड़ों दीये एक साथ जलाए जाते थे, अब वहां बिजली की झालरों की तेज रोशनी ने उनकी जगह ले ली है। मिट्टी के दीयों का उपयोग अब केवल विधि विधान के साथ पूजन तक सीमित रह गया है। इन हालातों ने मिट्टी के कारीगरों के जीवन में अंधेरा फैला दिया है। कभी दीपावली से पहले दिन-रात कुम्हार के चाक दीए बनाने के लिए घूमती रहती थी अब वहां दिन में कुछ घंटे ही चाक घूमती है ।बरही प्रखंड के कई कुम्हार बहुल क्षेत्र के प्रजापति लोगों से बात की तो बताया कि एक समय था जब दुर्गा पूजा बीतने के बाद पूरे परिवार मिट्टी के विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तन बनाने में व्यस्त हो जाते थे। दीपावली नजदीक आते ही कुम्हार दीए बनाने में व्यस्त हो जाते थे परन्तु अब आधुनिक चाईनीज लाईटों के आगे कुम्हार के दीए फीके पड गया है। लोगों ने बताया कि हम लोग 40-45 वर्षों से मिट्टी के दीये बनाकर अपनी आजीविका चलाते हैं लेकिन अब एक आदमी अपना पैकेट खर्च चलाना मुश्किल है। लोगों ने बताया कि दीपावली का महीना पहले हमलोगों के लिए खुशियों का त्योहार होता था, पर अब हालात ऐसे हैं कि लोगों की रुचि झालरों की ओर बढ़ गयी है ।बताया गया कि चाइनीज लाइटों ने उनके धंधे की रौनक छीन ली है पहले जहां लोग सौ दीये खरीदते थे, अब मुश्किल से 11 लेते हैं। मिट्टी के दीयों की परंपरा भले ही कमजोर पड़ रही हो, लेकिन यह पूरी तरह बुझी नहीं है। हर दिया हमारे लिए सिर्फ मिट्टी का नहीं, उम्मीद का प्रतीक है।

छोटकी केवाल में दो दिन से लापता अंजली का शव कुआं से बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत खोड़ाहर पंचायत के छोटकी केवाल से दो दिन पूर्व लापता हुई मनोज रविदास की 5 वर्षीय बेटी अंजली का शव घर से पूरब दिशा की ओर से 100 मीटर पर स्थित कुंआ से मंगलवार सुबह को बरामद किया गया है। वह 12 जुलाई को शाम 4 बजे से लापता थी। जिसके बाद परिजनों ने रविवार देर शाम बरही थाना में गुमशुदगी को लेकर सनहा दर्ज कराया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव के ही आशीष कुमार कुआं के बगल में हल चला रहे थे। इसी क्रम में उन्होंने शव को कुंआ में तैरते हुए देखा। जिसके बाद उन्होंने इस बात की जानकारी परिजनों को दी। शव मिलने की खबर सुनकर गांव के सैकड़ों लोग कुंआ के आस - पास जमा हो गए। वहीं स्थानीय लोगों ने इस बात की जानकारी बरही प्रशासन को दी। प्रशासन के पहुंचने पर अंजली का भाई रवि ने प्रशासन की उपस्थिति में शव को कुंआ से बाहर निकाला। शव निकालने के पश्चात बरही प्रशासन ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को अपने कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। इधर अंजली की मौत का खबर सुनते ही परिजनों का रो - रो कर बुरा हाल है। इधर अंजली के पिता मनोज कुमार रविदास ने बताया कि जिस कुंआ से अंजली का शव बरामद किया गया है उसमें सोमवार को करीब दो घंटा झग्गर की मदद से खोजबीन किया गया था। परंतु कोई सुराग नहीं मिला, उसके बाद सोमवार देर शाम अंजली के खोजबीन के लिए कोबरा 203 से खोजी कुत्ता भी लाया गया था । परंतु कोई जानकारी नहीं मिला। वहीं अंजली के परिजनों ने उसके रहस्यमयी मौत पर हत्या की आशंका जताई है।

खुटवाटांड़ में अधूरा सड़क निर्माण बना परेशानी का सबब, राहगीरों को उठानी पड़ रही है मुश्किलें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत विजैया पंचायत के खुटवाटांड़ का मार्ग लंबे समय से जर्जर था। जिससे इस पर चलने वाले लोगों को परेशानी होती थी। ग्रामीणों और राहगीरों की मांग पर सड़क निर्माण की स्वीकृति मिली। लेकिन सड़क निर्माण कराने वाला ठेकेदार सड़क आधा अधूरा निर्माण कर छोड़ दिया। जिससे सड़क में सिर्फ बड़ी गिट्टी पड़ी है। जिससे आए दिन लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पैदल के साथ दो पहिया वाहन एवं साइकिल सवार को आने जाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। राहगीर आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे है। जिसपर पंचायत के उपमुखिया प्रतिनिधि सुखदेव यादव ने पूरी सड़क निर्माण की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि बिजैया चौक

से खुटवाटांड़ तक करीब 2 किलोमीटर बनानी थी। ठेकेदार ने सड़क निर्माण का शुरू किया ,लेकिन कार्य को पूरा नहीं किया, सड़क पर बड़ी - बड़ी गिट्टी फैली है। इससे आए दिन इस मार्ग पर चलने वाले लोग गिरकर चोटिल हो रहे है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण अधूरा छोड़ देने से बाइक और साइकिल तो छोड़िए पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं है। स्कूल जाने वाले बच्चे सहित बुजुर्गों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाइक सवार जैसे ही इस गिट्टी बिछाई सड़क पर जा रहे है, असंतुलित होकर गिर जा रहे है। ठेकेदार के लापरवाही का खामियाजा ग्रामीणों और राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है। लेकिन विभाग और ठेकेदार अनजान बन हुआ है। साथ ही उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण का कार्य किस मद से किया जा रहा है और उसकी प्राक्कलित राशि क्या है उसका ठेकेदार द्वारा कोई बोर्ड भी नहीं लगाया गया है।

कर्णपुरा महाविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : कर्णपुरा महाविद्यालय, बड़कागांव मंगलवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कीर्तिनाथ महतो ने की, जबकि संचालन इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेश महतो ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। प्राचार्य डॉ. कीर्तिनाथ महतो ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा– युवा पीढ़ी अपने भविष्य को समझें और नशे से दूर रहें। नशा हमारे युवाओं की प्रतिभा, क्षमता और ऊर्जा को नष्ट करता है। शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे समाज में जागरूकता की ज्योति प्रज्वलित करें। युवा पीढ़ी को चाहिए कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार व समाज को भी इसके

दुष्प्रभावों से बचाएं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. निरंजन प्रसाद नीरज ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि समाज में परिवर्तन और जागरूकता लाना भी है। नशा मुक्ति अभियान प्रत्येक स्वयंसेवक का सामाजिक दायित्व है, क्योंकि नशामुक्त समाज ही सशक्त भारत की नींव रख सकता है। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने नशे के दुष्प्रभावों एवं नशामुक्त जीवन के महत्व पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। लोंगो ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और समाज को भी नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएँगे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. निरंजन प्रसाद नीरज द्वारा नशामुक्त भारत के लिए सामूहिक प्रतिज्ञा एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

एनटीपीसी की स्वर्ण जयंती पर पकरी बरवाडीह में भव्य उत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : एनएमएल पकरी बरवाडीह द्वारा एनटीपीसी की स्वर्ण जयंती–ऊर्जा क्षेत्र में उत्कृष्टता, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के 50 गौरवशाली वर्षों–का भव्य आयोजन हजारीबाग तथागत में बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस आयोजन का सफल आयोजन कर्मचारी कल्याण संघ, पकरी बरवाडीह द्वारा किया गया, जिसमें कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दास एवं जागृति महिला संघ की अध्यक्ष अनिता दास उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत एचआर प्रमुख अनिरुद्ध सिंह द्वारा सभी अतिथियों के स्वागत से हुई। इसके पश्चात एनटीपीसी की 50 वर्ष की उल्लेखनीय यात्रा के प्रतीक स्वरूप केक काटा गया। इंडियन आइडल सीजन 13 की ख्याति प्राप्त गायिका बिदिप्ता चक्रवर्ती ने अपने मधुर गीतों से शाम को यादगार बना दिया। उनके मनमोहक प्रदर्शन ने पूरे वातावरण को संगीत और आनंद से भर दिया। इस अवसर पर सुब्रत कुमार दास ने एनटीपीसी की प्रेरणादायी यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1975 में स्थापना से लेकर आज देश की सबसे बड़ी एकीकृत ऊर्जा कंपनी बनने तक, यह सफर कर्मचारियों के अथक परिश्रम और समर्पण का परिणाम है।

हजारीबाग यूथ विंग की पहल : श्रद्धालुओं और छठ व्रतियों की सुविधा के लिए जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : शहर में सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों के लिए अपनी विशेष पहचान रखने वाली संस्था हजारीबाग यूथ विंग द्वारा इस वर्ष भी छठ महापर्व के अवसर पर सेवा और समर्पण का कार्य जारी रखते हुए लगातार तीसरी बार छठ पूजन सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। संस्था ने श्रद्धालुओं और छठ व्रतियों की सुविधा के लिए विशेष हेल्पलाइन नंबर 7903275097, 8709987110, 7903111944, 7488763755 जारी किए हैं, जिनके माध्यम से श्रद्धालु किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के तहत 21, 22 और

23 अक्टूबर को श्रद्धालुओं एवं छठ व्रतियों को बड़ा बाजार स्थित डिश टीवी कार्यालय के समक्ष सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक कूपन उपलब्ध कराए जाएंगे। इन कूपनों के आधार पर 24 अक्टूबर को सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक के.बी. सहाय मार्ग, खजांची तालाब के निकट आयोजित कार्यक्रम स्थल पर 301 छठ व्रतियों को मात्र 11रु के सहयोग राशि में सूप और पूजन सामग्री का वितरण किया जाएगा। इस वर्ष श्रद्धालुओं को सूप के साथ कुल 21 प्रकार की पूजन सामग्री दी जाएगी, जिनमें नारियल, घी, सिंदूर, रोली, कपूर, काफर, काठ बादाम, कमल गोटा, लौंग, इलायची, बड़ी इलायची, छोहाड़ा, मखाना, रुई बत्ती, धूपबत्ती, सुपारी, आरता पत्ता, माचिस आदि शामिल हैं। कार्यक्रम की सफल संचालन की जिम्मेदारी संस्था के मार्गदर्शन और पूर्व उपाध्यक्ष जयप्रकाश खंडेलवाल को दी गई है। इस आयोजन को लेकर एक विशेष बैठक संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन के आवास पर संपन्न हुई, जिसमें सभी पदाधिकारी और सदस्यों की उपस्थित रहीं संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति की आत्मा है। हमारी पूरी टीम का संकल्प है कि हर व्रती तक यह संदेश पहुँचे कि सेवा ही सच्ची पूजा है। इस आयोजन का उद्देश्य है श्रद्धालुओं के चेहरों पर मुस्कान लाना। संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग यूथ विंग समाजसेवा की वह परंपरा निभा रही है जो बिना भेदभाव, समर्पण और एकजुटता की भावना पर आधारित है। यह कार्यक्रम सिर्फ वितरण नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का एक सुंदर प्रयास है। बैठक में मुख्य रूप से संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन, सचिव रितेश खण्डेलवाल,उपाध्यक्ष विकास तिवारी, सहसचिव अभिषेक पांडे, कार्यक्रम संयोजक जयप्रकाश खंडेलवाल, संस्था के मार्गदर्शक विकास केसरी, प्रणीत जैन, प्रवेक जैन, प्रिंस कसेरा सहित कई लोग मौजूद रहें।

संक्षिप्त खबरें

बरही विधायक ने अधीक्षण अभियंता को लिखा पत्र विभिन्न पंचायतों में ट्रांसफार्मर लगाने की मांग

बरही : बरही विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनोज कुमार यादव ने क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में बिजली आपूर्ति की गंभीर समस्या को लेकर अधीक्षण अभियंता, विद्युत आपूर्ति विभाग, हजारीबाग को पत्र लिखकर तत्काल पहल करने का अनुरोध किया है। विधायक श्री यादव ने पत्र में उल्लेख किया है कि बरही प्रखंड के कई पंचायतों में ट्रांसफार्मर खराब हैं, जिसके कारण ग्रामीणों को निरंतर बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जिन स्थानों पर नए ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। उसमें भंडारों पंचायत के बेहराबाद मोदी टोला में 25 केवीए ट्रांसफार्मर, डपोक पंचायत के अड़वारिया टोला में 25 केवीए ट्रांसफार्मर, विजैया पंचायत के गुडियो में 100 केवीए ट्रांसफार्मर, बरसोत पंचायत के बरियट्ठा में 100 केवीए ट्रांसफार्मर, गौरियाकरमा पंचायत के रोहनियाटांड़ में 25 केवीए ट्रांसफार्मर शामिल है। विधायक ने बताया कि चौपारण प्रखंड के ग्रामीण भी विद्युत संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने अधीक्षण अभियंता से इन गांवों में ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है। जिसमें भगहर पंचायत के ओरवाटांड़ भंडार में 25 केवीए, अम्बातरी गांव में 25 केवीए, पांडेयबारा पंचायत के कमलवार गांव में 63 केवीए, बेला पंचायत के रानीक गांव में 100 केवीए शामिल है। इसके साथ ही विधायक मनोज यादव ने पदमा प्रखंड के कुटीपीसी गांव में महिषासुर बाबा स्थल के समीप अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने की अनुशंसा की है।

ब्रह्म विद्या विहंगम योग की सत्संग गोष्ठी का हुआ आयोजन

बरही : बरही हजारीबाग रोड स्थित शकुंतला पैलेस में ब्रह्म विद्या विहंगम योग की ओर से सत्संग गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कृष्णा गुप्ता एवं संचालन समुद्री देवी ने किया। वहीं सत्संग में ॐ कार ध्वनि, स्वागत गान, मंगल गान एवं माल्यार्पण सामूहिक रूप से किया गया। जबकि उद्घोष सुनीता देवी, ज्ञान गुदड़ी सिकंदर सिंह, स्वर्वेद पाठ कृष्णा गुप्ता, भजन सुनीता देवी, कैलाश केशरी एवं रविन्द्र सिंह एवं प्रवचन उपेंद्र पांडेय एवं कृष्णा गुप्ता ने किया। इस दौरान कृष्ण गुप्ता ने मौके पर मौजूद लोगों को ब्रह्मा विद्या विहंगम योग के उद्देश्य को जीवन में आत्मसात करने की बात कही। मौके पर उपेंद्र पांडेय, सुनीता देवी, रामचंद्र राम एवं कैलाश प्रसाद केशरी, किशोर सिंह, आरिफ अंसारी, प्रमोद गुप्ता, सोनू प्रजापति सहित कई लोग मुख्य रूप से मौजूद थे।

परतापुर में फुटबॉल टूर्नामेंट संपन्न, बेलाही बनी विजेता

चौपारण : प्रस्तावित प्रखण्ड मैदान परतापुर में आयोजित 15 दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन हुआ। खिताबी मुकाबले में प्रजाबाद बेलाही की टीम ने रोमांचक मुकाबले में चिलोडीह चंदवारा को 1–0 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए बरही विधायक ने फाइनल मुकाबले का शुभारंभ किया और विजेता और उपविजेता को ट्रॉफी देकर पुरुस्कृत किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में फुटबॉल के प्रति युवाओं का क्रेज काफी बढ़ा है। कहा खेल न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह मानसिक और शारीरिक रूप से भी मजबूती प्रदान करता है। इससे पहले, पहला सेमीफाइनल मुकाबला प्रजाबाद बेलाही और हजारीबाग के बीच खेला गया। पेनल्टी शूटआउट में बेलाही ने हजारीबाग को 3–2 से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में चिलोडीह चंदवारा ने सेलहारा खुर्द को 2–0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। मौके पर स्थानीय मुखिया मंटू सिंह, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष राजदेव यादव, पूर्व जीप सदस्य रामस्वरूप पासवान, भाजपा नेता कपिल यादव, मनोज मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। टूनार्मेंट को सफल बनाने में अध्यक्ष गजाधर प्रसाद, सचिव विकास रजक, कोषाध्यक्ष जयदीप रजक, उपाध्यक्ष मुस्ताक अहमद, उपसचिव रामस्वरूप साव, उपकोषाध्यक्ष रंजीत साव, संरक्षक सीताराम साव, प्रदीप साव, बेलाल अंसारी, कप्तान मिथलेश साव तथा सदस्य दिलीप राणा, राजीव विशकर्मा, रामप्रवेश साव, नितेश साव, सुनील साव, किशोर साव, सुधीर रजक, आशीष साव, छोटेलाल साव, जितेंद्र साव, सुभाष साव और कैलाश साव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विकास योजनाओं की समीक्षा और जनकल्याण पर केंद्रित रही पंचायत समिति की बैठक

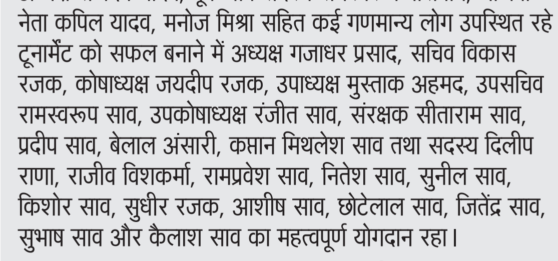

चौपारण : प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में मंगलवार को पंचायत समिति की बैठक प्रखंड प्रमुख पूर्णिमा देवी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान प्रखंड क्षेत्र में संचालित विकास योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रमुख ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए, ताकि आम जनता को सीधा लाभ मिल सके। बैठक में पंचायत समिति सदस्य, मनोनीत मुखिया सहित प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक की शुरूआत पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि के साथ हुई। इसके बाद विकास योजनाओं की समीक्षा की गई। अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान सदस्यों ने पंचायत से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर सवाल उठाए। समिति सदस्य विकास रजक ने कहा कि अंचल कार्यालय में म्यूटेशन, एलपीसी और ऑनलाइन भूमि निबंधन के लिए भुगतान किए बिना कोई काम नहीं हो रहा है। चेथी पंचायत समिति सदस्य नरेश पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ गरीबों के बजाय संपन्न लोगों को पंचायत समिति और मुखिया को सूचित किए बिना दिया जा रहा है। सिंघरावां पंसस विजय मधेशिया ने कहा कि पंचायत राज अधिनियम के अनुसार मासिक बैठक होनी चाहिए। मुखिया और पंचायत समिति के नाम के साथ पंचायत का नाम और संख्या वाला बोर्ड लगाया जाना चाहिए।

झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीट : 2025 का राज्यपाल ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार रांची के जैप-1 परिसर में आयोजित 'झारखंड राज्य पुलिस ड्यूटी मीटः 2025' के उद्घाटन समारोह में कहा कि यह आयोजन न केवल हमारे पुलिस बल की कार्यकुशलता, अनुशासन और दक्षता का प्रतीक है, बल्कि यह स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, आपसी सहयोग और टीम भावना को भी सुदृढ़ करता है।

राज्यपाल ने कहा कि पुलिसकर्मी किसी भी राज्य की सुरक्षा, शांति और व्यवस्था के आधारस्तंभ होते हैं। वे कठिन परिस्थितियों में भी निरंतर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, चाहे वह विधि-व्यवस्था बनाए रखना हो, अपराध नियंत्रण हो या संकट की घड़ी में जनसेवा का दायित्व निभाना हो। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रगति विधि-व्यवस्था की स्थिरता पर निर्भर करती है, इसलिए पुलिस प्रशासन को हर परिस्थिति में ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच संवाद एवं विश्वास का रिश्ता मजबूत होना चाहिए। पुलिसकर्मी जनता से शालीनता से संवाद करें, उनकी शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ सुनें और तत्परता से उसका निबटारा करें, ताकि नागरिक निडर होकर अपनी बात रख सकें।

राज्यपाल ने अनुसंधान कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अपराध नियंत्रण में वैज्ञानिक तरीकों और आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जाना चाहिए, जिससे अपराधी शीघ्र कानून के दायरे में आएं और पीड़ित को समय पर न्याय मिले। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में लागू किए गए तीन नए आपराधिक कानून न्याय व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार का प्रतीक हैं, जिनका उद्देश्य पीड़ित केंद्रित न्याय सुनिश्चित करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि झारखंड पुलिस इन कानूनों की भावना को आत्मसात करते हुए जनता की सुरक्षा और न्याय की स्थापना में एक आदर्श प्रस्तुत करेगी। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में नक्सली गतिविधियों के उन्मूलन की दिशा में और अधिक सशक्त पहल आवश्यक है। उन्होंने भावुक होकर कहा, 'जब भी पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) से किसी शहीद जवान का पार्थिव शरीर आता है और मैं उनके परिजनों से मिलता हूं, तो मुझे समझ में नहीं आता कि मैं उन्हें क्या सांत्वना दूं। हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है।' उन्होंने कहा कि नक्सली गतिविधियों में संलिप्त लोगों को विकास, शिक्षा और आत्मनिर्भरता की मुख्यधारा से जुड़ना होगा।

उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि पुलिस ड्यूटी मीट में भाग लेने वाले सभी पुलिसकर्मी इस आयोजन से मिली सीख को अपने कर्तव्यों, अनुसंधान कार्यों और सेवा दक्षता को और सुदृढ़ बनाने में उपयोग करेंगे।

एक नजर

एचईसी में आज होगी मजदूरों की आमसभा

रांची : हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) की ओर से आगामी 15 अक्टूबर को एचईसी मजदूर कर्मियों की समस्याओं और सप्लाई मजदूरों की मांगों में की गई कटौती के खिलाफ एफएफपी शेड, नेहरू पार्क में दोपहर एक बजे से एक आमसभा सह बैठक आयोजित की जाएगी। यह जानकारी यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दी। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से उन्होंने बताया कि एचईसी प्रबंधन द्वारा मजदूरों को दी जा रही सुविधाओं, वेतन और छुट्टियों में की गई कटौती की गई है, जिसके विरोध में बैठक और आमसभा के दौरान प्रस्ताव पारित किया जाएगा। इसके साथ ही 2018 बैच के स्थायी मजदूरों का लंबित प्रमोशन, पीएफ खातों से काटी गई राशि की वापसी, पे-स्लिप की नियमित उपलब्धता और नियमित भुगतान की मांग को लेकर भी निर्णय लिया जाएगा। बैठक में बड़ी संख्या में सप्लाई मजदूर समेत अन्य कर्मी मौजूद रहेंगे।

झारखंड से विदा हुआ मानसून, दाखिल हुई गुलाबी ठंड

रांची : दक्षिणी दक्षिणी पश्चिमी मानसून पूरे पिछले 24 घंटे के दौरान झारखंड से विदा हो गया। इसके साथ ही गुलाबी ठंड राज्य में दाखिल हुई। राजभर के लोगों को ठंड की गुनगुनी धूप भाने लगी है और सुबह में धूप में बैठना अच्छा लगने लगा है। हालांकि दोपहर में धूप में तल्खी महसूस की जा रही है, लेकिन शाम होते हैं ठंड का एहसास होने लगा है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष पूरे झारखंड में सामान्य से लगभग दोगुनी बारिश हुई है। इस वजह से इस वर्ष कड़ाके की ठंड पढ़ने की आशंका है। संभवतः दीपावली और महापर्व छठ के बाद राज्य के सभी जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना है। वहीं मौसम विभाग के अनुसार बुधवार से राज्य के कई जिलों में आंशिक बादल छाए रहेंगे। दिन में मौसम शुष्क रहेगा जबकि बादल छाने से अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना है। पुनः 20 अक्टूबर से मौसम साफ हो जाएगा। इससे तापमान में 1 से 2 डिग्री की कमी दर्ज की जाएगी। यह जानकारी मौसम विभाग ने मंगलवार को दी। पिछले 24 घंटे के दौरान झारखंड में सबसे अधिक तापमान जमशेदपुर में 33.8 और सबसे कम तापमान लातेहार में 16.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 29.8, डिग्री, जमशेदपुर में 33.8, डालटेनगंज में 32 डिग्री, बोकारो में 32.5 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

हाई कोर्ट में झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद और आउटसोर्सिंग एजेंसी के खिलाफ याचिका

रांची : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद और उसकी आउटसोर्सिंग एजेंसी JMD Services Pvt. Ltd. के खिलाफ झारखंड हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की गई है। यह याचिका अवधेश कुमार दीपक एवं अन्य 126 ब्लॉक रिसोर्स पर्सन द्वारा अधिवक्ता चंचल जैन के माध्यम से दाखिल की गई है। याचिका में कहा गया है कि परिषद् द्वारा आउटसोर्सिंग एजेंसी को प्रत्येक प्रशिक्षित ब्लॉक रिसोर्स पर्सन के लिए 27,500 रुपये प्रतिमाह और अप्रशिक्षित के लिए 26,000 रुपये प्रतिमाह की राशि स्वीकृत की जाती है। लेकिन एजेंसी द्वारा कर्मचारियों को केवल 13,975 रुपये प्रतिमाह का ही भुगतान किया जा रहा है। याचिका में यह कहा गया है कि इस प्रकार एजेंसी द्वारा प्रति माह लगभग 50,71,875 रुपये की राशि गैरकानूनी रूप से रोकी जा रही है, जो समान कार्य के लिए समान वेतन के संवैधानिक सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

झारखंड ऊर्जा निगम की परीक्षा में धांधली हुई है : अजय राय

रांची : झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने राज्य ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा विगत 9 अक्टूबर को ली गई आंतरिक परीक्षा में धांधली करने का आरोप लगाया है। संघ के अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी। अजय राय ने आरोप लगाया कि परीक्षा में ऐसे कई अभ्यर्थियों को पात्र घोषित कर दिया गया है, जो विज्ञापन की अर्हता मापदंडों पर खरे नहीं उतरते। इसे लेकर सूचना अधिकार अधिनियम-2005 के तहत विभाग से सूचना मांगी गई थी, लेकिन छह माह बीतने के बावजूद ऊर्जा विभाग खामोश है।

रांची पुलिस में एक दर्जन से अधिक थाना प्रभारी बदले गए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची पुलिस विभाग में मंगलवार को एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया गया है। एसएसपी राकेश रंजन ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कई थाना प्रभारियों और पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है। इस फेरबदल में एक दर्जन से अधिक थाना प्रभारियों को हटाकर उनकी जगह नए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है, जबकि करीब 28 सब इंस्पेक्टरों का थाना बदला गया है। इस बदलाव को पुलिस विभाग में कार्यक्षमता बढ़ाने और प्रशासनिक संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया है।

नये थाना प्रभारी बनाए गए अधिकारी

सतीश कुमार-1 : पिठोरिया थाना प्रभारी	सत्य प्रकाश उपाध्याय : दलादली टीओपी प्रभारी
सिद्धांत : तुपुदाना थाना प्रभारी	शुभम कुमार : ठाकुरगांव थाना प्रभारी
अजय कुमार दास : बीआईटी मेसरा ओपी प्रभारी	सुनील कुमार गौड़ : खादगढ़ा टीओपी प्रभारी
टिंकू रजक : चान्हो थाना प्रभारी	रंजीत कुमार : पंडरा यातायात थाना प्रभारी
मनोज करमाली : मांडर थाना प्रभारी	गौतम कुमार रजवार : अनगड़ा थाना प्रभारी
मनीष कुमार : खरसीदाग ओपी प्रभारी	दुलाल कुमार महतो : मोराबादी टीओपी प्रभारी
नवीन शर्मा : बुढ़मू थाना प्रभारी	राहुल कुमार मेहता : मुरी ओपी प्रभारी
गोविंद कुमार : लापुंग थाना प्रभारी	
सुजीत कुमार उरांव : बेड़ो थाना प्रभारी	
फैज रब्बानी : पंडरा ओपी प्रभारी	

जिन अधिकारियों का ट्रांसफर हुआ

अभय कुमार : भेजे गए सदर थाना	भावेश कुमार : चुटिया थाना
संजीव कुमार : बरियातू थाना	रितेश कुमार महतो : डोरंडा थाना
हीरालाल शाह : धुर्वा थाना	अभिषेक कुमार दो : लोअर बाजार थाना
चंदन कुमार गुप्ता : अरगोड़ा थाना	देव प्रताप धन : हिंदपीढ़ी थाना
राहुल : सुखदेव नगर थाना	गगन कुमार ठाकुर : प्रभारी, अभियोजन कोषांग

दीपिका पांडेय से ग्रामीण आवास योजना के कर्मियों ने की मुलाकात, मानदेय वृद्धि की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, अबुआ आवास योजना, पीएम-जनमन आवास योजना और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना के राज्य स्तरीय कर्मी संघ के जिला प्रतिनिधियों ने आज ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात की।

संघ के प्रतिनिधियों ने मंत्री को अपनी मांगों से जुड़ा ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016-17, 2017-18 और 2018-19 में नियुक्ति होने के बाद से अब तक उनके मासिक मानदेय में कोई वृद्धि नहीं की गई है। महंगाई के इस दौर में वे बहुत कम मानदेय पर योजनाओं का संचालन कर रहे हैं। संघ ने मंत्री से अनुरोध किया कि वित्त विभाग के संकल्प संख्या 2248/विः (27.09.2024) के अनुसार सातवें वेतनमान के अनुरूप मानदेय बढ़ाया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कुछ अन्य मांगें भी रखीं जैसे सभी कर्मियों और पदाधिकारियों को जीवन बीमा व दुर्घटना बीमा का लाभ दिया जाए। यदि किसी कर्मी को बिना कारण योजना कार्य से हटाया जाता है, तो उसे विभाग स्तर पर अपील करने का अवसर मिले और इसके लिए अपील समिति का गठन किया जाए। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कर्मियों की मांगों को ध्यान से सुना और कहा कि सभी उचित मांगों पर जल्द और न्यायोचित कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर राज्य आवास कर्मी संघ, झारखंड, रांची के प्रतिनिधि मंडल ने भी ग्रामीण आवास योजनाओं के कार्यान्वयन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'सरदार @150 यूनिटी मार्च' को लेकर कार्यशाला संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारत सरकार के युवा कार्य विभाग के नेतृत्व में सरदार बल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित 'सरदार @150 यूनिटी मार्च' को लेकर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में प्रदेश और जिला स्तर की टोली के सदस्य शामिल हुए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष व सांसद आदित्य साहू ने कहा कि यह अभियान एक भारत, आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करेगा। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के मिशन से जोड़ते हुए यह यात्रा जनभागीदारी का अद्भुत उदाहरण बनेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि झारखंड में यह पदयात्रा 31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक चलेगी। हर लोकसभा क्षेत्र में तीन दिवसीय यात्रा होगी, जिसमें प्रतिदिन 10 किलोमीटर की पदयात्रा की जाएगी। यह कोई दलीय नहीं, बल्कि जन अभियान है, जिसमें हजारों लोग तिरंगे के साथ शामिल होंगे।

झारखंड उच्च न्यायालय ने नगर निगम - नगर निकाय का चुनाव नहीं कराने पर जताई नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने नगर निगम और नगर निकाय का चुनाव अबतक नहीं कराने पर नाराजगी जतायी है। अदालत ने इसे अवमानना का मामला करार देते हुए भारत के निर्वाचन आयोग को नोटिस भी जारी किया है। उच्च न्यायालय ने चुनाव प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। झारखंड में नगर निगम और नगर निकाय चुनाव नहीं कराने के मामले में दायर अवमानना याचिका पर आज उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत के आदेश पर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, गृह सचिव वंदना डाडेल, नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार और अपर सचिव ज्ञानेंद्र कुमार हाजिर हुए। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आनंदा सेन की अदालत ने सुनवाई के दौरान राज्य में नगर निगम और नगर निकायों का चुनाव अबतक नहीं कराने पर नाराजगी जताई और इसे अवमानना का मामला करार देते हुए कहा कि राज्य की सरकार नगर निकायों में ओबीसी आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया के नाम पर चुनाव नहीं रोक सकती।

महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि ट्रिपल टेस्ट भी कराया जा चुका है, इसकी रिपोर्ट कैबिनेट को भेजी जाएगी। अनुमोदन मिलने के बाद राज्य सरकार झारखंड में नगर निगम और नगर निकायों का चुनाव करने की अनुशंसा राज्य निर्वाचन आयोग को भेजेगी। इस पर अदालत ने राज्य सरकार को नगर निगम और नगर निकायों के चुनाव कराने के संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग को अनुशंसा भेजने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया।

वहीं, राज्य निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया की ओर से चुनाव कराने के लिए तीन माह का समय मांगा गया, लेकिन उनकी मांग को खारिज करते हुए अदालत ने राज्य निर्वाचन आयोग को अगली सुनवाई में (10 नवंबर) को यह बताने के लिए कहा कि वह कितनी जल्दी (कबतक) राज्य में नगर निगम और नगर निकायों का चुनाव करा सकता है? अदालत ने अगली सुनवाई में भी मुख्य सचिव अविनाश कुमार, गृह सचिव वंदना डाडेल और नगर विकास सचिव को हाजिर रहने को कहा है।

रांची नगर निगम की निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो ओर रीना कुमारी की ओर से अवमानना याचिका दायर की गयी है, जिसमें उन्होंने नगर निगम और नगर निकाय चुनाव कराने के अदालत के आदेश का अनुपालन कराने की मांग की है। दोनों की याचिका पर सुनवाई करते हुए 4 जनवरी 2024 को नगर निकाय के चुनाव की तारीखें तीन हफ्ते के भीतर घोषित करने का आदेश दिया था। उच्च न्यायालय ने तब कहा था कि नगर निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी चुनावों को लटकाए रखना संवैधानिक और स्थानिक ब्रेकडाउन है।

उल्लेखनीय है कि झारखंड में वर्ष 2020 के जून माह से 12 शहरी निकायों में चुनाव नहीं हुआ है। कई नगर निगम का संचालन बिना चुनाव कराये हो रहा है।राज्य में सभी नगर निकायों का कार्यकाल भी अप्रैल 2023 में ही समाप्त हो गया है। नए कार्यकाल के लिए चुनाव 27 अप्रैल, 2023 तक करा लिए जाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा हो नहीं पाया है। इसके पीछे की वजह यह है कि राज्य सरकार ने नगर निकायों का नया चुनाव कराने के पहले ओबीसी आरक्षण का प्रतिशत तय करने के लिए राज्य में ट्रिपल टेस्ट कराने का फैसला लिया है और इसकी प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हुई है।

संक्षिप्त खबरें

175वां श्री सुंदरकांड व श्री हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

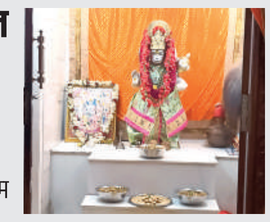

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 175वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया साधु संत के तुम रखवारे असुर निकन्दन राम दुलारे के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। राजेश ढांढनीया पिंटू ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। सुनील मोदी ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया, उपाध्यक्ष अशोक लड़िया, निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, सुनील मोदी, हर्ष, कृष्णा कुमार आदि भक्त उपस्थित थे।

उच्च न्यायालय ने सूर्या हांसदा मुठभेड़ मामले में सरकार को जवाब दाखिल करने का दिया निर्देश

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय में मंगलवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के टिकट पर चुनाव लड़ चुके सूर्या हांसदा एनकाउंटर मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई हुई। सुवाई के बाद अदालत ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेता पंकज मिश्रा को नोटिस जारी किया, साथ ही राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समेत तमाम राजनीतिक दलों के टिकट पर विधानसभा के चुनाव लड़ चुके सूर्या हांसदा के एनकाउंटर मामले की सीबीआई जांच के लिए दायर क्रिमिनल रिट पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को 6 सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता पंकज मिश्रा को भी नोटिस जारी किया है। अदालत अब मामले की अगली सुनवाई छह सप्ताह बाद करेगी। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस अम्बुज नाथ की अदालत में प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता कुमार हर्ष ने पक्ष रखा। दरअसल, सूर्या हांसदा के मुठभेड़ को फर्जी बताते हुए उसकी पत्नी सुशीला मुर्मू और माँ नीलमुनी मुर्मू की ओर से इस पूरे मामले की जांच के लिए उच्च न्यायालय में क्रिमिनल रिट दाखिल की गई है। याचिका में राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, पुलिस महानिदेशक, गोड्डा जिले के पुलिस अधीक्षक और देवघर पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों को भी पार्टी बनाया गया है। सूर्या हांसदा की माँ नीलमुनि मुर्मू ने अपनी याचिका में कहा है कि घटना से पहले देवघर के मोहनपुर थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव से उनके बेटे सूर्या हांसदा की गिरफ्तारी हुई थी। हाल ही में साहिबगंज के मिर्जा चौकी थाना और गोड्डा के ललमटिया थाना में सूर्या हांसदा के खिलाफ कई संगीन अपराधों में संलिप्त रहने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। उल्लेखनीय है कि गोड्डा में 11 अगस्त को पुलिस से मुठभेड़ में सूर्या हांसदा मारा गया था। मुठभेड़ बोआरीजोर थाना क्षेत्र स्थित ललमटिया धमनी पहाड़ में हुई थी। 10 अगस्त को शाम में ही उनकी गिरफ्तारी हुई थी।

छठ पर्व की तैयारी तेज : प्रशासक ने तालाबों का किया निरीक्षण

रांची : राज्य सरकार के निर्देश और मंत्री सुदिव्य कुमार के मार्गदर्शन में रांची नगर निगम ने छठ महापर्व की तैयारियां शुरू कर दी हैं। शहर के सभी तालाबों और घाटों पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है ताकि श्रद्धालु स्वच्छ माहौल में पूजा कर सकें। इसी क्रम में मंगलवार को नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव ने वार्ड 10 के टुनकी टोली तालाब और वार्ड 9 के तिरिल तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई व्यवस्था की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को तीन दिनों में पूरा काम खत्म करने का अल्टीमेटम दिया। टुनकी टोली तालाब के चारों ओर पूरी सफाई और कूड़ा उठाव हो। ब्लीचिंग पाउडर और फिटकरी का छिड़काव तुरंत शुरू किया जाए। घास काटने और पेड़ों की डालियाँ छाँटने का निर्देश। सीढ़ियों की मरम्मत, ग्रिल की पेंटिंग और बाउंड्री निर्माण जल्द पूरा किया जाए। गहरे हिस्सों को बांस-बल्लियों और रिबन से घेरा जाए। पर्याप्त लाइटिंग और सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं।

सरला बिरला में आरंभ हुई आठवीं बी.के. बिरला रांची जिला अंतर-विद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025-26

रांची : मंगलवार को सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में आठवीं बी.के. बिरला रांची जिला अंतर-विद्यालय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025-26 का भव्य शुभारंभ हुआ। रांची जिला ताइक्वांडो संघ द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में जिले के 16 से अधिक विद्यालयों के 230 से भी अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ी बालक एवं बालिका वर्ग के अंतर्गत अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन अंडर-14 वर्ग के मुकाबले आयोजित किए गए, जबकि अंडर-17 और अंडर-19 वर्ग के मुकाबले 15 अक्टूबर को संपन्न होंगे। उद्घाटन समारोह उत्साह और ऊर्जा से परिपूर्ण रहा। समारोह की शुरूआत में एक आकर्षक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें ताइक्वांडो तकनीकों और नृत्य एवं ताल का अद्भुत मिश्रण दिखाया गया। इसके साथ ही पारंपरिक दीप प्रज्वलन और उपस्थित विशिष्ट अतिथियों के प्रेरणादायक उद्बोधन ने कार्यक्रम को और जीवंत बना दिया। इस चैंपियनशिप का उद्देश्य छात्रों में शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता, अनुशासन तथा निष्पक्ष खेल भावना को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर प्राचार्या मनीषा शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देने और खेल भावना को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ताइक्वांडो मात्र एक खेल नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा माध्यम है जो एकाग्रता, सम्मान और आत्मबल को विकसित करता है।

एक नजर

बोकारो पुलिस अधीक्षक ने की मासिक अपराध समीक्षा बैठक

बोकारो : पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी एसडीपीओ, डीएसपी और थाना प्रभारी शामिल हुए। एसपी ने कहा कि जिले में पुलिस गश्ती व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं ताकि आमजन को सुरक्षा का बेहतर अनुभव मिल सके। उन्होंने निर्देश दिया कि मुख्यालय के आदेशानुसार सभी थानों में आने वाले आगंतुकों के लिए बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एसपी ने यह भी कहा कि जेल से रिहा होने वाले अपराधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि वे दोबारा किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल न हों। उन्होंने हाल ही में जरिडीह थाना पुलिस द्वारा चोरी के मामले में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी की सराहना की। वहीं, सियालजोरी थाना क्षेत्र में एक चोर को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, हजारीबाग और बोकारो पुलिस के संयुक्त अभियान में दो हथियार और कई जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। एसपी ने कहा कि पुलिस टीम का मनोबल ऊँचा है और अपराध पर नकेल कसने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

चास में छठ महापर्व की तैयारी को लेकर अटल जागृति मंच ने सौंपा मांग पत्र

बोकारो : आगामी छठ महापर्व को देखते हुए अटल जागृति मंच के प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को चास नगर निगम के अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार से मुलाकात कर छठ घाटों की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान मंच द्वारा सफाई, प्रकाश और सुरक्षा को लेकर कई बिंदुओं पर चर्चा की गई और एक मांग पत्र सौंपा गया। मांग पत्र में छठ घाटों की नियमित सफाई, सभी वार्डों में प्रतिदिन कचरा उठाव, घाटों पर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, मच्छर नियंत्रण हेतु फॉगिंग की व्यवस्था पर जोर दिया गया। साथ ही प्रत्येक घाट पर जरूरत अनुसार पहले से डस्ट (बालू) की व्यवस्था, पर्याप्त लाइट की स्थापना और खराब एलईडी लाइटों को तुरंत ठीक करने की बात कही गई।मंच ने चास हेल्पिंग हैंड छठ घाट, इंडियन क्लब गांधी चौक घाट, नवयुवक दल भोजपुर कॉलोनी पुल के पास घाट, कैलाश नगर घाट, भोजपुर कॉलोनी, रामनगर, गुजरात कॉलोनी पोल पर लाइट की मरम्मत जैसी स्थान-विशिष्ट तैयारियों पर भी नगर निगम का ध्यान आकर्षित किया। इस मौके पर राकेश कुमार मधु, प्रवीण कुमार, टुनटुन मिश्रा, सुनील कुमार, कुंदन सिंह, अजीत ठाकुर समेत कई सदस्य उपस्थित रहे।

डीपीएस बोकारो को मिला 'करियर चेंजमेकर्स अवार्ड'

बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ खेल, कला-संस्कृति, तकनीक सहित अन्य सभी विधाओं में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रयास एक बार फिर रंग लाया है। विद्यालय को करियर चेंजमेकर्स अवार्ड 2025 के खिताब से नवाजा गया है। नई दिल्ली के क्राउन प्लाजा ओखला में करियर गाइड की ओर से बीते शनिवार को आयोजित एआई एडु समिट 2025 में विद्यालय को यह पुरस्कार प्रदान किया गया। समग्र शिक्षा में उत्कृष्टता की कैटेगरी में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने यह सम्मान डीपीएस बोकारो परिवार की तरफ से प्राप्त किया। भारतवर्ष से केवल 25 शैक्षणिक संस्थानों को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला, जिसमें डीपीएस बोकारो ने पूरे झारखंड से एकमात्र विद्यालय के रूप में शामिल होने का गौरव पाया। नई दिल्ली से विद्यालय के लिए एक नई राष्ट्रीय गरिमा के रूप में उक्त सम्मान लेकर प्राचार्य के लौटने पर मंगलवार को विद्यालय में एक विशेष एसेंबली आयोजित की गई।

सेक्टर 6 में भूख-प्यास से जूझते मां-बेटे को पुलिस ने छुड़ाया, प्रॉपर्टी के लिए 15 महीने तक रखा बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : प्रॉपर्टी हड़पने की साजिश में इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला बोकारो से सामने आया है। यहां सेक्टर-6डी स्थित आवास संख्या 2517 में चास के वंशीडीह निवासी मां-बेटे को 15 महीनों तक कैद में रखे जाने का खुलासा हुआ है। सोमवार को सूचना मिलने पर सेक्टर-6 थाना प्रभारी संगीता अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और ताला तोड़कर दोनों को मुक्त कराया। पीड़ित बेटे संतोष सिंह ने बताया कि सेक्टर-3 निवासी अशोक सिंह ने किसी केस में मदद के नाम पर उन्हें पैसे दिए थे। बाद में उन्हीं पैसों की वसूली और प्रॉपर्टी अपने नाम करवाने के लिए उसने अपने साथियों के साथ मिलकर मां-बेटे को बंधक बना लिया। थाना प्रभारी संगीता के मुताबिक, दोनों की हालत बेहद खराब थी। उन्हें भोजन और दवा के लिए भी मोहताज होना पड़ा। घर से बाहर निकलने पर रोक थी, इसलिए संतोष रस्सी से झोला नीचे लटकाकर गुजरने वालों से खाने-पीने का सामान मंगाते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी अशोक सिंह खुद को कांग्रेस नेता बताता है।

पीड़ित संतोष ने बताया कि अशोक सिंह ने पहले उसकी मां से अधिवक्ता नीतीश टंडन के जरिए मुलाकात कराई थी और केस में आर्थिक मदद का भरोसा दिया था। बाद में उसने चास स्थित प्रॉपर्टी पर पावर ऑफ अटॉर्नी भी अपने नाम करा लिया और 23 जुलाई 2024 से दोनों को क्वार्टर में बंद कर दिया।

पहले से जेल में है आरोपी

सेक्टर-3 निवासी अशोक सिंह को चीराचास थाना पुलिस ने 12 अक्टूबर को एक अन्य मामले में – छेड़खानी और अश्लील वीडियो वायरल करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इस संबंध में चीराचास थाना में कांड संख्या 101/2025 दर्ज है। अब सेक्टर-6 थाना पुलिस मां-बेटे के बयान के आधार पर नई प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी में है।

लोहा व्यवसायी के घर जीएसटी छापेमारी, करोड़ों की टैक्स चोरी की जांच

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले के चास, पुरुलिया रोड स्थित मानसरोवर ब्लॉक डी में लोहा व्यवसायी प्रदीप तलबलिया के आवास पर जीएसटी टीम ने सवेरे सात बजे छापेमारी की। यह कार्रवाई जीएसटी टैक्स की चोरी की लेकर की गई। जानकारी के अनुसार प्रदीप लोहे की ट्रासंपोर्ट में कई गाड़ी बिना ऑथेंटिक चलान एवं डॉक्युमेंट्स के भेज रहे थे जिसमें जीएसटी टैक्स की चोरी की जा रही थी। बताया जा रहा है कि करोड़ों की टैक्स चोरी का मामला हैं। सवेरे से ही मानसरोवर एंक्लेव की गेट पर सीआरपीएफ के जवान तैनात किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक प्रदीप के घर खाता बही सहित अन्य दस्तावेज खंगाले गए है। जिसने जीएसटी विभाग के आधा दर्जन से अधिक वरिष्ठ अधिकारी लगे है। छापेमारी में चास थाना की पुलिस भी सहयोग कर रही है। टीम ने परिसर में आने-जाने वाले लोगों की सघन तलाशी शुरू कर दी है। पुलिस ने पूरी बिल्डिंग को अपने सुरक्षा घेरे में ले लिया है। अधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण कागजात जब्त किए हैं।

प्रदीप तलबलिया से पूछताछ जारी है। उनकी व्यवसायिक गतिविधियों और लेन-देन से जुड़े दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। सूत्रों की माने तो इस छापेमारी में व्यापार से जुड़े किसी भी प्रकार के अनियमित लेन-देन का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल कार्रवाई जारी है।

छात्र की सूझबूझ से टला अपहरण, दांत से काटकर खुद को बचाया, झाड़ियों में छिपकर बचाई जान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद के धनसार थाना क्षेत्र स्थित एक निजी स्कूल के बाहर मंगलवार सुबह एक छात्र के अपहरण की कोशिश की गई, लेकिन छात्र की सूझबूझ और साहस के कारण यह प्रयास विफल हो गया। जानकारी के अनुसार, छात्र लगभग 11 बजे स्कूल वैन से स्कूल पहुंचा था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति, जिसने टोपी और चेहरे पर रुमाल बांध रखा था, ने छात्र को पकड़कर जबरन खींचने की कोशिश की। पास की झाड़ियों में एक वैन खड़ी थी, जबकि एक युवक नीली शर्ट पहनकर बाइक पर मौजूद था। छात्र ने दिखाई बहादुरी, अपहरणकर्ता का हाथ दांत से काटकर खुद को छुड़ाया और भागकर करीब दो किलोमीटर दूर झाड़ियों में छिप गया। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से छात्र को सुरक्षित स्कूल लाया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्कूल प्राचार्य ने छात्र के पिता और धनसार थाना प्रभारी मनोहर करमाली को जानकारी दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने छात्र, उसके परिजनों और स्कूल प्रशासन से पूछताछ की है। फिलहाल आरोपी की पहचान और उसकी तलाश की जा रही है। धनसार पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन बना राज्य का पहला ऑटोनॉमस बीएड कॉलेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कोडरमा को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्वायत्त दर्जा प्रदान किया गया जिसकी अधिसूचना विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग द्वारा जारी कर दिया गया है। यह उपलब्धि न केवल कॉलेज के लिए बल्कि पूरे झारखंड राज्य एवं विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के लिए भी गौरव का विषय है, क्योंकि यह झारखंड राज्य का पहला स्टैन्डअलोन बी.एड. महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय का पहला स्वायत्त महाविद्यालय बना। स्वायत्त मिलने के पश्चात महाविद्यालय को विभिन्न प्रकार के लाभ प्राप्त होंगे। जिसमें महाविद्यालय स्वयं का नए पाठ्यक्रम तैयार कर सकेगा, जो आधुनिक समय की जरूरतों और रोजगारोन्मुख शिक्षा से जुड़ा होगा साथ ही साथ तेजी से निर्णय लेने और कार्यान्वयन की स्वतंत्रता मिलने से प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी इसके साथ ही अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे तथा विद्यार्थियों को रोजगार-उन्मुख और व्यावहारिक शिक्षा का लाभ के साथ नए कोर्स, आधुनिक शिक्षण पद्धति और मूल्यांकन प्रणाली से छात्रों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी और एक्सचेंज प्रोग्राम की संभावनाएँ बढ़ेंगी एवं परीक्षाओं और परिणामों की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और समयबद्ध होगी। महाविद्यालय प्रबंधन ने इस उल्लेखनीय सफलता का श्रेय उप निदेशिका डॉ. संजीता कुमारी के उचित मार्गदर्शन एवं सतत प्रयास का प्रतिफल बताया साथ ही प्राचार्या डॉ. मृदुला भगत का निर्देशन एवं सभी सहायक प्राध्यापकों की कड़ी मेहनत एवं सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारियों, प्रशिक्षुओं, अभिभावकों तथा सहयोगी संस्थानों को दिया है, जिनके निरंतर सहयोग और प्रयास से संस्थान ने यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

डीपीएस चास बोकारो में दो दिवसीय साहसिक शिविर का शानदार आगाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विद्यार्थियों के बीच समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिल्ली पब्लिक स्कूल चास, बोकारो में मंगलवार को दो दिवसीय साहसिक शिविर का शानदार आगाज हुआ। इस साहसिक शिविर में आज पहले दिन कक्षा-प्रेप से पाँचवीं तक के 500 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गतिविधि क्षेत्र उत्साह से गूँज उठा जब विद्यार्थियों ने क्षमता और अक्षमता की सीमाओं को पार करके सक्रियता, तत्परता और सहजता पैदा करने की ललक को उजागर किया। इसमें उन्हें विभिन्न साहसिक खेलों, टीम-निर्माण खेलों में कौशल विकसित करने में मदद करने, टीमवर्क, समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देने का ज्ञान प्राप्त हुआ। शिविर में बच्चों की चपलता, शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती के साथ-साथ खेल भावना का जीवंत प्रदर्शन देखने को मिला। शिविर का उद्घाटन विद्यालय की निदेशिका प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने किया। सावधानीपूर्वक तैयार किए गए और कुशल प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में, बच्चों ने रस्सी पर चलना, मकड़ी के जाले जैसी संरचनाओं से होकर गुजरना, जटिल गुफाओं में से होकर गुजरना, डबल रोप ब्रिज, रस्सियों से चढ़ना, जिप लाइन, कैट वॉक और कमांडो क्रॉल जैसी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में सीखने की पहल, समूह-निर्माण कार्य और फन-भूलभुलैया गेम भी शामिल थे। उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी ने शिविर के उत्साह को और बढ़ा दिया।

ग्रामीण स्वास्थ्य सशक्तिकरण के लिए एड्स जागरूकता एवं नि:शुल्क जांच शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : अपने प्रमुख स्वास्थ्य पहल प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत ईएसएल स्टील लिमिटेड ने गिधतांड मोड़ (प्लांट गेट के पास) में एचआईवी/एड्स जागरूकता एवं नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन किया। यह शिविर सिटिजन्स फाउंडेशन, वन स्टॉप ऑर्गनाइजेशन और जिला स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया, जो समुदायों में स्वास्थ्य जागरूकता और सशक्तिकरण के प्रति ईएसएल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस पहल के तहत लगभग 30 लाभार्थियों जिनमें ट्रक चालक और बाहरी श्रमिक शामिल थे को नि:शुल्क और गोपनीय एचआईवी जांच, परामर्श तथा जागरूकता सत्र की सुविधा प्रदान की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य था प्रारंभिक पहचान को बढ़ावा देना, सामाजिक कलंक को कम करना और एचआईवी की रोकथाम व उपचार के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना, ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सक्रिय कदम उठा सकें।

संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 3-अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण के अनुरूप यह पहल, ईएसएल स्टील की इस प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है कि हर व्यक्ति को स्वस्थ जीवन और बेहतर कल्याण का अधिकार मिले, खासकर निवारक स्वास्थ्य सेवा और सामुदायिक जागरूकता के माध्यम से। प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत निरंतर प्रयासों के क्रम में, ईएसएल स्टील ने अब तक वित्तीय वर्ष 2025-26 में तीन एचआईवी/एड्स जागरूकता शिविर आयोजित किए हैं मई, जुलाई और अक्टूबर 2025 में, क्रमशः गिधतांड मोड़ और प्लांट के गेट के पास में शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों से अब तक 100 से अधिक लाभार्थी, ट्रक चालक एवं बाहरी श्रमिक लाभान्वित हो चुके हैं, जिन्हें नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं। इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर हेड, कुनाल दारीपा ने कहाः ईएसएल में हमारा मानना है कि असली प्रगति की शुरूआत अच्छे स्वास्थ्य से होती है। प्रोजेक्ट आरोग्य के माध्यम से हमारा उद्देश्य है कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं हमारे समुदाय के सबसे दूरस्थ हिस्सों तक पहुँचे। यह एचआईवी/एड्स जागरूकता अभियान हमारे निवारक स्वास्थ्य सेवाओं और एक अधिक जागरूक एवं सशक्त समाज के निर्माण के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

संक्षिप्त खबरें

शांतिकुंज, हरिद्वार के तत्वावधान में संस्कार परीक्षा संपन्न

कोडरमा : शांतिकुंज, हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित भारत के 22 राज्यों में 11 भाषा में लगातार 30 वर्षों से संपन्न हो रहा है। 13 अक्टूबर 2025 को 113 विद्यालय में कुल 10,275 बच्चों की सफल भागीदारी। आज अपनी संस्कृति संस्कार संस्कृति, मानवीय गरिमा, सकारात्मक दृष्टिकोण, कर्तव्यनिष्ठा का जागरण, परिष्कृत सकारात्मक दृष्टिकोण, नकारात्मक चिंतन से कैसे अपने आपको अच्छी चिंतन के साथ घर, परिवार,समाज और राष्ट्र को नई ऊंचाई देने में स्वस्थ्य चिंतन से आगे बढ़कर दिशा दे सकते हैं। आचार्य श्री का ध्येय 'अध्यापक है युग निमार्ता, छात्र राष्ट्र के भाग्य विधाता' आचार्य श्री के अनुसार विद्यालय ऐसे हों, जहाँ से अच्छे मनुष्य, महान मनुष्य एवं सर्वांगपूर्ण मनुष्य निर्माण हो। इसका ध्यान रखते हुए परीक्षा द्वारा विद्यालयों में अध्यनरत छात्र - छात्राओं में दूरदर्शी, विवेकशील एवं उच्च स्तरीय संवेदनाओं को जागृत करने, सत्य, प्रेम, न्याय का पथ प्रदर्शित कराने, समय प्रतिभा का समुचित उपयोग करने तथा जीवन प्रबंधन में प्रवीणता लाने हेतु सार्थक सिद्ध हो रही है। जिला शिक्षा पदाधिकारी का भी इस परीक्षा के लिए विधिवत सूचना देकर सभी प्रधानाध्यापक सभी सरकारी एवं निजी मध्य, माध्यमिक एवं+2 विद्यालय जिला कोडरमा को पत्र के माध्यम से उक्त तिथि को पूर्वाह्न 10 बजे से 11 बजे तक परीक्षा लेने के लिए निर्देश दिए। सभी विद्यालय प्राचार्य,सहयोगी आचार्यगण,सभी प्रखंड समन्वयक, सभी सहयोगी सक्रिय सैकड़ों कार्यकर्ता के सहयोग से जिला में 113 विद्यालय में कुल 10,275 बच्चों ने इस परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा के लिए व्यवस्था के तहत रजिस्ट्रेशन शुल्क क्लास 5 और 6 के लिए 35/- रु0, क्लास 7 से 12 तक के लिए 40/- रु लिया जाता है। परीक्षा के उपरांत सभी को प्रावीण्य- प्रमाण पत्र शान्तिकुंज से दिया जाता है। वर्ग में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को मेडल और प्रखंड स्तर, जिला स्तर और राज्य स्तर पर सभी वर्ग के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को मोमेंटो और प्रावीण्य प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाता है।

जयनगर में बीएलबीसी बैठक संपन्न ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं का अधिकतम लाभ दिलाने पर जोर

जयनगर : मंगलवार को जयनगर प्रखंड के प्रखंड सभागार में ब्लॉक लेवल बैंकर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार ने की, लीड बैंक मैनेजर विमल झा की उपस्थिति में बैंकिंग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में ग्रामीण जनता को सरकार की वित्तीय योजनाओं का समुचित लाभ दिलाने, बैंकिंग प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाने, और सभी हितग्राहियों तक सेवाओं को समय पर पहुँचाने के उद्देश्य पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान यह निर्देश दिया गया कि सभी बैंक शाखाएँ लाभुकों को बेहतर सेवा प्रदान करें और योजनाओं की जानकारी पारदर्शी ढंग से साझा करें, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। बैठक में जयनगर स्थित सभी बैंकों के शाखा प्रबंधकों के साथ-साथ जेएसएलपीएस के बीपीएम नीतीश कुमार, आवास प्रखंड समन्वयक सुमित कुमार झा, पंचायती राज विभाग से विवेक कुमार, प्रभारी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी सनोज कुमार, प्रखंड उद्योग समन्वयक मनोरंजन कुमार, एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। बैठक में योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ बैंक विभाग ग्राम समुदाय के समन्वय को मजबूत करने पर भी बल दिया गया। यह पहल ग्रामीण विकास की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित होगी।

भाजपा बोकारो में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान सम्मेलन संपन्न

बोकारो : भाजपा बोकारो जिला की ओर से मंगलवार को चास स्थित दीपांजलि पैलेस में विधानसभा स्तरीय सम्मेलन आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष जयदेव राय ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में धनबाद सांसद दुलु महतो शामिल हुए। अतिथियों का स्वागत गुलदस्ता और अंगवस्त्र भेंट कर किया गया।अपने संबोधन में डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ है ऐसा राष्ट्र जो अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में दूसरों पर कम निर्भर हो। उन्होंने बताया कि इस अभियान का लक्ष्य देश को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाना है ताकि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। उन्होंने स्थानीय उद्योगों, छोटे उद्यमियों और नवाचारों को बढ़ावा देने पर बल दिया और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।उन्होंने कहा कि पहले भारत को गोला-बारूद जैसी चीजों के लिए विदेशों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब ये वस्तुएं देश में ही निर्मित हो रही हैं। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि भारत से बड़ी मात्रा में औषधियां विदेश जाती हैं, जिसे देश के हित में संतुलित करने की आवश्यकता है। मौके पर प्रमंडलीय प्रभारी भरत यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष रोहित लाल सिंह, जिला महामंत्री अमर स्वर्णकार, आरती राणा, अर्चना सिंह सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर बोकारो कलाकार संघ ने किया संगीत संध्या का आयोजन

बोकारो : बोकारो कलाकार संघ द्वारा फिल्म जगत के प्रख्यात गायक व अभिनेता किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर सोमवार की देर शाम सेक्टर 2ए एसएसपी मार्केट स्थित म्यूजिक एकेडमी में एक शाम किशोर कुमार के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कलाकारों ने उन्हें स्वरमयी श्रद्धांजलि दी। इस संगीत संध्या की शुरूआत अतिथि व कलाकारों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा किशोर कुमार के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन से हुई। बोकारो के मुख्यालय डीएसपी अनिमेष गुप्ता, बोकारो कलाकार संघ के अध्यक्ष जगदीश बावला, महासचिव मनबोध मिश्रा, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार, उपकोषाध्यक्ष मृत्युंजय भट्टाचार्य, प्रतिनिधि मंडल सदस्य विधान दत्ता, कन्हैया वर्मा, मनोज उपाध्याय उर्फ सुमन जी, गायक अरुण पाठक, अमरजी सिन्हा, हिमांशु शेखर मिश्रा, प्रमोद कुमार, रमण चौधरी, अरुप रक्षित, शंभु झा,पूजा सिन्हा, कन्हैया लाल, राजा, एस के झा आदि ने किशोर दा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

भुरकुंडा में हिस्सेदारी विवाद के कारण रोड सेल शुरू करने की प्रक्रिया ठप, रैयत विस्थापित मोर्चा ने किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : रामगढ़ जिला अंतर्गत कोयलांचल के भुरकुंडा में सोमवार को रोड सेल चालू करने की कवायद समितियों के बीच आपसी सामंजस्य नहीं बनने के कारण ठंडी पड़ गई। जैसे ही सीसीएल प्रबंधन द्वारा रोड सेल शुरू किए जाने की जानकारी मिली, रैयत विस्थापित मोर्चा ने सुबह से ही कोल डिपो मार्ग पर धरना-प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम कर दी। पुरुष और महिलाएं पारंपरिक हथियारों व ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंचे और सीसीएल भुरकुंडा कोलियरी प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। झारखंडी बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के सदस्य भी इसमें शामिल रहे। विधि-व्यवस्था के मद्देनजर भुरकुंडा ओपी प्रभारी कुणाल कुमार सदलबल के साथ मुस्तैद रहे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सीसीएल प्रबंधन बिना हिस्सेदारी और सहमति तय किए रोड सेल चालू करना चाह रहा था। मोर्चा ने स्पष्ट किया कि हिस्सेदारी सुनिश्चित किए बिना रोड सेल शुरू नहीं होने दिया जाएगा। काफी देर तक चली गहमागहमी के बीच भुरकुंडा परियोजना के सहायक प्रबंधक दिव्येंदु ने प्रतिनिधियों से बातचीत कर लिखित आश्वासन दिया कि सभी समितियों के बीच सहमति बनने के बाद ही रोड सेल चालू किया जाएगा, जिसके बाद आंदोलन स्थगित कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर रोड सेल चालू नहीं होने से नाराज भुरकुंडा विस्थापित प्रभावित रोड सेल समिति ने छठ मंदिर के निकट बलकुदरा माइंस की सड़क को जाम कर दिया और रोड सेल अविलंब चालू करने की मांग की। सूचना पर परियोजना पदाधिकारी कुमार राकेश सत्यार्थी पहुंचे और दो दिनों में उचित पहल करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम समाप्त कर दिया गया। बताया गया कि लगभग डेढ़ वर्ष से बंद भुरकुंडा रोड सेल को पुनः शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है, परंतु हिस्सेदारी और संचालन को लेकर पांच-छह गुटों में मतभेद बना हुआ है। अधिकांश गुटों में सहमति बन चुकी है, जबकि रैयत विस्थापित मोर्चा और झारखंडी बेरोजगार संघर्ष मोर्चा हिस्सेदारी की मांग पर अड़े हुए हैं। जानकारों का कहना है कि बिना सर्वसम्मति रोड सेल शुरू करने पर संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जो प्रबंधन के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।

एक नजर

भुरकुंडा में ठेका ड्राइवरों की हड़ताल, एंबुलेंस सेवा दो घंटे तक ठप

भुरकुंडा : भुरकुंडा सीसीएल अस्पताल में ठेका ड्राइवरों की हड़ताल से एंबुलेंस सेवा पूरी तरह ठप हो गई। लगभग दो घंटे तक अस्पताल परिसर में सभी वाहन बंद रहे, जिससे मरीजों और परिजनों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। अपने हक और अधिकारों की मांग को लेकर ड्राइवरों ने सीपीआई पार्टी के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें ड्राइवरों ने न्यायसंगत वेतन, मेडिकल सुविधा और स्थायी कर्मियों जैसी सुविधाएं देने की मांग रखी। ड्राइवरों ने कहा कि सीसीएल, जो भारत सरकार की सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड कंपनी का हिस्सा है, के तहत बरका सयाल क्षेत्र में आउटसोर्सिंग कंपनियों के माध्यम से कार्यरत कर्मियों को अब तक कोई मूलभूत सुविधा नहीं मिल रही है। ड्राइवरों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गईं, तो आने वाले दिनों में चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा।

प्रधानाध्यापक की पिटाई से छात्रा की मौत, सड़क जाम

गढवा : पलामू प्रमंडल के गढ़वा जिले के बड़गड़ हाईस्कूल की छात्रा दिव्या कुमारी की इलाज के दौरान मौत हो गई। दिव्या बड़गड़ निवासी संजय गुप्ता की पुत्री थी। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, 15 सितंबर को दिव्या कुमारी विद्यालय गई थी। इसी दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका द्रोपदी मिंज ने किसी बात को लेकर उसकी पिटाई कर दी। पिटाई के बाद छात्रा सदमे में चली गई और उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने उसे तत्काल इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से स्थिति गंभीर होने पर रांची रिम्स रेफर किया गया। इलाज के दौरान मंगलवार को छात्रा ने दम तोड़ दिया।

सरिया में अवैध आरामिलों पर बुलडोजर कार्रवाई 5 लाख से अधिक की लकड़ी और उपकरण जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पूर्वी वन प्रमंडल के निर्देश पर अवैध आरामिलों के खिलाफ मंगलवार को सरिया प्रखंड के पूणीडीह, कोइरीडीह और सिंगड़ीह में सघन छापामारी अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई में छह अवैध आरामिलों को जेसीबी से ध्वस्त कर नष्ट किया गया। साथ ही, लगभग 5 लाख रुपये से अधिक मूल्य की विभिन्न प्रजातियों की लकड़ी, आरा हाथी, डीजल इंजन, प्लेटफॉर्म, चक्का और चिरान को जप्त कर ट्रैक्टरों के माध्यम से सरिया वन परिसर कार्यालय लाया गया।छापामारी का नेतृत्व रेंजर सुरेश राम ने किया। कार्रवाई में पचू महतो, अशोक वर्मा, मनोज यादव, किशुन मांझी, सुरेंद्र वर्मा और प्रदीप वर्मा के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 41, 42 और बिहार काष्ठ चिरान विनियमन अधिनियम, 1990 की धारा 9, 10, 14 के तहत वन मुकदमा दर्ज किया गया।रेंजर सुरेश राम ने बताया कि अवैध आरामिलों के खिलाफ छापामारी अभियान लगातार जारी रहेगा। जहां भी अवैध संचालन की सूचना मिलेगी, वहां बुलडोजर से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि वन संपदा को नुकसान पहुंचाने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। ग्रामीणों से अवैध आरामिलों, पातन, खनन और परिवहन की सूचना देने की अपील भी की गई।इस अभियान में फॉरेस्टर अंशु कुमार, वनपाल रंजन कुमार, दिलो रविदास, रजा अहमद, वनरक्षी कुंदन कुमार दास, सोमनाथ मोदक, हरिशंकर वर्मा, सुमित रंजन, विशाल कुमार, नंद किशोर दास, राज कुमार गुप्ता, परमेश्वर कुमार, सुदीप गंझु, सुनील यादव, केशव महतो, विकास महतो, सरिता कुमारी, इंदु कुमारी, आनंद प्रजापति, विष्णु राय और हैदर अली शामिल थे।

रामगढ़ पुलिस ने महिला हत्याकांड का किया खुलासा, ट्रक चालक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भदानीनगर ओपी क्षेत्र के चैनगड्डा फ्लाईओवर के निकट बीते शनिवार तड़के हुई महिला हत्या कांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। पुलिस ने इस जघन्य अपराध के आरोपी ट्रक चालक सुविंद्र यादव (41 वर्ष) पिता स्व. अर्जुन यादव, निवासी झोरसलैया, थाना शेरघाटी, जिला गया (बिहार) को रांची जिले के खलारी क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि मृतका रामगढ़ में एक सत्संग में शामिल होकर घर लौट रही थी। भतीजे ने उसे चैनगड्डा के पास उतारा था, जहां वह सवारी गाड़ी का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान एक ट्रक वहां रुका, जिसका चालक लिफ्ट देने के बहाने महिला से बातचीत करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने महिला को जबरन मिल परिसर की ओर ले जाकर दुष्कर्म किया और गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ट्रक लेकर फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए 15 विशेष जांच टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ट्रक की पहचान की, जिस पर यजीसी लिखा था। सुराग मिलते ही टीम ने गया (बिहार) और आसपास के जिलों में लगातार छापेमारी की। तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी के खलारी (रांची) में होने की सूचना मिली, जहां से उसे ट्रक सहित गिरफ्तार किया गया। ट्रक (संख्या JH02U-9638) को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने आरोपी के पहने कपड़े, चप्पल और मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। एसपी ने बताया कि आरोपी पोर्न साइट्स देखने का आदि था और घटना के बाद गूगल पर लगातार पुलिस की गतिविधियों और जांच की जानकारी सर्च कर रहा था। उन्होंने कहा यह जघन्य अपराध है।

संक्षिप्त खबरें

मुखिया संघ ने पटमदा बीडीओ को सौंपा छः सूत्री मांग पत्र

पटमदा : पटमदा बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग को मुखिया संघ पटमदा के द्वारा छः सूत्री मांग पत्र सौंपा गया।ज्ञापन में मुखिया का प्रोत्साहन राशि अविलंब उपलब्ध करवाने,अबुआ आवास योजना के लाभुकों का प्रथम किस्त प्रदान करने, मनरेगा योजना मैटेरियल की राशि अविलंब उपलब्ध कराने, आंगनबाड़ी केंद्र से बांटने वाले पैकेट को फेस कैप्चर की अनिवार्यता का विकल्प निकालकर दिया जाए,15 वा वित्त आयोग के 23-24,24-25 की बकाया राशि पंचायत को जल्द उपलब्ध कराया जाए,मनरेगा बागवानी योजना के लाभुकों को आम का पौधा जल्द उपलब्ध कराया जाए आदि मांगे शामिल थी। इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों को मुखिया संघ अध्यक्ष कृष्ण पद सिंह, सचिव कानूराम बेसरा, कश्मार मुखिया लक्ष्मी सिंह, उषा रानी सिंह, ओड़िया मुखिया सावित्री सिंह, जोबारानी सिंह, गंगाधर सिंह आदि मौजूद थे।

`सरिया रेलवे फाटक आज 2 घंटे के लिए 11:30 बजे से 13:30 बजे तक रहेगा बंद

सरिया : सरिया स्थित रेलवे फाटक 20बी3टी पर मेंटनेश का काम को लेकर बुधवार के दिन 11:30 बजे दिन से 13 : 30 बजे तक दो घंटा पूर्ण रूपेण बंद रहेगा। इसे लेकर पूर्व मध्य रेलवे हजारीबाग रोड के वरीय अनुभाग अभियंता आलोक कुमार द्वारा जारी पत्र के आलोक में कहा गया है कि 15 अक्टूबर बुधवार को रेलवे फाटक पर ट्रैक मशीन के माध्यम से स्लीपर बदलने का कार्य किया जाएगा। जिस कारण रेलवे फाटक LC-20 SPL/T इस अवधि में पूर्णत: (120 मिनट तक) बंद रहेगा। जिस कारण सरिया से होकर गुजरने वाली रांची-देवघर-दुमका मुख्य सड़क मार्ग पर इस रेलवे फाटक से होकर किसी भी प्रकार के वाहनों का परिचालन बंद रहेगा। इसकी जानकारी रेलवे यातायात प्रभारी पारसनाथ, स्टेशन प्रबन्धक हजारीबाग रोड , आर पी एफ निरीक्षक हजारीबाग रोड, थाना प्रभारी सरिया को दिया गया है। वहीं इस ट्रैफिक ब्लॉक को लेकर रेलवे अधिकारियों के द्वारा बताया गया कि इस ब्लॉक के कारण रेलवे लाइन से गुजरने वाले यात्री ट्रेन प्रभावित नहीं होंगे क्योंकि इस अवधि में कोई यात्री ट्रेन का परिचालन नहीं होता है। लेकिन गुड्स ट्रेन (मालवाहक ट्रेन) का परिचालन प्रभावित हो सकता है।

आरपीएफ की सख्ती: महिलाओं और दिव्यांग बोगी में बिना टिकट यात्रा करने वालों पर हुई कार्रवाई

सरिया : रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) ने हजारीबाग रोड रेलवे स्टेशन पर अवैध यात्रा करने वालों पर सख्ती बरती। सोमवार शाम से मंगलवार सुबह तक चली कार्रवाई में 42 लोगों को महिलाओं की बोगी व दिव्यांग बोगी में बिना टिकट यात्रा करते पकड़ा गया। सभी को ऑनलाइन रेल मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से दंड के रूप में कुल 5100 रुपए की वसूली की गई।आरपीएफ अधिकारी लखन दुबे ने बताया कि सोमवार शाम को नई दिल्ली-हावड़ा पूजा स्पेशल ट्रेन में चेन पुलिंग (चेन खींचने) के आरोप में यात्रियों पर कार्रवाई की गई। वहीं, मंगलवार सुबह गया-धनबाद ईएमयू, हटिया-पटना एक्सप्रेस समेत विभिन्न ट्रेनों में अवैध यात्रा करने वालों को पकड़ा गया। इसके अलावा, कुछ वेंडरों पर भी जुमार्ना लगाया गया। दुबे ने कहा कि रेलवे की महिलाओं व दिव्यांग यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसी कार्रवाइयां नियमित रूप से जारी रहेंगी। अवैध यात्रा करने वालों को चेतावनी देते हुए उन्होंने टिकट खरीदकर यात्रा करने की अपील की।यह कार्रवाई यात्रियों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास है, ताकि ट्रेनों में आरक्षित बोगियों का दुरुपयोग न हो। स्थानीय यात्रियों ने आरपीएफ की इस पहल का स्वागत किया है।

प्रशिक्षण से आत्मनिर्भर बनती हैं महिलाएं : मनीषा शर्मा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : महिलाओं को अपने जीवन के निर्णय लेने, समान अवसरों तक पहुंचने और सामाजिक बंधनों से मुक्त होने के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। प्रशिक्षण के पश्चात महिलाएं कार्यकुशल और आत्मनिर्भर बनती है। उनके आत्मनिर्भरता से घर में पैसा का अर्जन होता है। परिवार को इससे मदद मिली है। उक्त बातें सरला बिरला पब्लिक स्कूल की प्राचार्या मनीषा शर्मा ने कहीं। शर्मा आज उषा मार्टिन के सभागार में महिला सशक्तिकरण के तहत प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर रही थीं। यह प्रशिक्षण सीएसआर के तहत युवा जागृति मंच एवं उषा मार्टिन फॉउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में कराया गया था। इसमें जूट, बांस की सामग्री, सोहराई पेंटिंग एवं पेपर बैग का प्रशिक्षण प्राप्त 45 महिलाओं को प्रशिक्षण के बाद बाजार से लिंक किय गया है। एसबीपीएस की प्राचार्य शर्मा ने बताया कि गांवों की अभी मात्र तीन फीसदी महिलाएं ही आत्मनिर्भर है। ऐसे में ग्रामीण रोजगार के प्रशिक्षण एवं उससे आत्मनिर्भर बनने की बहुत संभावनाएं है। इस अवसर पर कंपनी के एचआर हेड एन0एन0 झा ने कहा कि गांव की महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही है। वे खुद ही प्रशिक्षण के पश्चात बाजार ढूंढ़ रही है, बाजार प्रबंधन के तरीके सीख रही है। यह सराहनीय है। उषा मार्टिन अपने कारखाने के इर्द गिर्द के गांवों की महिलाओं को रोजगार, उद्यमिता एवं कार्यकुशलता से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। फॉउंडेशन के हेड डॉ मयंक मुरारी ने बताया कि प्रशिक्षित महिलाओं ने अपने हुनर और मेहनत से जूट बैग्स एवं अन्य उत्पाद तैयार किए हैं, जिनमें पारंपरिक सोहराय पेंटिंग और विभिन्न स्व-निर्मित डिजाइन उकेरे गए हैं। बैग न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं बल्कि स्थानीय कला और संस्कृति की पहचान भी दशार्ते हैं। महिलाएँ अपने हाथों से बने जूट उत्पादों के माध्यम से बाजार तक पहुँच बना रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। महिलाओं के लिए तीन जगहों टाटीसिलवे, हरातु और लुपुंग में एवं अलग-अलग समय पर बैच बनाकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

भारत के अंतरिक्ष मिशनों में कंप्यूटर तकनीक का क्रांतिकारी योगदान : डॉ. राधाकांत पाधी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : आनेवाले वर्षों में भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में और भी बड़ी छलांग लगाने की तैयारी में है और इसके लिए हम सभी दृढ़ संकल्पित हैं यह बातें आज प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर राधाकांत पाधी ने कही। वे आज सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के सभागार में आयोजित बसंत कुमार बिरला स्मृति व्याख्यान श्रृंखला के तहत आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर 'जटिल अंतरिक्ष मिशनों पर कंप्यूटर आधारित मार्गदर्शन की आवश्यकता और उसका प्रभाव ' विषय पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत के अंतरिक्ष अभियानों; जैसे चंद्रयान-3, आदित्य-एल1, गगनयान, निसार, एक्सपोसैट और स्पेडेक्स के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने भविष्य की योजनाओं, जैसे चंद्रयान -4, चंद्रयान-5, मंगल और शुक्र मिशन के साथ-साथ आर्टेमिस कार्यक्रम और स्पेडेक्स-2 के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का इस क्षेत्र में कार्य विश्व स्तरीय रहा है और इस प्रगति की राह में कंप्यूटर आधारित मार्गदर्शन तकनीक काफी मददगार और क्रांतिकारी साबित हो रही है। इस अवसर पर विवि के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने स्व. बसंत कुमार बिरला को याद करते हुए कहा कि प्रसिद्ध उद्योगपति के अलावा उनकी ख्याति समाजसेवी, दानवीर और लब्धप्रतिष्ठ शिक्षाविद के तौर पर भी रही। उन्होंने 'वनडे एट ए टाइम' नामक किताब का भी उल्लेख किया, जो बसंत कुमार बिरला के जीवन और विचारों से प्रेरित है।

गर्व से स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें : मुनेश्वर साहु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में सिमडेगा एवं कोलेबिरा विधानसभा स्तरीय आत्मनिर्भर भारत अभियान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना प्रधानमंत्री जी ने देखा है हम सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर देश की जनता के साथ उस सपना को साकार करना है। कार्यशाला को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद सह एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा की आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान जो 25 सितंबर से 25 दिसंबर तक चलेगा आत्मनिर्भर भारत संकल्प कार्यशाला का आयोजन पहले चरण में सभी जिलों में तथा दूसरे चरण में सभी मंडलों में करना है आगे उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरंतर सामाजिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं उनका आत्मनिर्भरता का आवाहन देश में विभिन्न आयामों में गूंज रहा है प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय विवाह स्थलों को लोकप्रिय बनाने का प्रयास भारतीय पर्यटन स्थलों के भ्रमण से पूरे देश में प्रतिध्वनित हो रहा है प्रधानमंत्री द्वारा स्वदेशी उत्पाद खरीदने और दुकानदारों को स्वदेशी उत्पाद बेचने के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया जा रहा है,हम सबो को भी स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग कर इस अभियान को गति देना है। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि स्वदेशी को अपना कर ही हम सच्चे अर्थों में आत्मनिर्भर बन सकते हैं। आगे उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रोड टेलीकॉम स्वास्थ्य बिजली जैसे सुविधा को आपके द्वार तक पहुंचाने का काम किया है, ॠ20 की बैठक का नेतृत्व भारत कर के विश्व मे अपना लोहा मनवाया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रदेश मंत्री मुनेश्वर साहू ने कार्यशाला में कार्यकर्ताओं से विदेशी वस्तुओं के बजाय देश में निर्मित उत्पादों को अपनाने की अपील की उन्होंने नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं से अपनी जड़ों को पहचान और गर्व से स्वदेशी वस्तुओं को उपयोग करने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि विदेशी वस्तुओं को छोड़ कर गर्व से स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें क्योंकि भारत आज किसी भी दृष्टिकोण से कम नहीं। पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने कहा कि योग आयुर्वेद हस्तशिल्प और पारंपरिक उद्योगों ने वैश्विक मंच पर भारत को नहीं पहचान दिलाई है उन्होंने मेक इन इंडिया स्टार्टअप इंडिया डिजिटल इंडिया लोकल का लोकल जैसा अभियानों को भारत को नहीं ऊंचाइयों पर ले जाने का श्रेय दिया, आगे उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी सरकार होगा जब प्रत्येक नागरिक स्वदेशी अपनाने का संकल्प लगा उन्होंने अमेरिका जैसे देशों द्वारा लगाया जा रहे टैरिफ उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की से घबराने की आवश्यकता नहीं है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, एन०आर०ई०पी०,खूँटी

शुद्धि–पत्र

पी.आर. सं०–363863 NREP(25-26)_D के द्वारा प्रकाशित इस कार्यालय के ई. निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–NREP/KHUNTI/F_2-5/2025-26 दिनांक–10.10.2025 को Two Envelope System पढ़ा जाए।

निविदा सूचना शेष शर्त्ते यथावत रहेगा।

PR 364136 (NREP) 25-26 (D)

कार्यपालक अभियन्ता, एन०आर०ई०पी०,खूँटी।

झारखण्ड सरकार
महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग
(झारखण्ड राज्य बाल संरक्षण संस्था)

समेकित बाल संरक्षण योजना (*ICPS*) पुनरीक्षित मिशन वात्सल्य योजना अन्तर्गत संविदा के आधार पर सिमडेगा जिला में नियुक्ति हेतु पदवार रिक्त पदों की सूची।

समेकित बाल संरक्षण योजना अन्तर्गत महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की अधिसूचना सं0–05/म0बा0/ICPS–नियु0 नियमा0–575/2015–1835 दिनांक–20.07.2016, स0क0–के0यो0–165 /2012–3355, दिनांक–09.08.2017, ज्ञापांक–05/म0स0/यो0स्वी0/M.Vatsalya–432/2022–860, दिनांक–31.03.2023 एवं मिशन वात्सल्य मार्गदर्शिका के आलोक में संविदा के आधार पर इच्छुक एवं अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है।

(1) जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU)

क्र0सं0	पोस्ट कोड	पदनाम	पद की संख्या	उम्र	मासिक परिलब्धि	शैक्षणिक योग्यता एवं कार्यनुभव
1	2	3	4	5	6	7
01	DCPS-02	Protection Officer (Institutional Care)	01	30-45 Years	27,804.00	Post Graduate degree in Social Work/Sociology/Child Development/Human Rights Public Administration/Psychology/Psychiatry/Law/Public Health/Community Resource Management from a recognized University. OR Graduate in Social Work/Sociology/Child Development/Human Rights Public Administration/Psychology/Psychiatry/Law/Public Health/Community Resource Management from a recognized University with 2 years experience in project formulation/implementation, monitoring and supervision in the preferably in the field of Women & Child Development/Social Walfare. Proficiency in Computer

नियम एवं शर्तेः–

1. उम्र सीमा की गणना–01.08.2025 के अनुसार की जाएगी।
2. प्रारम्भिक चरण में ऐसी नियुक्ति एक वर्ष के लिए की जाएगी तथा इस कालावधि के पूर्ण होने के पूर्व पद विशेष पर नियुक्ति के लिए गठित नियुक्ति समिति के द्वारा उनके कार्यो की समीक्षा की जाएगी। तत्पश्चात् कार्य संतोषप्रद पाए जाने पर अगले एक वर्ष के लिए संविदा के आधार पर नियुक्ति का नवीकरण किया जा सकेगा।
3. अभ्यर्थी किसी भी स्थिति में संविदा आधारित पदों के लिए नियमितीकरण का दावा पेश नहीं कर सकते हैं।
4. आवेदकों द्वारा आवेदित पदों से संबंधित शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव प्रमाण पत्रों के सत्यापन के उपरांत उनके संबंध में चयन समिति द्वारा निर्णय लिया जाएगा।
5. अपूर्ण आवेदन तथा आवश्यक निर्धारित मापदण्डो को पूरा नहीं करने की स्थिति में आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।
6. आवेदन विहित प्रपत्र में ही स्वीकार किया जायेगा।
7. संविदा के आधार पर नियुक्ति के नियम में वर्णित प्रावधान के अनुरूप कार्य का मूल्यांकन संतोशप्रद नहीं होने पर ऐसी नियुक्ति समाप्त की जाएगी।
8. किसी अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज अवैध/फर्जी पाये जाने पर समिति को नियुक्ति रद्द करने का अधिकार सुरक्षित होगा।
9. नियुक्ति प्रक्रिया में झारखण्ड की नियुक्ति नियमावली लागू रहेगी।
10. चयनित आवेदकों को पुलिस सत्यापन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

आवेदन की प्रक्रिया –

1. आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक –............................ को अपराहन् 05:00 बजे तक है। (अंतिम तिथि/समय के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।)
2. जिला स्तरीय पदों के लिए विहित प्रपत्र में आवेदन पत्र रजिस्टर्ड डाक/स्पीड पोस्ट से जिला बाल संरक्षण कार्यालय, सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय सिमडेगा, प्रथम तल (1st floor) पिन कोड–835223 के पते पर भेजा जा सकता है।

नोटः– नियुक्ति से संबंधित सूचना एवं आवेदन पत्र सिमडेगा के वेबसाईट www.simdega.nic.in पर देखी जा सकती है।

उपायुक्त, सिमडेगा

PR 364113 Simdega(25-26)#D

फिल्म संगीत से गायब होती मधुरता

भारतीय फिल्में सारी दुनिया में उत्साह और उमंग के साथ देखी जाती हैं। एक दौर ऐसा भी था जब फिल्मों से ज्यादा उनका संगीत पसंद किया जाता था। भारतीय फिल्मों की पहचान ही उनका कर्णप्रिय और सुमधुर संगीत हुआ करता था लेकिन समय के साथ अब यह पहचान धूमिल होती जा रही है। फिल्मी संगीत अब अपनी मधुरता खोता जा रहा है। कहा जाता है कि जीवन का प्रत्येक क्षण संगीत से जुड़ा होता है। हमारी सांसे भी संगीत की ताल और लय के अनुसार चलती हैं। मधुर संगीत मनुष्य को तनावमुक्त करता है। शास्त्रीय संगीत के हर राग का अपना विशेष महत्व है। अब तो यहां तक कहा जाने लगा है कि मनुष्य के रोगोपचार में भी शास्त्रीय संगीत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे समय में जब विज्ञान एवं चिकित्सा जगत शास्त्रीय संगीत की महत्ता को स्वीकार कर रहे हैं, तब फिल्मों से गायब होता शास्त्रीय संगीत सबको चौंका देता है। आधुनिक समय में क्षणिक आनंद के लिए फिल्मों में हुल्लड़बाजी और शोर-शराबे से भरे गीत डाल दिए जाते हैं जो कुछ ही समय बाद गुमनामी की गर्त में समा जाते हैं। इसके विपरीत शास्त्रीय संगीत पर आधारित गीत लोग वर्षों बाद भी याद रखते हैं। वैसे गीत-संगीत भारतीय फिल्मों की आत्मा है और यहां वही गीत अमर हो पाते हैं जो शास्त्रीय संगीत पर आधारित होते हैं। भारत की पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' में कुल ग्यारह गीत थे, जो इस बात के प्रमाण हैं फिल्मों में आरंभ से ही गीत-संगीत को आवश्यक तत्व माना जाता रहा है। इस फिल्म के सभी गीत शास्त्रीय रागों पर आधारित थे। आरंभिक दौर की फिल्मों में अधिकांश गीत शास्त्रीय रागों पर ही आधारित हुआ करते थे। उसी समय बनी एक फिल्म इन्द्रसभा में तो 71 गाने थे। राग आधारित गीत चाहे वे सुख के हों या दुःख के, मिलन के गीत हों या विरह के या फिर नृत्य गीत ही क्यों न हों सभी को सुनने का एक अलौकिक आनंद होता था। इस तरह के सैकड़ों गीत वर्षों बीत जाने के बाद आज भी लोगों की जुबान पर हैं। सुप्रसिद्ध फिल्म 'बैजूबावरा' का गीत- मोहे भूल गये सांवरिया, तू गंगा की मौज में जमना का धारा, 'संत ज्ञानेश्वर' फिल्म का गीत 'जोत से जोत जलाते चलो'या फिर मनोज कुमार की सुपरहिट फिल्म ''उपकार₹ का गीत 'मेरे देश की धरती सोना उगले, उगले हीरे-मोती' क्या कोई कभी भी भुला सकता है? ये सभी गीत राग भैरवी पर आधारित हैं। झूमती चली हवा (फिल्म-तानसेन, राग सोहनी) मधुबन में राधिका नाचेगी (फिल्म- कोहिनूर, राह हमीर) नैनों में बदरा छाए (मेरा साया, राग हमीर) के अलावा राग हमीर के ही गीत ऐ री मैं तो प्रेम दीवानी, मेघा छाए आधी रात गीत आज भी अविस्मरणीय हैं। राग मियां मल्हार के गीत बोले रे पपीहरा (गुड्डी), राग वागेश्वरी के राधा न बोले (आजाद) बसंत बहार के जा जा रे बालमा, राग कल्याण का मन रे तू काहे न धीरे धरे (चित्रलेखा), यमन कल्याण के मितवा (परिचय), तुम गगन के चंद्रमा में धरा की धूल हूं (सावित्री), लगता नहीं है मेरा दिल (लाल पत्थर), अहिर भैरव का पूछो न कैसे मैंने रैन बिताई, राग तिलंग का पिया तोसे नैना लागे (गाइड), राग जयजयवंती का मनमोहना बड़े झूठे, राग देशकार का ज्योति कलश छलके, राग केदार का दरशन दो घनश्याम, पल दो पल का साथ हमारा (द बर्निंग ट्रेन), राग तोड़ी का रैना बीती जाए (अमर प्रेम), राग शिवरंजनी का जरा सामने तो आओ छलिये जैसे गीत आज वर्षों बीत जाने के बाद भी लोकप्रिय बने हुए हैं। आज के इस दौर में जहां केवल तेज संगीत को ही सफलता का सूत्र माना जाता है, वहां आजकल के संगीतकार भूल जाते हैं कि तेज संगीत में भी यदि कलात्मकता हो तो उसे सर्वकालीन और सर्वप्रिय बनने से कोई नहीं रोक सकता। फूहड़ और शोर-शराबे से भरपूर गीतों को क्षणिक लोकप्रियता भले ही मिल जाए लेकिन सदाबहार गीत वही हुआ करते हैं जो सरल, मधुर और कर्णप्रिय होते हैं। क्या आज के दौर के संगीतकार शंकर-जयकिशन, कल्याणजी आनंदजी, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, फिरोज शाह, पंकज मलिक, गुलाम हैदर, खेमचंद, नौशाद, सचिन देव बर्मन, सी. रामचंद्र, रोशन, सलिल चौधरी, ओ.पी. नैय्यर, चित्रगुप्त या फिर आर.डी. बर्मन जैसे संगीत निर्देशकों की तरह सुरीले गीत दे पाएंगे? रीमिक्स को सफलता का पैमाने मानने वाले शायद यह भूल जाते हैं कि आजकल के गाने पानी में उठे उस बुलबुले के समान हैं जो क्षण भर का मेहमान होता है जबकि पुराने संगीतकारों के शास्त्रीय संगीत युक्त गीत गगन में चमकते उस सूरज के समान हैं, जिसकी आभा कभी मद्धिम नहीं होती।

इस्राइल-हमास युद्धविराम : आशा की किरण या अस्थायी विराम?

ललित गर्ग

गाजा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा। गाजा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की 'कूटनीति की जीत' से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाजा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागजों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाजा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाजा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

कर्नाटक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर अघोषित आपातकाल की तैयारी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने शताब्दी वर्ष का उत्सव मना रहा है। समाज में संगठन के योगदान और उसके अनुशासन, सेवा व राष्ट्रभाव की भावना को लेकर देशभर में कार्यक्रम आरंभ हुए हैं। लेकिन अभी इस उत्सव की गूँज शुरू ही हुई कि कर्नाटक की राजनीति में एक नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। राज्य सरकार के मंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखकर सरकारी स्कूलों, कॉलेजों, पार्कों और मंदिरों में आरएसएस की शाखाओं और कार्यक्रमों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। चार अक्टूबर को लिखे गए इस पत्र को मुख्यमंत्री कार्यालय ने 12 अक्टूबर को सार्वजनिक किया। सिद्धारमैया ने मुख्य सचिव शालिनी राजनिश को पत्र भेजकर मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं। इससे साफ हो गया कि कर्नाटक सरकार अब संघ के विरुद्ध सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है।

प्रियांक खरगे की आपत्तिः वैचारिक या राजनीतिक?

प्रियांक खरगे का आरोप है कि आरएसएस सरकारी व सहायता प्राप्त संस्थानों में बिना अनुमति शाखाएं चला रहा है, जहां 'लाठी लेकर नारेबाजी' की जाती है और 'बच्चों के दिमाग में नफरत भरी जाती है।' उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि ये गतिविधियां संविधान की भावना और राष्ट्रीय एकता के खिलाफ हैं, इसलिए इन पर तत्काल रोक लगाई जाए। दरअसल ये पहली बार नहीं जब प्रियाँक ने ऐसा बयान दिया हो। जुलाई 2025 में उन्होंने कहा था कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आई तो 'कानूनी प्रक्रिया के तहत' पूरे देश में आरएसएस पर प्रतिबंध लगाएगी। उस वक्त भी भाजपा ने इसे 'हिंदू-विरोधी मानसिकता' का प्रतीक बताया था। अब वही विचार कर्नाटक में सरकारी दस्तावेज का रूप लेता दिख रहा है।

संघ पर प्रतिबंधों का इतिहासः हर बार और मजबूत होकर लौटा

इस संबंध में उल्लेखित है कि आरएसएस का इतिहास इस बात का गवाह है कि प्रतिबंधों ने इसे कमजोर नहीं किया, यह ऐसे कठिन दौर में अत्यधिक संगठित रूप में ही लोगों के सामने आया है। आपको बतादें कि संघ पर पहला प्रतिबंध (1948): महात्मा गांधी की हत्या के बाद। नाथूराम गोडसे के कथित संबंध के नाम पर 4 फरवरी 1948 को बैन लगाया गया था, लेकिन 18 महीने बाद जांच में संघ निर्दोष पाया गया और 12 जुलाई 1949 को बैन हटा। दूसरा प्रतिबंध (1975) में इंदिरा गांधी की इमरजेंसी में लगा । उस दौरान आरएसएस को अवैध घोषित किया गया, हजारों स्वयंसेवक जेल में ठूंस दिए गए, लेकिन इमरजेंसी खत्म होते ही संघ पहले से अधिक सक्रिय रूप में लौटा और जनसंघ-जनता पार्टी के पुनर्गठन में निर्णायक भूमिका निभाई। तीसरा प्रतिबंध (1992) में बाबरी विध्वंस के बाद पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार ने आरएसएस, विहिप और बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाया, जो 1993 में अदालत से हट गया क्योंकि कोई ठोस सबूत नहीं मिला।

हर बार संघ ने शांतिपूर्ण तरीके से जवाब दिया। उसने कभी हिंसा का सहारा नहीं लिया, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्रनिर्माण के कार्यों से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। चीन युद्ध से लेकर कोविड महामारी तक, हर संकट में संघ के स्वयंसेवक देश के आम जन की सेवा करते हुए और उन्हें हर संभव मदद पहुंचाते हुए ही नजर आए हैं। वे राहत कार्यों में अग्रिम पंक्ति में रहते हैं। ऐसे में ये सवाल स्वभाविक तौर पर उठता है कि क्या कर्नाटक सरकार सचमुच संवैधानिक आधार पर कदम उठा रही है या फिर यह एक वैचारिक द्वेष से प्रेरित राजनीतिक रणनीति है?

डिजिटल युद्धः #BanRSS अभियान और वैचारिक ध्रुवीकरण

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से #BanRSS ट्रेंड कर रहा है। वामपंथी संगठनों, सेकुलर लॉबी और इस्लामी कट्टरपंथी समूहों से जुड़े कई हैंडल इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। आरोप वही पुराने हैं; 'फासीवाद', 'संघी मानसिकता', 'हिंदू राष्ट्रवाद'। दिलचस्प यह है कि इसी दौरान कुछ निष्क्रिय या प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े लोग भी इस मुहिम को हवा दे रहे हैं। जिस तरह यह ट्रेंड संगठित तरीके से फैलाया गया है, वह यह संकेत देता है कि यह केवल प्रियाँक खरगे का व्यक्तिगत विचार नहीं बल्कि एक सुविचारित वैचारिक मोर्चा है।

'शाखा' से डर क्यों

संघ की शाखाएं वर्षों से सार्वजनिक स्थानों पर लगती रही हैं; स्कूल के मैदान, पार्क या मंदिर परिसर, जहाँ न तो राजनीति होती है और न ही कोई प्रचार। वहां अनुशासन, योग, देशभक्ति और समाज सेवा की भावना सिखाई जाती है। फिर भी इन्हें निशाने पर लेना बताता है कि समस्या गतिविधियों से नहीं, विचार से है। संघ की विचारधारा 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के साथ ही एकता और आत्मगौरव की भावना जगाती है। यही वह विचार है जो विभाजित राजनीति के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता हुआ दिखाई देता है। कर्नाटक में कांग्रेसी सरकार का ये कदम बता रहा है कि कांग्रेस और वामपंथी तबके को संघ की सामाजिक पकड़ असहज करती है। जबकि संघ न तो चुनाव लड़ता है, न सत्ता की होड़ करता है। उसकी ताकत आम जन से सीधे संवाद और समाज सेवा से आती है, जो राजनीति से परे है।

कर्नाटक की राजनीतिः अंदरूनी कलह और ध्यान भटकाने की कोशिश

दरअसल, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार इस समय कई मोर्चों पर घिरी है, बढ़ते महिला अपराध, बिजली संकट, पंचायत स्तर पर भ्रष्टाचार, और डी.के. शिवकुमार व सिद्धारमैया के बीच नेतृत्व संघर्ष जैसी चुनौतियाँ सामने हैं। ऐसे में आरएसएस पर बैन का मुद्दा सरकार के लिए ध्यान भटकाने का उपकरण बनता दिख रहा है।

विचारधारा बनाम राजनीति

यहां आरएसएस का प्रभाव इस तथ्य से स्पष्ट है कि उसने अनुसूचित जाति, जनजाति, दलित, पिछड़े और महिलाओं को जोड़ने में उल्लेखनीय काम किया है। 'समरसता अभियान', 'सेवा भारती', 'विविध शिक्षण संस्थान' और 'वनवासी कल्याण आश्रम' जैसे संगठनों के जरिए संघ ने समाज के उस हिस्से तक पहुँच बनाई, जहाँ राजनीति कभी नहीं पहुँच सकी। यही कारण है कि संघ के विरुद्ध जब भी राजनीतिक बवंडर उठता है, वह वैचारिक रूप से कमजोर पड़ जाता है। संघ की शाखाएँ किसी पार्टी का मंच नहीं है, यह तो राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला हैं।

अघोषित आपातकाल की गंध

कर्नाटक में यदि सरकारी आदेशों के जरिए संघ की शाखाओं या गतिविधियों पर रोक लगाने की कोशिश होती है, तो यह लोकतंत्र के मूलाधारों पर चोट होगी। संघ कोई अवैध संगठन नहीं, बल्कि भारत के संविधान के तहत एक सामाजिक संगठन है। ऐसे में प्रशासनिक दबाव डालकर उसकी गतिविधियां रोकना 'अघोषित आपातकाल' जैसा कदम माना जाएगा। इसे 'सेकुलरिज्म' के नाम पर वैचारिक आतंक कहा जा सकता है; जहाँ असहमति को देशद्रोह और राष्ट्रवाद को संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है।

इतिहास यही कहता है कि जब भी संघ को दबाने की कोशिश हुई, जनता ने उसे और अपनाया। यह संगठन सत्ता या विरोध से नहीं, समाज की स्वीकृति से जीवित है। कर्नाटक में यदि कांग्रेस यह मानती है कि वैचारिक दमन से संघ को कमजोर किया जा सकता है, तो यह वही भूल दोहराना होगा जो 1948, 1975 और 1992 में की जा चुकी है। यदि किसी लोकतांत्रिक राज्य में समाज सेवा करने वाले संगठन को 'खतरा' मान लिया जाए, तो यह लोकतंत्र की पराजय होगी, न कि उसकी सुरक्षा। संघ का सौ साल का इतिहास भी यही गवाही देता है कि जो संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत की आत्मा से जुड़ा है, उसे कोई राजनीतिक तूफान मिटा नहीं सकता है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

सूडोकु नवताल- 7583

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7582 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

दशहरा और दिवाली के बीच के ये बीस दिन : एकात्मता और समरसता का काल

रमेश शर्मा

भारतीय संस्कृति में हर पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि गहन सामाजिक, आध्यात्मिक और नैतिक संदेश देने वाला माध्यम है। विजयादशमी और दीपावली के बीच आने वाले बीस दिन इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। ये केवल कैलेंडर की बीस तिथियां नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने, समरसता और सहयोग की भावना जगाने की अवधि हैं। यह वही काल है जब श्रीराम लंका विजय के बाद अयोध्या लौटे थे। रामजी की इस वापसी यात्रा और दीपावली की तैयारी के बीच गहरा सांस्कृतिक और मानवीय संबंध है।

रावण-वध के बाद का काल, एकात्मता की यात्रा

रामचरितमानस के अनुसार रावण-वध अश्विन शुक्ल दशमी को हुआ था, जिसे हम आज ‍विजयदशमी‍ के रूप में मनाते हैं। किंतु श्रीराम अयोध्या लौटे कार्तिक अमावस्या को, अर्थात बीस दिन बाद। यह विलंब उत्सव या विश्राम का नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण का था।

रामजी लंका-विजय के पश्चात केवल दो दिन वहीं ठहरे, एक दिन रावण और उसके परिजनों के अंतिम संस्कार हेतु, और अगले दिन विभीषण के राज्याभिषेक के लिए। इसके बाद उन्होंने विभीषण से अनुमति लेकर पुष्पक विमान से उत्तर की ओर प्रस्थान किया। परंतु वे सीधे अयोध्या नहीं लौटे। उन्होंने उसी मार्ग से यात्रा की, जिससे वे वनवास में और लंका युद्ध के लिए गए थे। रामजी हर आश्रम, हर ग्राम, हर वन्य समाज से पुनः मिले। ऋषियों, तपस्वियों, वनवासियों, भील, निषाद, किरात सभी से संवाद किया। यह यात्रा केवल वापसी नहीं थी; यह पूरे भारतवर्ष को एक सूत्र में बाँधने की प्रतीक थी। उन्होंने हर समाज-समूह को साथ चलने का निमंत्रण दिया, और अनेक समाज प्रमुख पुष्पक विमान में उनके साथ चले। इन अठारह दिनों में रामजी ने समाज को यह संदेश दिया कि यदि समाज संगठित रहेगा, तो कोई भी आसुरी शक्ति उसे पराजित नहीं कर सकती।

रामजी का संदेश; आभार और एकता

रामजी ने इस यात्रा के माध्यम से यह भी बताया कि जो लोग कठिन समय में साथ देते हैं, उनके प्रति सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए। निषादराज, सुग्रीव, विभीषण, शबरी, जटायु जैसे सहयोगियों के प्रति उनका सम्मान इसका प्रमाण है। उन्होंने यह आदर्श प्रस्तुत किया कि जाति, वर्ग, वर्ण या स्थिति कोई भी हो, सहयोग और सद्भाव ही सच्चा धर्म है।

दीपावली की तैयारी, समाज की एकता का उत्सव

रामजी के अयोध्या लौटने पर अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया। यही परंपरा आगे चलकर दीपावली के रूप में विकसित हुई। परंतु दीपावली केवल दीप प्रज्ज्वलन का त्यौहार नहीं है, यह समाज के हर वर्ग की सहभागिता का उत्सव है। दीपावली की तैयारी दशहरे के तुरंत बाद प्रारंभ होती है। घरों की सफाई, लिपाई-पुताई, नई वस्तुओं की खरीदारी, घरों और बाजारों की सजावट, इन सबमें समाज के हर वर्ग का श्रम और योगदान होता है। कोई झाड़ू बनाता है, कोई रंग, दीये, मिठाइयाँ या आभूषण। कोई घर सजाता है, तो कोई वस्तुएँ बेचता है। यह सामूहिक श्रम और परस्पर सहयोग ही दीपावली की आत्मा है। यही कारण है कि दीपावली के दिन केवल लक्ष्मी पूजन नहीं होता, बल्कि यह सम्पूर्ण समाज के परिश्रम और सहभागिता का सम्मान है। यह पर्व बताता है कि हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पेशे, वर्ग या स्थान से जुड़ा हो, समाज की समृद्धि में समान रूप से भागीदार है।

भारतीय संस्कृति की समरस दृष्टि

भारतीय परंपरा में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' केवल एक नारा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य है। यहाँ हर प्राणी को समान सम्मान देने की भावना है। रामायण इसका सजीव उदाहरण है; रामजी के मित्र सुग्रीव, निषादराज, विभीषण और हनुमान भिन्न समाजों से थे, परंतु सब समान सम्मान के पात्र थे। भारतीय संस्कृति ने कभी जन्म, वर्ग या वर्ण के आधार पर श्रेष्ठता नहीं मानी। यहाँ कर्म और गुण ही पहचान हैं। इसलिए चाहे वनवासी हों या नगरवासी, किसान हों या व्यापारी, सब एक-दूसरे के पूरक हैं। जिस प्रकार वृक्ष की शाखाएँ अलग-अलग दिशाओं में फैलती हैं, पर मूल एक ही होता है, उसी प्रकार विविध समाज और समुदाय मिलकर एक ही मानवता का वृक्ष बनाते हैं।

दीपोत्सव : केवल रोशनी नहीं, सामाजिक नवजीवन

दीपावली के दिनों में केवल घर नहीं, पूरा समाज आलोकित होता है। यह बाहरी स्वच्छता के साथ भीतरी शुद्धता का प्रतीक है। पुरानी वस्तुओं को हटाना, नई चीजों को लाना, यह केवल भौतिक क्रिया नहीं बल्कि 'नवजीवन' का संकेत है। दीपावली के माध्यम से समाज में श्रम का सम्मान, सहयोग की भावना और सामूहिक प्रगति का आदर्श स्थापित होता है। यह केवल धन या सौभाग्य का उत्सव नहीं, बल्कि आत्मबल, विश्वास और परस्पर जुड़ाव का पर्व है।

रामायण का सन्देश और आज का समाज

युग बदल गए, परंतु रामायण का यह सन्देश आज भी प्रासंगिक है। विजयादशमी से दीपावली तक का यह काल हमें याद दिलाता है कि समाज का सच्चा बल संगठन, प्रेम और परस्पर सहयोग में है। यदि समाज विभाजित होगा, तो दानवी शक्तियाँ प्रबल होंगी; यदि संगठित रहेगा, तो सुसंस्कृत जीवन सुरक्षित रहेगा। आज भी जब हम दीप जलाते हैं, तो केवल श्रीराम की अयोध्या वापसी नहीं, बल्कि उसी एकता और समरसता की ज्योति जलाते हैं जो भारत की आत्मा है।

दैनिक पंचांग

15 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

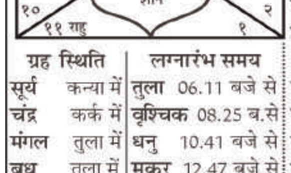

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.11 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृश्चिक	08.25 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.41 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.47 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.33 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.06 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.36 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.16 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.15 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		कर्क	23.28 बजे से
		सिंह	01.44 बजे से
		कन्या	03.56 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 288 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 10.34 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुष्य 12.00 बजे को समाप्त। **योग** साध्य 02.57 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 10.34 बजे तदनन्तर वणिज 22.31 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 08° 32' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872498 **जूलियन दिन** 2460963.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

आर्म्स एक्ट में एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक अभियुक्त को आर्म्स एक्स में पुलिस ने गिरफ्तार किया। मिली जानकारी के अनुसार मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 45/22, दिनांक 10 अप्रैल 22, धारा 147/ 148/ 149 /341 /323 /324/ 325/ 326/ 307/ 302/ 504/ 506 भा.द.वी. एवं 27 आर्म्स एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त मालेकस्तूर, पिता मो. यासीन, ग्राम सोभनपुर दियारा, थाना मुफ्फसिल, जिला साहिबगंज को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

होटल में फूड सेफ्टी टीम की छापेमारी

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका थाना क्षेत्र स्थित हाता के प्रसिद्ध अभिनंदन होटल में मंगलवार को फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान होटल के किचन में भारी गंदगी और काउंटर पर रखे एक्सपायर पावरोटी पैकेट मिलने से विभागीय अधिकारी भड़क उठे। फूड सेफ्टी पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि जांच के दौरान होटल के रसोईघर में साफ-सफाई के नाम पर भारी लापरवाही देखी गई। बर्तनों और फर्श पर जमा चिकनाई, खुले में रखी खाद्य सामग्री और दूषित पानी का उपयोग होटल प्रबंधन की लापरवाही को दशार्ता है। वहीं काउंटर में रखे पावरोटी पैकेट की एक्सपायरी डेट बीत चुकी थी, जिसे तुरंत जब्त कर नष्ट करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान मिठाई और खोवा का भी नमूना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। संजय कुमार ने बताया कि होटल संचालक को बड़ा फूड लाइसेंस लेने और साफ-सफाई के मानकों का पालन करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित होटल पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। फूड सेफ्टी विभाग की इस कार्रवाई से इलाके के अन्य होटल और मिठाई दुकानों में भी हड़कंप मच गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आने वाले दिनों में सभी होटलों, ढाबों और मिठाई दुकानों की औचक जांच की जाएगी ताकि उपभोक्ताओं को असुरक्षित या खराब खाद्य सामग्री न मिले।

युवक ने की खुदकुशी जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के बागबेड़ा थाना क्षेत्र में एक 22 वर्षीय युवक ने खुदकुशी कर ली। जानकारी के अनुसार, चिंटू अपनी प्रेमिका से शादी के लिए तैयार थे, लेकिन अचानक प्रेमिका की मां ने इस शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद प्रेमिका ने भी चिंटू का नंबर ब्लॉक कर दिया, जिससे वह मानसिक तनाव में आ गया और उसने सोमवार की रात खुदकुशी कर ली। चिंटू पेट्रोल पंप में काम करता था। हाल ही में वह अपनी प्रेमिका को लेकर घर भी आया था और दोनों परिवार शादी के लिए पूरी तरह से तैयार थे। लेकिन लड़की की मां के विरोध के बाद स्थिति बिगड़ गई। पड़ोसियों के अनुसार, लड़की की मां ने साफ कहा कि वह अपनी बेटी की शादी चिंटू से नहीं करेगी। इसके बाद प्रेमिका ने भी चिंटू के फोन कॉल का जवाब देना बंद कर दिया। लगातार दो दिनों तक तनाव में रहने के बाद चिंटू को कोई समाधान नजर नहीं आया और उसने खुदकुशी कर ली। बागबेड़ा में इस घटना ने चर्चा का विषय बना दिया है। स्थानीय लोग और उसके दोस्त इस दुखद घटना से परेशान हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है।

दीपावली, काली पूजा और छठ को लेकर साहिबगंज में शांति समिति की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगर थाना व जिरवाबाड़ी थाना में दीपावली, काली पूजा, छठ पर्व को लेकर मंगलवार को शांति समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता सदर एसडीओ अमर जॉन आईंद, सदर सीओ बासुकीनाथ टुडू व सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने की। इस दौरान एसडीओ ने कहा कि सभी को शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने में एक दूसरे को सहयोग करना चाहिए। शांति व्यवस्था बिगाड़ने का दुस्साहस ना करे कोई वरना कानून में दी गई हदों तक कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कहा कि पूर्व में भी यहां के शांति प्रिय लोगों ने साम्प्रादायिक सौहार्द बनाने में एक दूसरे को सहयोग किया है। इस बार भी सभी का सहयोग प्रशासन को मिलेगा। असामाजिक तत्व होश में आ जाएं, क्योंकि प्रशासन ने इस बार पूरी तैयारी कर रखी है। सभी जगहों पर दंडाधिकारी व सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी। जगह-जगह बैरिकेडिंग की जाएगी। सीसीटीवी व ड्रोन कैमरों से निगरानी होगी। एसडीओ से शांति समिति सदस्यों ने सौहाद्र पूर्ण दीपावली, काली पूजा मानने में एक दूसरे को सहयोग करने की बात कही। वहीं एसडीपीओ ने कहा कि किसी प्रकार का किसी भी धर्म या समुदाय को ठेस पहुंचाने वाले पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी प्रकार का अफवाह सोशल मीडिया या अन्य माध्यम से फैलाने की कोशिश करने वालों व शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वालों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। बताया कि 22 अक्टूबर को विसर्जन के दिन शाम तक प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्वक तरीके से कर लेने की सहमति पूजा समितियों ने जताई है। उन्होंने पंडालों में अग्निशमन व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। वहीं कहा कि हाईकोर्ट के निर्देश के अनुसार डीजे पर प्रतिबंध रहेगा। आदेश नहीं मानने पर लाउडस्पीकर एक्ट के तहत कार्रवाई होगी। वहीं डीजे जब्त कर लिया जाएगा। साउंड हर हाल में 90 डेसिबल से ज्यादा नहीं होगा। शराब पीने वालों से प्रशासन सख्ती से निपटेगी। नगर प्रशासक अभिषेक सिंह ने बताया सड़कों व स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। मौके पर इंस्पेक्टर अमित गुप्ता, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह सहित शहर के अन्य गण्यमान्य लोग मौजूद थे।

जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती ने जनता दरबार के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी पदाधिकारी को आमजन की शिकायतों के प्रति उदासीनता नहीं बरतनी चाहिए और सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। जनता दरबार में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को डीसी के समक्ष रखा। उन्होंने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुना और समाधान के प्रति नागरिकों को आश्वस्त किया। उन्होंने सभी आवेदनों की समीक्षा एवं प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता दरबार में प्राप्त शिकायतें विभिन्न विभागों और योजनाओं से संबंधित थीं। डीसी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक शिकायत की भौतिक जांच कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी आदेश दिया कि समाधान प्रक्रिया की नियमित समीक्षा की जाए और निष्पादन की प्रतिपुष्टि (फीडबैक) डीसी कार्यालय को सौंपी जाए। उन्होंने पदाधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि वे जनहित के मामलों को गंभीरता से लें और पारदर्शिता के साथ समस्या निवारण सुनिश्चित करें।

मंडरो प्रखंड के हाथमारी पंचायत में कृषक प्रक्षेत्र पाठशाला की द्वितीय कक्षा आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मंगलवार को ग्राम हाथमारी पंचायत पिंडरा, प्रखंड मंडरो में कृषक प्रक्षेत्र पाठशाला की द्वितीय कक्षा का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय था झएकीकृत कीट प्रबंधन, फसल चक्र प्रबंधन, जलवायु-सहिष्णु कृषि एवं अन्न भंडारण। कार्यक्रम में सहायक तकनीकी प्रबंधक नेहा किस्कू द्वारा किसानों को एकीकृत कीट प्रबंधन एवं फसल चक्र के महत्व पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि फसलों में कीट नियंत्रण के लिए जैविक उपायों का प्रयोग कर उत्पादन को सुरक्षित रखा जा सकता है।साथ ही प्रखंड तकनीकी प्रबंधक कंचन कुमार सुमन ने खरीफ सीजन के बाद रबी मौसम की फसलों के चयन, बुवाई की विधि, उर्वरक प्रबंधन एवं जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिन किसानों को खरीफ सीजन में सावा 7301 प्रभेद धान बीज दिया गया था, उन्हें अब मसूर एवं चना बीज उपलब्ध कराया जाएगा। इन रबी फसलों पर भी दो प्रशिक्षण कक्षाओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि किसान बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकें। मौके पर सहायक तकनीकी प्रबंधक राजेश्वर मुर्मू, सरिता, कृषक मित्र सहदेव ठाकुर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित थे।कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना एवं कृषि उत्पादन में स्थायित्व लाना था।

जिले के 10 विद्यालयों के 50 छात्रों-छात्राओं को योग मित्र के रूप में मिली पहचान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में आयुष विभाग द्वारा स्कूली बच्चों को स्वास्थ्य एवं योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से संचालित आयुर्विद्या कार्यक्रम एवं प्रोजेक्ट जागृति के तहत आज मंगलवार को पाकुड़, लिट्टीपाड़ा एवं महेशपुर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में योग मित्र चयन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मध्य विद्यालय मंगलापाड़ा, मध्य विद्यालय हरिणडांगा +2 विद्यालय महेशपुर सहित कुल 10 विद्यालयों के 50 छात्रों/छात्राओं को योग मित्र के रूप में चयनित किया गया। चयनित छात्रों को टी-शर्ट, कैप, बैच, पहचान पत्र एवं योगा बुक प्रदान की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विपिन चंद्र गुप्ता एवं राज्य सलाहकार (कालाजार) डॉ. अंजुम इकबाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जिला आयुष पदाधिकारी डॉ. गुप्ता ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा संचालित इस पहल के अंतर्गत कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों में से उत्कृष्ट छात्रों को योग मित्र के रूप में तैयार किया जा रहा है, जो विद्यालय स्तर पर योग एवं आयुष पद्धति के प्रचार-प्रसार में सहयोग करेंगे। राज्य सलाहकार (कालाजार) डॉ. अंजुम इकबाल ने कहा कि ह्वआज के समय में योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए, बल्कि मानसिक संतुलन एवं सकारात्मक जीवनशैली के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सुजीत कुमार चौहान ने बताया कि इस पहल के तहत जिले में विद्यालयों, पंचायत भवनों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नियमित रूप से निःशुल्क योग सत्र एवं आयुष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे छात्रों एवं आमजन को लाभ मिल रहा है।

स्प्री योजना के तहत जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के नगर परिषद सभागार में मंगलवार को स्प्रि योजना को लेकर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। सहायक निदेशक अभिषेक कुमार व क्षेत्रीय निर्धारक राजीव रंजन ने सभी को स्प्री योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई ओर इस योजना में पंजीयन करने सहित सभी आवश्यक जानकारी दी गई। मौके पर नगर परिषद लेखा पदाधिकारी, सिटी मैनेजर, झारखंड चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, जयप्रकाश सिन्हा, मो आफताब आलम, जाहिद खान, भगवान देव सिंह, अनुप लाल हरी, राजीव चौधरी सहित अन्य थे।

बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जे.के. हाई स्कूल, राजमहल में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, साहेबगंज की अध्यक्षता में बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को विभिन्न सामाजिक कुरीतियों, अपराधों एवं उनसे संबंधित कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, पोक्सो अधिनियम, अपहरण, एसिड अटैक, गुड टच-बैड टच एवं बाल अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि बाल विवाह और बाल श्रम न केवल कानूनन अपराध हैं, बल्कि यह बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में गंभीर बाधा उत्पन्न करते हैं। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी ने पोक्सो अधिनियम के तहत बाल यौन शोषण से संबंधित कानूनी सुरक्षा उपायों की जानकारी दी और बच्चों को जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की घटना की तुरंत सूचना देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही एसिड अटैक एवं अपहरण जैसे गंभीर अपराधों से बचाव हेतु सावधानियां भी बताई गईं। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि यह नंबर 247 निःशुल्क संचालित होता है, जिसके माध्यम से कोई भी बच्चा या व्यक्ति किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में सहायता प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी-सह केन्द्र प्रशासक, सखी वन स्टॉप सेंटर, साहेबगंज द्वारा महिला हेल्पलाइन 181/112 के बारे में भी जानकारी दी गई तथा महिलाओं की सुरक्षा एवं सहायता हेतु इन नंबरों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, बालक-बालिकाओं, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन टीम साहेबगंज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सभी ने संकल्प लिया कि वे अपने समाज में बाल संरक्षण एवं बाल अधिकारों के संदेश को प्रसारित करेंगे और बच्चों के हित में कार्य करते रहेंगे। अंत में विद्यार्थियों ने ह्वबाल अधिकार संरक्षण शपथह्व ली और यह संकल्प व्यक्त किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहेंगे तथा अन्य बच्चों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। ह्वबालक-बालिका हमारे समाज का भविष्य हैं,उन्हें सुरक्षित, शिक्षित एवं सशक्त बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

संक्षिप्त खबरें

पोखर में डूबने से भाई-बहन की मौत

साहिबगंज: बोरियो थाना क्षेत्र के हरिणचारा गांव में मंगलवार की सुबह अनिल प्रसाद शर्मा के घर के पीछे पोखर में डूबने से हरिणचारा निवासी भवानी शर्मा के पुत्र अमन शर्मा 8 वर्ष एवं पुत्री साक्षी कुमारी 10 वर्ष की मौत हो गई। मृत बच्चों के दादा अनिल शर्मा ने बताया कि दोनों मृत बच्चे उनके पुत्र भवानी शर्मा का पुत्र-पुत्री था। उनका बेटा भवानी शर्मा सीमेंट दुकान में मजदूरी का काम करता है। उसकी पत्नी सुनीता देवी (दादी) के पीछे-पीछे दोनों बच्चे उनके घर के पीछे वाले पोखर चला गया। दादी पोखर में कपड़ा धो रही थी। कपड़ा धोने के क्रम में दोनों बच्चे स्नान के लिए पोखर के अंदर गए एवं डूब गए। इसके बाद ग्रामीणों के सहयोग से दोनों बच्चे को बाहर निकाला गया। आनन-फानन में दोनों बच्चों को बोरियो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉक्टर रोहित गौड़ ने दोनों बच्चे को मृत घोषित कर दिया। मौके पर बोरियो थाना के पुअनि दूधनाथ सिंह अस्पताल पहुंचकर मामले की छानबीन की। दोनों मृत बच्चों की शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया गया। जहां सदर अस्पताल में चिकित्सक ने दोनों मृत बच्चों का पोस्टमार्टम किया, उसके उपरांत पुलिस ने परिजनों को शव सौंप दिया। इस घटना से पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है। बच्चों के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

जिला परिवहन विभाग ने सुभाष चौक के सामने चलाया सघन वाहन जांच अभियान

साहिबगंज: जिला परिवहन पदाधिकारी की निर्देश पर पर्व को देखते हुए मंगलवार को जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के सुभाष चौक पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई ट्रैफिक नियमों के पालन को सुनिश्चित करने और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई। जांच के दौरान बगैर हेलमेट, कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने वाले चालकों पर कड़ी कार्रवाई की गई। कई दोपहिया और चारपहिया वाहनों के चालान काटे गए, वहीं कुछ वाहन जब्त भी किए गए। जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश चौधरी ने बताया कि यह अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके और आम जनता को सुरक्षित यात्रा का माहौल मिल सके। मौके पर परिवहन विभाग के कर्मी व जिरवाबाड़ी थाना के पुलिस बल मौजूद थे।

गांव के युवक पर घर में घुसकर दुष्कर्म प्रयास का आरोप, शिकायत दर्ज

साहिबगंज: जिला के राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तर बेगमगंज पंचायत की एक महिला ने कथित रूप से गांव के ही एक युवक पर देर रात घर में घुसकर दुष्कर्म करने के प्रयास का आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़िता महिला ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने अपने आवेदन में बताया है कि गुरुवार की रात्रि लगभग 11 बजे जब वह अपने घर में सोई हुई थी, उसी दौरान गांव के लक्खीराम मंडल अनाधिकृत रूप से उसके घर की चारदीवारी फांदकर अंदर घुस आया। जहां आरोपी ने चाकू का भय दिखाकर उसके साथ छेड़छाड़ की और जबरदस्ती दुष्कर्म करने का प्रयास किया। जब उसने शोर मचाया तो आरोपी छत से कूदकर भाग निकला। जिससे वह घायल भी हो गया। जाते-जाते उसने महिला को धमकी दी कि यदि उसने किसी को इस घटना की जानकारी दी तो वह उसके पूरे परिवार की हत्या कर देगा। पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपी पहले भी उसके साथ इसी प्रकार की हरकत कर चुका है। उस समय गांव में पंचायती कर मामले का निपटारा किया गया था और 51 हजार रुपए का बंधपत्र भी लिखाया गया था। बावजूद इसके आरोपी ने पुनः गलत हरकत को अंजाम देने की कोशिश की।

विभिन्न खाद्य दुकानों का खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार के निदेर्शानुसार आज खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार द्वारा पाकुड़ शहर के विभिन्न स्थानों पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की ऑन-स्पॉट जांच की गई। निरीक्षण के क्रम में सिद्धू कान्हू पार्क स्थित आकाश हाजरा का छोला तथा किशन डे का घुगनी का नमूना ऑन- स्पॉट जांच में संतोषजनक पाया गया। कोर्ट रोड स्थित संजय मंडल एवं कयूम अंसारी को कोटपा 2003 के नियमों का उल्लंघन करने पर 300 का जुर्माना लगाया गया। कोर्ट रोड स्थित सन्यासी सरदार एवं मिथुन शाहा के छोला में हानिकारक रंग पाया गया, जिसे तत्काल नष्ट कराया गया तथा ?500 का जुमार्ना लगाते हुए कड़ी चेतावनी दी गई। कोर्ट रोड स्थित सुनीता देवी एवं राजू गुप्ता के खाद्य पदार्थों की ऑन-स्पॉट जांच में हानिकारक तत्व नहीं पाए गए। मौके पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने सभी विक्रेताओं को स्वच्छता मानकों का पालन करने, खाद्य पदार्थों में कृत्रिम रंग या मिलावट का प्रयोग न करने तथा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

एनएसयूआई ने ओबीसी छात्रवृत्ति फंड को लेकर डीसी को सौंपा ज्ञापन

साहिबगंज: एनएसयूआई साहिबगंज के द्वारा छात्रवृत्ति से संबंधित एक महत्वपूर्ण ज्ञापन जिला अध्यक्ष थॉमस रॉबर्ट के नेतृत्व में साहिबगंज जिला डीसी को सौंपा गया। एनएसयूआई ने ज्ञापन के माध्यम से यह मांग रखी कि केंद्र सरकार तत्काल झारखंड राज्य के लिए ओबीसी छात्रवृत्ति का लंबित 60 प्रतिशत केंद्रीय फंड जारी करे,ताकि राज्य के हजारों ओबीसी छात्रों को समय पर उनकी छात्रवृत्ति की राशि प्राप्त हो सके। थॉमस रॉबर्ट ने कहा कि राज्य सरकार लगातार अपने 40 प्रतिशत हिस्से का भुगतान करती आ रही है,लेकिन केंद्र सरकार द्वारा 60 प्रतिशत फंड रोके जाने से गरीब व पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा पर संकट खड़ा हो गया है। कई ऐसे छात्र हैं जो केवल छात्रवृत्ति के पैसों से अपनी पढ़ाई पूरी कर पाते हैं जिनके सामने अब पढ़ाई छूटने का संकट आ खड़ा हुआ है। यह केवल छात्रवृत्ति का नहीं,बल्कि शिक्षा में समान अवसर और सामाजिक न्याय की लड़ाई है।इस मौके पर जुबैद अंसारी समेत कई छात्र मौजूद थे।

आरबीआई ने ऑफलाइन डिजिटल रुपया लांच किया

ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के दौरान ऑफलाइन डिजिटल रुपया की शुरुआत की है। इस नई सुविधा से देश के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में भी लोग बिना इंटरनेट के डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। यह फीचर उपयोगकर्ताओं को डिजिटल नकद जैसा अनुभव देता है, जिससे डिजिटल भुगतान का दायरा और पहुंच दोनों बढ़ेंगे। डिजिटल रुपया भारतीय मुद्रा का डिजिटल रूप है जिसे सीधे आरबीआई जारी करता है। यह एक सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी है जो असली रुपये की तरह ही मान्य है। इसे बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए सुरक्षित डिजिटल वॉलेट में रखा जाता है। उपयोगकर्ता e₹ वॉलेट से यूपीआई क्यूआर कोड स्कैन कर भुगतान कर सकते हैं और लेनदेन के लिए बैंक खाता जरूरी नहीं है। फिलहाल 15 बैंक जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन बैंक, फेडरल बैंक, पीएनबी, यस बैंक, कर्नाटक बैंक, कैनरा बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और इंडसइंड बैंक अपने ग्राहकों को डिजिटल रुपया वॉलेट की सुविधा दे रहे हैं। ये ऐप्स गूगल प्ले स्टोर और एप्पल स्टोर पर उपलब्ध हैं। वॉलेट में न तो कोई शुल्क है, न न्यूनतम बैलेंस की आवश्यकता, और मोबाइल खो जाने की स्थिति में इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता है।

इस डिजिटल रुपये की सबसे बड़ी खासियत इसका ऑफलाइन फीचर है। यह फीचर विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए तैयार किया गया है जहां नेटवर्क या इंटरनेट की कमी है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि डिजिटल रुपया भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा।

उन्होंने बताया कि आधार, यूपीआई और डिजी लॉकर जैसे डिजिटल ढांचे ने पहले ही वित्तीय समावेशन को गति दी है, और अब डि जिटल रुपया उस प्रणाली को और सशक्त बनाएगा।

एलजी के शेयर की एनएसई पर 1710 रुपए पर लिस्टिंग

पलक झपकते निवेशकों को मिला 50 फीसदी रिटर्न

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयर्स की धमाकेदार लिस्टिंग हुई है। एनएसई पर 1710.1 रुपये प्रति शेयर पर लिस्टिंग हुई है और बीएसई पर 1715.1 रुपये प्रति शेयर पर एलजी के शेयर्स लिस्ट हुए हैं। आईपीओ का सब्सक्रिप्शन 7 से 9 अक्टूबर तक खुला था और अलॉटमेंट 10 अक्टूबर को हुआ और मंगलवार को एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बीएसई और एनएसई दोनों एक्सचेंजों पर लिस्ट हुए हैं। इस आईपीओ ने रिकॉर्ड तोड़ दिया. कुल सब्सक्रिप्शन की रकम लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये रही, जो बाजाज हाउसिंग फाइनेंस के पिछले रिकॉर्ड 3.2 लाख करोड़ रुपये को आसानी से पीछे छोड़ चुकी है। कुल शेयरों की पेशकश के मुकाबले सब्सक्रिप्शन 54 गुना रहा है। इसमें संस्थागत निवेशकों ने सबसे आगे रहते हुए 166 गुना से ज्यादा बोली लगाई। गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) की सब्सक्रिप्शन 22 गुना, रिटेल निवेशकों की 3.5 गुना और कर्मचारियों की 7.6 गुना रहा। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) था, जिसमें 10.18 करोड़ से ज्यादा शेयर बेचे गए. साउथ कोरियाई पैरेंट कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंक ने अपनी हिस्सेदारी कम की. शेयर की कीमत बैंड 1,080 से 1,140 रुपये प्रति शेयर तय की गई थी।

अब किराया नहीं बढ़ेगा, एलायंस एयर की फेयर से फुर्सत स्कीम शुरू

पायलट प्रोजेक्ट 13 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक चुनिंदा रूट्स पर लागू

नई दिल्ली

देश की रीजनल एयरलाइन एलायंस एयर ने यात्रियों को राहत देने के लिए एक नई और अनोखी पहल की शुरुआत की है, जिसका नाम है 'फेयर से फुर्सत'। इस योजना के तहत अब यात्रियों को टिकट की बुकिंग कब की जा रही है, इसका किराए पर कोई असर नहीं होगा। चाहे यात्री महीनों पहले टिकट लें या उड़ान से एक दिन पहले, किराया एक समान रहेगा। इस पहल की घोषणा केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने की।

उन्होंने बताया कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'उड़े देश का आम नागरिक' विजन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आम और मध्यमवर्गीय लोगों को हवाई यात्रा के लिए प्रेरित करना है। यह योजना 13 अक्टूबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में कुछ चुनिंदा मार्गों पर लागू की गई है। परिणामों के आधार पर इसे आगे बढ़ाने पर निर्णय लिया जाएगा।

एलायंस एयर के एक वरिष्ठ अ धिकारी के अनुसार यह स्कीम यात्रियों के बीच भरोसा बढ़ाने और विशेष रूप से टियर-2 व टियर-3 शहरों से यात्रा करने वालों को राहत देने के लिए लाई गई है। वहीं, एयरलाइन के अ धिकारी ने कहा कि वर्तमान में एविएशन सेक्टर डायनामिक प्राइसिंग पर चलता है, जिससे अंतिम समय में टिकट महंगे हो जाते हैं।

त्योहारों और छुट्टियों के दौरान जब किराए आसमान छूते हैं, 'फेयर से फुर्सत' स्कीम यात्रियों को एक निश्चित किराए पर टिकट उपलब्ध कराएगी, जिससे वे बिना तनाव के अपनी यात्रा की योजना बना सकेंगे।

दिवाली पर मौका! एक्सिस सिक्योरिटीज ने बताए शेयर्स

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में इस साल, यानी संवत 2081 में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कमजोर कमाई, अमेरिकी नीतियों, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और रुपये की कीमत में कमी जैसे कारणों से बाजार पर दबाव रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, एक्सिस सिक्योरिटीज का मानना है कि संवत 2082 में भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन करेगी। अगले वित्त वर्ष (2026) में अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी और 2027 में और बेहतर नतीजे देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में दीवाली 2025 निवेश के लिए अच्छा मौका हो सकता है।

दिवाली 2025 के लिए लंबे समय के निवेश करने के लिए आप कुछ खास स्टॉक्स चुन सकते हैं। एक्सिस सिक्योरिटीज ने कुछ ऐसे शेयरों की सलाह दी है, जिनमें कोटक महिंद्रा बैंक, फेडरल बैंक, जेएसडब्ल्यू एनर्जी और चैलेट होटल्स जैसे नाम शामिल हैं। ये शेयर लंबे समय तक अच्छा रिटर्न दे सकते हैं।एक्सिस सिक्योरिटीज ने कुछ कंपनियों के शेयरों की सलाह दी है। पहला है रेनबो चिल्ड्रन मेडिकेयर। इस कंपनी का टारगेट प्राइस 1,625 रुपये है, जिसमें 23 प्रतिशत की बढ़त की संभावना है। यह कंपनी बच्चों और मातृत्व देखभाल में विशेषज्ञता रखती है।

इसके अस्पतालों में अच्छी बुकिंग और नए अस्पतालों से आय बढ़ रही है। कंपनी का मॉडल स्केलेबल है और कम पूंजी में विस्तार कर रही है, जिससे भविष्य में अच्छी कमाई की उम्मीद है।

दूसरा है डोम्स इंडस्ट्रीज, जिसका टारगेट प्राइस 3,110 रुपये है। यह कंपनी पेन, बैग, खिलौने और डायपर जैसे नए प्रोडक्ट्स में विस्तार कर रही है। कोटक महिंद्रा बैंक का टारगेट 2,500 रुपये है। यह बैंक जमा और कर्ज में संतुलन बनाए रखने पर ध्यान दे रहा है। फेडरल बैंक का टारगेट 240 रुपये है। यह बैंक मध्यम आय वाले सेगमेंट में तेजी से बढ़ रहा है और अगले कुछ सालों में 16 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी का टारगेट 625 रुपये है। यह कंपनी ऊर्जा भंडारण और 30 गीगावाट बिजली उत्पादन की दिशा में बढ़ रही है।

अफगान विदेश मंत्री ने भारतीय उद्योग को किया आमंत्रित

फिक्की के साथ बैठक में अफगान मंत्री ने बताया निवेश के लिए अनुकूल माहौल

नई दिल्ली

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और उनके साथ आए उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एक अहम बैठक का आयोजन किया। बैठक का उद्देश्य भारत-अफगानिस्तान के आर्थिक संबंधों को मजबूती देना था।

अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान में अब शांति और स्थिरता स्थापित हो चुकी है, जिससे व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बना है। उन्होंने बताया कि भारत और अफगानिस्तान का द्विपक्षीय व्यापार पहले ही 1 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है।

साथ ही, भारतीय कंपनियों के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, विमानन, बैंकिंग और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। मुत्ताकी ने भारतीय उद्योगपतियों को आश्वासन दिया कि अफगान सरकार भारतीय निवेशकों को हर संभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने फिक्की और अफगान चैंबर ऑफ कॉमर्स की साझेदारी को भी अहम बताया। बैठक में भारतीय उद्योग जगत ने वीजा संबंधी समस्याओं को गंभीर चिंता का विषय बताया और व्यापारियों की सुगम आवाजाही की मांग की। इसके अलावा, माल की आवाजाही और लॉजिस्टिक्स में आ रही बाधाओं को दूर करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

केईसी और मैक्स अस्पताल जैसी भारतीय कंपनियों ने अफगानिस्तान में फिर से संचालन शुरू कर दिया है। वहीं एमिटी विश्वविद्यालय अफगान छात्रों को सहयोग देने और एक साझा परिसर स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। यह बैठक दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नई दिशा देने का संकेत है।

गूगल विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करेगी

15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना

नई दिल्ली इंटरनेट सर्च इंजन कंपनी गूगल अगले पांच वर्ष में विशाखापत्तनम में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र स्थापित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक कार्यक्रम में गूगल क्लाउड के एक वे रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि यह नया एआई केंद्रज एआई बुनियादी ढांचे, नई डेटा सेंटर क्षमता, बड़े ऊर्जा स्रोतों एवं विस्तारित ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क को एकीकृत करेगा। उन्होंने कहा कि हम विशाखापत्तनम में एआई केंद्र स्थापित करने के लिए अगले पांच वर्ष में 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहे हैं।

अब रूसी तकनीक से दौड़ेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

2026 तक पटरी पर आने की तैयारी

नई दिल्ली भारतीय रेलवे की सेमी-हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत अब नई तकनीक के साथ स्लीपर वर्जन में दौड़ने के लिए तैयार हो रही है। इस बार इसमें रूस की एडवांस तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा और सुरक्षा मिलेगी। रेलवे मंत्रालय को इसका फाइनल डिजाइन सौंपा जा चुका है और यह प्रोजेक्ट अब मंजूरी के अंतिम चरण में है। रूसी कंपनी ट्रांसमाशहोल्डिंग और भारतीय रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के संयुक्त उद्यम काइनेट रेलवे सॉल्यूशंस को 120 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट तैयार करने का ठेका दिया गया है। ये सभी ट्रेनें महाराष्ट्र के लातूर में मेक इन इंडिया के तहत बनाई जाएंगी। नई स्लीपर वंदे भारत में 16 कोच होंगे और यात्रियों के लिए चार टॉयलेट्स की सुविधा दी जाएगी। हालांकि, पैंट्री कार को शामिल नहीं किया गया है, जबकि रेलवे चाहता था कि लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह सुविधा भी हो। यह ट्रेन खासतौर पर रात की यात्रा के लिए डिजाइन की गई है।इस बीच बीईएमएल द्वारा आईसीएफ चेन्नई में बनी पहली 10-कोच वाली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन शकूरबस्ती डिपो में खड़ी है और नवंबर तक ट्रायल शुरू होने की उम्मीद है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो 2026 तक ये ट्रेनें भारतीय ट्रैक पर दौड़ने लगेंगी।

जम्मू-कश्मीर में निवेशकों की संख्या में 10 गुना बढ़ोतरी

मुंबई पिछले 10 वर्षों में जम्मू-कश्मीर ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर निवेशक आधार में 10 गुना वृद्धि दर्ज की है। 2015 में जहां यह संख्या 65,000 थी, वहीं 2025 में यह बढ़कर 6.51 लाख हो गई है। यह वृद्धि देश की औसत वृद्धि (6.2 गुना) से कहीं अधिक है। एनएसई के एक अ धिकारी ने इसे औपचारिक वित्तीय प्रणाली में बढ़ते विश्वास और युवाओं की सक्रिय भागीदारी का परिणाम बताया। एनएसई के अनुसार, महिला निवेशकों की भागीदारी जम्मू-कश्मीर में 25 फीसदी है, जो राष्ट्रीय औसत 16.3 फीसदी से अधिक है। 2025-26 तक निवेशक संख्या 7.1 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। बेहतर इंटरनेट कनेक्टिविटी, वित्तीय साक्षरता और डिजिटलीकरण इस बदलाव के प्रमुख कारक हैं। एनएसई ने निवेशकों को दीर्घकालिक, ज्ञान-आधारित निवेश की सलाह दी है न कि सट्टेबाजी की।

चीन ने दक्षिण कोरियाई हनव्हा ओशन की अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों पर लगाई रोक

अमेरिका द्वारा जहाज निर्माण में चीन की भूमिका की जांच के जवाब में उठाया गया कदम

हांगकांग चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दक्षिण कोरियाई जहाज निर्माता हनव्हा ओशन की पांच अमेरिकी अनुषंगी कंपनियों के साथ चीनी कंपनियों के व्यापारिक लेन-देन पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। यह निर्णय अमेरिका द्वारा जहाज निर्माण उद्योग में चीन की भूमिका की जांच के जवाब में लिया गया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने अप्रैल 2024 में धारा 301 के तहत एक व्यापार जांच शुरू की थी, जिसमें कहा गया कि चीन की जहाज निर्माण क्षमताएं अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुचित प्रतिस्पर्धा उत्पन्न कर रही हैं। इसके जवाब में चीन ने हनव्हा ओशन की जिन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं, उनमें हनव्हा शिपिंग एलएलसी, हनव्हा फिली शिपयार्ड इंक और अन्य चार कंपनियां शामिल हैं। गौरतलब है कि हनव्हा ने 2024 के अंत में 100 मिलियन डॉलर में अमेरिकी फिली शिपयार्ड का अधिग्रहण किया था और अगस्त में उसने अमेरिका में 5 अरब डॉलर के निवेश की योजना घोषित की थी। जहाज निर्माण क्षेत्र अब अमेरिका-चीन व्यापारिक टकराव का नया केंद्र बनता जा रहा है, जहां दोनों देश नई शुल्क नीतियों के ज़रिए एक-दूसरे को जवाब दे रहे हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 297 , निफ्टी 81 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही पीएसयू बैंक और सरकारी कंपनियों के शेयरों के नीचे आने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 297.07 अंक नीचे आकर 82,029.98 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 81.85 अंक टूटकर 25,145.50 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस भी बाजार नीचे आया था। आज इसेक्टोरल आधार पर निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स 1.52 फीसदी के साथ ही सबसे बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। इसके बाद निफ्टी पीएसई इंडेक्स 0.91 फीसदी निफ्टी रियल्टी 0.94 फीसदी , निफ्टी एफएमसीजी 0.48 फीसदी , निफ्टी फार्मा 0.75 फीसदी और निफ्टी आईटी 0.33 फीसदी की गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 437.95 अंक या 0.75 फीसदी टूटकर 58,324.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 161.60 अंक या 0.89 फीसदी नीचे आकर 17,940.15 पर रहा।

निफ्टी के शेयरों में मैक्सहेल्थ, टेक महिंद्रा, विप्रो, अपोलो हॉस्पिटल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज ऑटो, एचयूएल, श्रीराम फाइनेंस, पावर ग्रिड और ओएनजीसी सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि डॉ.रेड्डी, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, बीईएल, ट्रेंट, हिंडालको, टीसीएस, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स मजबूती के साथ 82,404.54 अंक पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी बढ़त के साथ 25,277.55 अंक पर खुला। खुलते ही यह 25,310.35 अंक तक चढ़कर 63.45 अंक की बढ़त लेकर 25,293 अंक पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निवेशकों की नजर अमेरिका के फेडरल रिजर्व चेयरमैन जेरोम पॉवेल के भाषण पर है। एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.01 फीसदी चढ़ा, जबकि जापान का निक्कई 225 1.34 फीसदी गिरा और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.25 फीसदी नीचे बंद हुआ। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए। सेमीकंडक्टर शेयरों, खासकर बोर्डकॉम में तेजी से बाजार को सहारा मिला।

एसएंडपी 500 में 1.56 फीसदी की बढ़त रही। नैस्डेक इंडेक्स 2.21 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.29 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

भगोड़े विजय माल्या का बैंकों पर हमलाः संपत्तियां बिक चुकीं, फिर भी मांग जारी

यूके कोर्ट से केस वापस लेने के बाद बोले माल्या – भारत में ही निपटाना चाहता हूं मामला

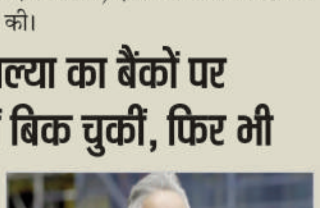

नई दिल्ली भगोड़े आर्थिक अपराधी विजय माल्या ने एक बार फिर भारतीय बैंकों पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने दावा किया कि उनकी संपत्तियों को बेचकर बैंकों ने 14,100 करोड़ रुपये की वसूली कर ली है, जो कि कर्ज की मूल रकम से कहीं अधिक है। बावजूद इसके, बैंक अब भी उनसे पैसों की मांग कर रहे हैं। माल्या ने कहा कि डेट रिकवरी ट्रिब्यूनल ने केवल 6,203 करोड़ रुपये की वसूली का आदेश दिया था, लेकिन बैंकों ने उससे दुगुनी रकम वसूल ली है। उन्होंने भारतीय वित्त मंत्रालय के बयान का भी हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अब तक बैंकों को 14,100 करोड़ रुपये की वापसी मिल चुकी है। माल्या ने आरोप लगाया कि बैंकों ने अब तक वसूली की पारदर्शी रिपोर्ट तक नहीं दी है। इसी के साथ, माल्या ने ब्रिटेन की अदालत में अपने दिवालिया आदेश को रद्द कराने वाली याचिका भी वापस ले ली है। इसका मतलब है कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में बैंकों का समूह अब यूके में उनकी संपत्तियों की जब्ती की कार्रवाई बिना किसी रुकावट के जारी रख सकता है। माल्या ने यह भी स्पष्ट किया कि वे अब ब्रिटेन में कोई कानूनी लड़ाई नहीं लड़ेंगे और इस मामले को भारत में ही सुलझाने का प्रस्ताव दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरे पास एक अच्छा प्रस्ताव है, जिसे सिर्फ भारत में ही हल किया जा सकता है।

ईपीएफओ के नए नियम से निकासी आसान, लेकिन पैसे तक पहुंच हुई सीमित

आंशिक निकासी संभव, लेकिन पूरी निकासी और पेंशन निकालने में अब लंबा इंतजार करना होगा

नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7 करोड़ से ज्यादा खाताधारकों को बड़ी राहत देते हुए पीएफ निकासी के नियमों में अहम बदलाव किए हैं।

अब नौकरीपेशा लोग बीमारी, पढ़ाई, शादी या घर खरीदने जैसे जरूरी कारणों से सिर्फ 12 महीने की सेवा के बाद आंशिक निकासी कर सकेंगे। पहले अलग-अलग कारणों के लिए अलग-अलग सेवा अवधि तय थी। हालांकि, कुछ फैसले चिंता बढ़ाने वाले भी हैं।

ईपीएफओ ने यह तय किया है कि आपके पीएफ खाते का 25 फीसदी हिस्सा अब हमेशा संगठन के पास रहेगा। यह रकम आपकी अपनी जमा पूंजी में से होगी, जिसे अब आप पूरी तरह से कभी नहीं निकाल सकेंगे।

संगठन का कहना है कि इससे रिटायरमेंट के लिए बचत सुरक्षित रहेगी और आपको 8.25 फीसदी का ब्याज मिलता रहेगा।

इसके अलावा बेरोजगारी की स्थिति में भी अब पूरी पीएफ राशि निकालने के लिए 12 महीने का इंतजार करना होगा, जबकि पहले यह अवधि केवल दो महीने थी।

वहीं, पेंशन निकासी के नियमों को भी सख्त कर दिया गया है, अब इसके लिए 36 महीने की सेवा आवश्यक होगी।

ईपीएफओ ने डिजिटल सेवाओं को बेहतर करने के प्रयास में पेपरलेस क्लेम प्रोसेस शुरू किया है और विश्वास योजना के तहत देरी से पीएफ जमा करने पर मुकदमेबाजी कम करने का वादा किया है।

साथ ही, पेंशनधारकों को घर बैठे डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की सुविधा भी दी गई है।

मिजोरम व्यापारी संगठन ने सरकार से व्यापार एक्सपो बंद करने का किया आग्रह

फर्स्ट इंटरनेशनल स्टार एक्सपो में 36 प्रतिभागी बिना परमिट, विदेशी भागीदारी भी नहीं

आइजोल मिजोरम मर्चेंट एसोसिएशन (एमआईएमए) ने आइजोल के लामुअल में चल रहे **फर्स्ट इंटरनेशनल स्टार एक्सपो** को बंद करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इस व्यापार मेले में शामिल 36 प्रतिभागी बिना आवश्यक इनर लाइन परमिट (आईएलपी) के पाए गए। मिजोरम जैसे संरक्षित राज्य में गैर-आदिवासी लोगों के लिए आईएलपी अनिवार्य है। एमआईएमए ने आयोजकों पर केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 89 का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि एक्सपो का नाम इंटरनेशनल है, जबकि इसमें कोई भी विदेशी भागीदारी नहीं है, जो कि भ्रामक विज्ञापन की श्रेणी में आता है। इसके साथ ही, एक्सपो में एक खाद्य विक्रेता के पास एफएसएसएआई लाइसेंस नहीं पाया गया, जो खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। एमआईएमए और मिजो छात्र संस्था एमजेडपी द्वारा चलाए गए अभियान में पकड़े गए आईएलपी उल्लंघनकर्ताओं को पुलिस के हवाले कर दिया गया। अब संगठन ने प्रशासन से एक्सपो को तुरंत बंद करने की मांग की है।

जिस थार से अनंत सिंह निकले उसे धक्का लगाना पड़ा

35 KM के रोड शो में एक हजार गाड़ियां; बाहुबली समेत JDU के 4 कैंडिडेट ने किया नामांकन

बेगूसराय। बाहुबली नेता अनंत सिंह ने आज यानी 14 अक्टूबर को मोकामा सीट से नामांकन कर दिया है। अनंत सिंह सफेद रंग की थार से नामांकन करने पहुंचे। नामांकन से पहले पूर्व विधायक ने लगभग 25 हजार समर्थकों को खाना खिलाया। समर्थकों के लिए सवा लाख गुलाब जामुन बनवाए गए थे। अनंत सिंह जिस थार से नामांकन के लिए पहुंचे उसे धक्का लगाकर स्टार्ट करना पड़ा। गाड़ी को गेंदे के फूलों से सजाया गया। थोड़ी देर में वे 35 ङट लंबा रोड शो करेंगे। इसमें करीब 1000 गाड़ियां होंगी। सुपौल से JDU उम्मीदवार बिजेन्द्र यादव और वैशाली के महानार से उपेश कुशवाहा ने नामांकन किया है। वहीं पिपरा से जदयू के रामविलास कामत ने भी पर्चा भर दिया है। मुजफ्फरपुर नगर विधानसभा सीट से जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी डॉ. ए.के. दास ने पर्चा भरा। नामांकन से पहले उन्होंने देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया अनंत सिंह बतौर JDU कैंडिडेट नामांकन करने निकल गए हैं। उनके साथ समर्थकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। बेगूसराय के साहेबापुर कमाल सीट से आरजेडी प्रत्याशी सत्तानंद संबुद्धा उर्फ ललन यादव नामांकन से पहले पत्नी चित्रिता संबुद्धा के साथ कुल देवता का आशीर्वाद लेने पहुंचे। अनंत सिंह पांच बार विधायक रहे हैं। उन्होंने 1990, 2000, 2005, 2010 और 2015 में मोकामा विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। 2005 और 2010 में अनंत सिंह जेडीयू से जीते, लेकिन 2015 में उन्होंने निर्दलीय होकर चुनाव लड़ा और जीते भी। 2020 के विधानसभा चुनाव में बाहुबली नेता ने पत्नी नीलम देवी को टिकट दिलवाया। अब 2025 के विधानसभा चुनाव में वह जेडीयू के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले हैं।

जेडीयू सांसद अजय मंडल ने नीतीश कुमार को भेजा इस्तीफा

भागलपुर। से जेडीयू सांसद अजय मंडल ने सीएम नीतीश कुमार को इस्तीफा भेजा है। अजय मंडल ने अपने इस्तीफे में लिखा है, 'विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे में मेरी सलाह नहीं ली गई। इसलिए मैं अपने पद से इस्तीफा देता हूं। 2019 में जिन सीटों पर मैंने कैंडिडेट्स बताए थे, उनकी जीत हुई थी। आज जब पार्टी के कुछ लोग मेरे ही लोकसभा में टिकट बांटने का काम कर रहे हैं और संगठन की अनदेखी कर रहे हैं, तब ये स्थिति दुखद है। मुझे आपसे मिलने तक नहीं दिया जा रहा है, न ही मेरी राय सुनी जा रही है।' अजय मंडल ने लेटर में आगे लिखा, 'विधानसभा चुनाव में उन्होंने अपनी ओर से पूर्ण निष्ठा के साथ पार्टी के प्रत्याशियों के लिए काम किया। लेकिन अब स्थानीय संगठन और जिला नेतृत्व द्वारा उनकी अनदेखी की जा रही है। जिन लोगों ने पार्टी के लिए कोई कार्य नहीं किया, उन्हें टिकट दिया जा रहा है। जो लोग वर्षों से समर्पित रहे, उन्हें दरकिनार कर दिया गया है। लेटर के लास्ट में सांसद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से आग्रह किया है कि वे उनके अनुरोध पर विचार करें और त्याग पत्र देने की अनुमति प्रदान करें। साथ ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व से यह भी कहा है कि जो कार्यकर्ता वफादारी से काम कर रहे हैं, उनके साथ न्याय किया जाए। गुटबाजी और टिकट वितरण से नाराजगी इस पत्र के सामने आने के बाद भागलपुर की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि अजय मंडल का यह कदम जद(यू) के भीतर चल रही गुटबाजी और टिकट वितरण की नाराजगी का नतीजा है। हालांकि उन्होंने अभी औपचारिक रूप से लोकसभा से इस्तीफा नहीं दिया है, लेकिन उनके पत्र ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है।

सारण में पीडीएस दुकानदार की चाकू गोदकर हत्या

सारण। के मांझी थाना क्षेत्र के बलुआ बुजुर्ग गांव में मंगलवार सुबह एक पीडीएस दुकानदार की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 65 वर्षीय बलिराम यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में भूमि विवाद को हत्या का संभावित कारण बताया है। बलिराम यादव सोमवार रात करीब 11 बजे भोजन करने के बाद अपने घर से लगभग 200 मीटर दूर सोने चले गए थे। मंगलवार सुबह जब वह देर तक घर नहीं लौटे, तो परिजन उन्हें देखने पहुंचे। वहां बलिराम यादव का शव खून से लथपथ बिस्तर पर पड़ा मिला, उनके शरीर पर चाकू से कई वार के निशान थे। भूमि विवाद में हत्या की आशंका घटना की सूचना मिलते ही मांझी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल को सील कर फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाया। थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजनों और ग्रामीणों के बयान के आधार पर भूमि विवाद को हत्या का संभावित कारण माना जा रहा है।आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी होगी दर्ज परिजनों ने आशंका जताई है कि बलिराम यादव की हत्या गांव में चल रहे पुराने जमीन विवाद के कारण की गई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। परिजनों द्वारा लिखित आवेदन देने के बाद नामजद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि वैज्ञानिक साक्ष्यों और फोरेंसिक रिपोर्ट के आधार पर जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

अवैध पटाखा कारोबारियों पर होगी सख्त कार्रवाई

बक्सर। पुलिस ने दीपावली और छठ पर्व को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। जन-सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इनका उद्देश्य त्योहारों के दौरान पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना है। जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, जिले में अवैध और विदेशी पटाखों के निर्माण, भंडारण, परिवहन तथा बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बिना वैध लाइसेंस के कोई भी व्यक्ति पटाखों का निर्माण या बिक्री नहीं कर सकेगा। ई-कॉमर्स वेबसाइटों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के माध्यम से पटाखों की बिक्री भी प्रतिबंधित की गई है। इसके अतिरिक्त, 125 डेसीबल से अधिक आवाज वाले पटाखों का निर्माण और उपयोग वर्जित रहेगा। बक्सर पुलिस ने सभी पटाखा विक्रेताओं को अपनी दुकानों पर वैध लाइसेंस रखने और अग्निशमन उपकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घनी आबादी वाले या भीड़भाड़ वाले इलाकों में पटाखों का निर्माण, भंडारण या बिक्री नहीं की जाएगी। विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अफवाह फैलाने वालों पर रहेगी नजर पुलिस सोशल मीडिया पर भड़काऊ टिप्पणी या अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी नजर रखेगी। बक्सर पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया की 24७7 मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी धर्म, समुदाय या पर्व को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन ने जिलेवासियों से नियमों का पालन करने, सतर्क रहने और सुरक्षित तरीके से त्योहार मनाने की अपील की है। बक्सर पुलिस ने कहा है कि आपकी सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है और किसी भी आपात स्थिति में लोग पुलिस हेल्पलाइन नंबर 06183-295039 या आपातकालीन नंबर 112 पर संपर्क कर सकते हैं।

त्योहारों के दौरान जिलेभर में विशेष जांच अभियान भी चलाया जाएगा। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी श्रद्धालु सुरक्षित, शांतिपूर्ण और खुशहाल वातावरण में त्योहार मनाएं, यही बक्सर पुलिस की प्राथमिकता है।

संदेश विधानसभा से राजीव रंजन सिंह बने जन सुराज के उम्मीदवार

भोजपुर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इस सूची में भोजपुर जिले के संदेश विधानसभा क्षेत्र से राजीव रंजन सिंह को उम्मीदवार घोषित किया गया है। टिकट की घोषणा होते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। मसाढ स्थित उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया।मीडिया से बातचीत में राजीव रंजन सिंह ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने यह भी कहा कि अपने क्षेत्र में वह एक बड़ा खेल मैदान बनवाएंगे, ताकि युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिले। राजीव रंजन सिंह ने यह भी कहा कि संदेश की जनता अब बदलाव चाहती है और वे जन सुराज के साथ मिलकर एक बेहतर भविष्य का निर्माण करेंगे।

टीचर के बंद घर से 30 लाख की चोरी दरभंगा में छत के रास्ते अंदर घुसे चोर

दरभंगा। में टीचर सतीश चंद्र चौधरी के बंद घर को चोरों ने निशाना बनाया है। करीब 30 लाख की चोरी हुई है। इस संबंध में पीड़ित ने थाने में आवेदन दिया है। घटना बघेड़ी थाना क्षेत्र के पघारी गांव की है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार देर रात चोर छत के रास्ते से घर में घुसे थे। गोदरेज और संदूक के ताले तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, 6 लाख कैश और कीमती सामान ले भागे। तीन दिन बाद भी इस मामले में पुलिस के हाथ खाली हैं। पीड़ित सतीश चंद्र चौधरी सिमरी मध्य विद्यालय में प्रधानाध्यापक (एच.एम.) के पद पर कार्यरत हैं। पत्नी के साथ दरभंगा के लक्ष्मीसागर में रहते हैं। छोटा भाई राघव चौधरी भी बाहर रहते हैं। उनकी माता चंचला देवी अयोध्या धाम गई हुईं हैं। परिवार की गैर मौजूदगी का फायदा उठाते हुए चोरों ने बड़ी योजना बनाकर इस वारदात को अंजाम दिया। शनिवार की सुबह जब सतीश चौधरी विद्यालय जब अपने घर पहुंचे तो देखा कि दरवाजा खुला था। अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। गोदरेज और संदूक टूटे पड़े थे, गहनों के खाली डिब्बे फर्श पर फेंके थे। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।मामले की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष सूरज कुमार गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक रौशन कुमार और एसडीपीओ बासुकीनाथ झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक जांच टीम और डॉग स्क्वायड ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की। टीम ने फिंगरप्रिंट, पैरों के निशान और आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला है। थानाध्यक्ष सूरज कुमार गुप्ता ने बताया कि जांच तेजी से की जा रही है। फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद कई तथ्य स्पष्ट होंगे। कुछ सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध गतिविधियां दिखी हैं। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मजदूरी से 500 रुपए मिलते, शराब से रोज 3000 कमाई

सीवान। गंगा नदी के किनारे झाड़ियों में छिपकर देसी शराब बेचने वाला गोविंद (बदला हुआ नाम) काले रंग की पॉलिथीन लेकर बैठा है। जैसे ही कोई ग्राहक आता है, तो शराब का पाउच निकालता है और एक लोटे में डालकर दे देता है।गोविंद कहता है- साहेब, शराबबंदी तो बढ़िया है। पीना नहीं ही चाहिए। हम भी किसी को जबरदस्ती नहीं पिलाते, जो खरीदने आता है, उसी को देते हैं। ये देसी शराब है, इससे आदमी मर भी जाता है, फिर भी लोग पीते हैं।गोविंद 3 बार जेल भी जा चुका है।उधर, बिंदू आंखों में आंसू लिए बताती हैं- मायके (छपरा के मशरख) से फोन आया कि भाई जहरीली शराब पीकर मर गया। मेरे पति के साथ रविंद्र के साथ भाई के अंतिम संस्कार में गई थी। पति ने भी घर लौटते हुए 50 रुपए में देसी शराब पी ली। रात में सोए, सुबह उठे ही नहीं।बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू हुए 9 साल से ज्यादा हो गए। जहरीली शराब से मौतों के केस हर साल सामने आ रहे हैं, हालांकि सरकारी फाइलों में अब तक सिर्फ 190 मौतों का आंकड़ा दर्ज है।आरोप लगते हैं कि हर शहर में अंग्रेजी शराब की होम डिलीवरी हो रही है। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह शराबबंदी खत्म करने की बात कर रहे हैं। उनका दावा है कि इससे करीब 28 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का घाटा हो रहा है। हालांकि बिहार में अवैध तरीके से बिकने वाली शराब खरीदकर पीने वालों से लेकर बेचने वाले तक शराबबंदी के समर्थन में हैं।सिवान के भगवानपुर इलाके में शराब पीने से 15 अक्टूबर, 2024 को 37 से ज्यादा मौतें हुईं। इनमें बिंदू कुमारी के पति रविंद्र कुमार और भाई भी शामिल थे। रविंद्र राजमिस्त्री थे। बिंदू के भाई की मौत के तीन दिन के अंदर ही जहरीली शराब से उनके पति की मौत हो गई। बिंदू कहती हैं, भाई की शराब से मौत हुई। मैं वहीं थी और मेरे पति घर लौट गए। यहां आने के बाद तीसरे दिन उन्होंने भी शराब पी ली और उनकी भी मौत हो गई। वो जिस दिन पीकर आए, उस दिन ठीक थे। अगले दिन अचानक काफी पसीना निकलने लगा। हम लोग अस्पताल लेकर गए और शाम तक मौत हो गई।शराबबंदी को लेकर सवाल उठाते हुए कहती हैं, 'अगर शराबबंदी ठीक से लागू हुई होती तो मेरे पति की जान कैसे जाती और जब बिक ही रही है तो फिर शराबबंदी किस बात की है।'रविंद्र की मौत पर परिवार को सरकार से 4 लाख रुपए मुआवजे के तौर पर मिले। इसे लेकर बिंदू की बेटी राधिका कहती हैं, पूरे परिवार की नजर मुआवजे में मिले 4 लाख रुपए पर है। घर में ऐसे हालत हैं कि परिवार के लोग भी अच्छे से पेश नहीं आते। आए दिन बिना किसी बात के भी हमारे यहां झगड़े होते हैं। अपनी जमीन होने के बाद भी हम लोगों को किसी और के खेत में काम करना पड़ता है। पिछले साल मेरा 12वीं का एग्जाम था। पापा की मौत के बाद मम्मी ने स्कूल छुड़वा दिया। नीतीश कुमार कहते हैं कि वो महिलाओं के लिए ये कानून लाए हैं। एक बार आकर मेरी मम्मी का और मेरा हाल देखेंगे तो समझ आएगा। सरकार हमें भूल गई है। इस बार विधानसभा चुनाव में किसे वोट करेंगी? जवाब में राधिका कहती हैं कि किसे वोट दें, चुनाव में ऐसा कोई दिख ही नहीं रहा है, जिसे दे सकें। शुरूआत में नीतीश कुमार सरकार शराबबंदी पर बहुत सख्त रही लेकिन बाद में मुआवजे को लेकर वो थोड़ा नरमी आई। 2016 में शराबबंदी लागू होने के बाद वो लगातार दावा करते रहे कि ये 'समाज सुधार' का अटल फैसला है। इसे हटाना महिलाओं के विश्वास से धोखा होगा। उन्होंने विधानसभा में साफ कहा था, द्यजो शराब पिएगा, वो मरेगा।

संक्षिप्त डायरी

छपरा की अवैध पटाखा फैक्ट्री में धमाका

सारण। के मढ़ौरा थाना क्षेत्र के ओल्हनपुर गांव में सोमवार देर शाम एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ। इस घटना में पटाखा बना रहे दो मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए, जिनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घायलों की पहचान ओल्हनपुर निवासी फिरंगी मियां उर्फ औरंगजेब और बलडिहा निवासी एक अन्य व्यक्ति के रूप में हुई है।उन्हें स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन गंभीर हालत के कारण बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। फिलहाल उनके इलाज के स्थान की पुष्टि नहीं हो पाई है।अवैध रूप से बनाया जा रहा था पटाखाफिरंगी उर्फ औरंगजेब के घर में अवैध रूप से पटाखा निर्माण किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि विस्फोट उस समय हुआ जब वहां मौजूद दो युवक सिगरेट पी रहे थे और बारूद में आग लग गई। धमाका इतना जोरदार था कि घर के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए और आसपास के क्षेत्र में दहशत फैल गई।घटना की सूचना मिलते ही मढ़ौरा थाना पुलिस, एसडीपीओ नरेश पासवान, एसडीओ निधि राज और वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सारण सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू की। निरीक्षण के दौरान भारी मात्रा में अवैध पटाखे, बारूद, ज्वलनशील पदार्थ और चारकोल बरामद किए गए हैं।आरोपियों की पहचान कर होगी कार्रवाईघटनास्थल पर फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम ने वैज्ञानिक जांच की। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक कुमार आशीष भी देर रात मौके पर पहुंचे। उन्होंने सभी संबंधित तथ्यों की गहन जांच के निर्देश दिए हैं। एसएसपी ने बताया कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर जल्द ही कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इस मामले में पुलिस ने दो व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। फिलहाल घटनास्थल पर विधि-व्यवस्था सामान्य बताई जा रही है और पुलिस पूरे मामले की तहकीकात में जुटी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में लंबे समय से गुप्त रूप से पटाखा निर्माण का कार्य चल रहा था, जिसकी सूचना प्रशासन को नहीं थी। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी दहशत व्याप्त है।

3 बच्चा चोर 72 घंटे की रिमांड पर

पटना। जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 10 से एक 6 महीने के मासूम को अज्ञात चोर ने 23 अगस्त को चोरी कर लिया था। बच्चे की पहचान आर्यन उर्फ देवांश राज के तौर पर हुई थी। बच्चा अपनी मां के साथ कोटा पटना ट्रेन एक्सप्रेस के जनरल बोगी में सफर कर रहा था। इसी बीच एक अज्ञात शख्स ने बच्चे को खेलाने के बहाने नजदीकी बढ़ानी शुरू की।पटना जंक्शन पर जब गाड़ी खड़ी हुई तो बच्चे की मां ने विश्वास में आकर उस शख्स के हवाले आर्यन को कर दिया और वॉशरूम चली गई। जब वापस आई, तो बच्चा और वह अज्ञात शख्स दोनों गायब थे। इसके बाद बच्चे की मां रेणु कुमारी ने GRP थाने में शिकायत दर्ज कराई रेल पुलिस की कोशिश से बच्चा सकुशल नालंदा से बरामद कर लिया गया। बच्चे के साथ एक और मासूम की बरामदगी हुई और एक बड़े गिरोह के बारे में भी पता चला। जो राज्य के अंदर और दूसरे राज्य में बच्चा चोरी कर के 2 लाख और उससे भी अधिक रुपए में बेचता था।8 को गिरफ्तार किया गयाइस मामले में मुख्य सरगना मुन्ना बिंद, संतोष उर्फ श्रवण, संजीत समेत 8 को गिरफ्तार किया गया था। इसमें महिला भी शामिल थीं। 72 घंटे की रिमांड पर 3 आरोपी-GRP ने मुन्ना बिंद, संतोष उर्फ श्रवण, संजीत को 72 घंटे की रिमांड पर लेकर पूछताछ की है।इनकी निशानदेही पर नालंदा, बिहारशरीफ, नवादा समेत 6 से अधिक जगहों पर छापेमारी की गई है। इस दौरान पुलिस को नेटवर्क के बारे में अहम सुराग मिले हैं। तीनों आरोपियों ने GRP के सामने और भी बहुत राज उगले हैं। जिसकी जांच पड़ताल जारी है।इनकी निशानदेही पर और मासूमों की बरामदगी होने की संभवना है।रंग और डिमांड के मुताबिक बच्चे की चोरीतीनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया है कि लोगों के अनुसार मिली डिमांड और रंग, चेहरा मोहरा के मुताबिक बच्चे की चोरी करते थे। इसके लिए सार्वजनिक जगहों, राज्य से बाहर बच्चों की रेकी करते रहते थे। जैसे डिमांड के मुताबिक बच्चों पर इनकी नजर पड़ती थी, उसके परिजनों से नजदीकी बढ़ाने लगते थे। उसके आसपास किसी ना किसी बहाने भटकते रहते थे।पहले झांसे में लेने की कोशिश करते थे। जब बात नहीं बनती थी, तो मौके का फायदा उठाकर फरार हो जाते थे। इसके लिए जिन लोगों की ओर से बच्चे की डिमांड की जाती थी, उनसे एडवांस के तौर पर पहले ही कुछ रुपए ले लेते थे। फिर काम पूरा करने के बाद पूरे रुपए लेते थे।बच्चा चोरी करने के बाद सीधे अपने ग्राहकों को नहीं देते थे। गिरोह की महिलाएं बच्चों को अपने पास रखती थी। जब किसी तरह की कोई पुलिसिया कार्रवाई नहीं दिखती थी, तो जिन लोगों के लिए बच्चे चोरी कर के लाते थे, उन्हें सौंप देते थे।

जदयू के टिकट पर बाहुबली अनंत सिंह ने भरा नामांकन, 1000 गाड़ियों का काफिला लेकर पहुंचे थे

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर मोकामा सीट से पूर्व मंत्री बाहुबली अनंत सिंह ने मंगलवार को अपना नामांकन दाखिल कर दिया। उन्हें सोमवार को जनता दल यूनाईटेड ने सिंबल दिया था। इसके बाद आज उन्होंने नामांकन पर्चा दाखिल किया। इधर, घर से निकलते ही अनंत सिंह के समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। मंगलवार सुबह से ही कारगिल मार्केट से लेकर नामांकन स्थल तक का रास्ता समर्थकों से पटा हुआ था। करीब 1000 गाड़ियों के काफिले और अनंत सिंह ज़िंदाबाद के नारों के साथ पूरा इलाका चुनावी रंग में रंगा नजर आया। अनंत सिंह ने अपने आवास पर पूजा-अर्चना के बाद थार गाड़ी से नामांकन स्थल के लिए रुख किया। जगह-जगह फूल मालाओं से उनका स्वागत हुआ और छतों से गुलाब बरसाए गए। समर्थकों में उनसे हाथ मिलाने और माला पहनाने की होड़ लगी रही। पिछले विधानसभा चुनाव मं राजद के टिकट प विधायक बने अनंत सिंह ने इस बार जनता दल यूनाइटेड (खज्ञ) के टिकट पर मोकामा (संभावित सीट संख्या 178) से चुनाव लड़ने का फैसला किया है।नंत सिंह को अङ-47 और हथगोला जैसे हथियार एवं विस्फोटक मामले में 10 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद उनकी विधायक सदस्यता पर खतरा मंडराने लगा था। 14 अगस्त 2024 को पटना हाईकोर्ट ने उन्हें इस मामले में बरी कर दिया और वे रिहा हुए। 22 जनवरी 2025 को एक फायरिंग कांड में उनका नाम त्रक्षक्र में दर्ज हुआ, जिसके बाद उन्होंने सरेंडर किया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए।

कॅरियर में मददगार होंगे यह पॉइंट्स

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

क्या आप दसवीं में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुत: यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

इनोवेशन को अहमियत दें

जापान के बारे में हम आप बचपन से सुनते आए हैं कि वहां बच्चे पढ़ाई के दिनों से ही प्रायोगिक चीजों में रूचि लेने लगते हैं और दसवीं तक आते आते तो घड़ी, दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इत्यादि विकसित करने लगते हैं। भारत में अभी इस तरह का माहौल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है, किंतु एक सच यह भी है कि भारत में ही कई सारे छोटे बच्चे कोडिंग के माध्यम से तमाम प्रोग्राम लिखते हैं, तो कई अपनी क्रिएटिव थॉट से वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे कई यूट्यूब चैनल आप देखते ही होंगे, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कितना कमाल किया है। तो आप भी अपने स्तर पर कुछ इनोवेटिव कर सकते हैं। इसकी अपॉर्चुनिटी ढूंढें और हां इसका इंतजार ना करें कि अब अमुक पढ़ाई करने के बाद आपको नौकरी मिलेगी तो आप अपने कॅरियर को सेट करेंगे। इसकी बजाय पढ़ाई के कोर्सेज के दौरान ही आप खुद को स्टेबल करने की कोशिश करें। आप एक एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करेंगे, तो भविष्य में आपके लिए यह काफी अच्छा रहेगा। आप जॉब करें या फिर अपना बिजनेस करें, एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट से आप खुद को सफल इंसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

रिव्यू और इम्प्रूवमेंट करना जरूरी है

अपनी यात्रा और अपनी अब तक की जिंदगी का रिव्यू अवश्य करें। अब तक आपने क्या किया है। अब तक कौन से अच्छे कार्य किए हैं, कौन सी छोटी गलतियां की हैं, तो कौन सी बड़ी मिस्टेक्स की हैं, इसका विचार करें। जितना अधिक आप खुद की एनालिसिस करेंगे, सार्थक दिशा में बढ़ने की संभावना भी उतनी ही अधिक बढ़ेगी। सच कहा जाए तो रिव्यू करना किसी परीक्षा की तरह होता है, जो एक परीक्षार्थी को बतलाता है कि उसका जीवन किस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जैसे आज की दुनिया में किसी प्रोडक्ट का रिव्यू किया जाता है, वैसे ही खुद का रिव्यू करने से ना चूकिए। कैरियर चूज करने में, प्रोफेशनल लाइफ में, पर्सनल लाइफ में, सोशल रिलेशंस में, फैमिली रिलेशंस में आप किस ढंग से चलते हैं, इस पर सार्थक मन से अवश्य विचार करें और जो भी आपकी उलझन होती है उन उलझनों को खुद सुलझाने की कोशिश करें। अगर किसी मोड़ पर आपको लगता है कि कॅरियर चुनने में कोई गलती हुई है तो रिव्यु से वह पकड़ में आ जाएगी। पुराने गलत निर्णय को झेलने की बजाय, ठोस आधार होने पर, अपने निर्णय में समय रहते तब्दीली लाई जा सकती है।

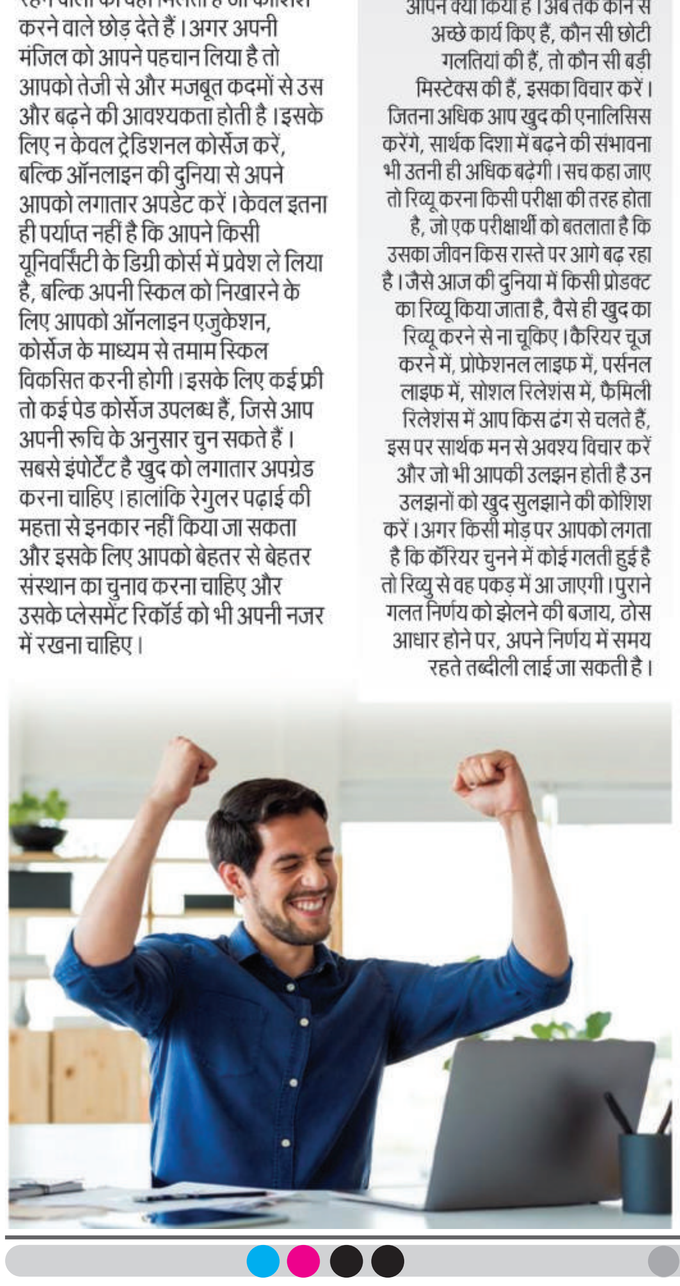

ब्लॉकचेन डेवलपर कैसे बनें, जानिये इसके प्रकार भूमिकाएं और कौशल

ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है।

ब्लॉकचेन क्या होता है?

ब्लॉकचेन एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल लेजर होता है जो दुनिया भर के हजारों कंप्यूटरों पर लेनदेन को सेव करता है। ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है। ब्लॉकचेन के परिणामस्वरूप हजारों नई नौकरी की स्थिति और मोबाइल भुगतान समाधान से लेकर स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों तक के नए स्टार्टअप का विकास हुआ है। वास्तव में ब्लॉकचैन आईटी दुनिया के वर्तमान परिदृश्य में शीर्ष उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में से एक है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का वैश्विक बाजार वर्ष 2025 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सैमसंग, आईबीएम, कैपजेमिनी जैसे विभिन्न आईटी जायंट हैं जो ब्लॉकचैन पेशेवरों के लिए शानदार कैरियर के अवसर प्रदान कर रही हैं और आप एक सार्थक और सफल कॅरियर बनाने के लिए ब्लॉकचेन डेवलपर बनने पर विचार कर सकते हैं।

ब्लॉकचेन डेवलपर कौन होता है?

ब्लॉकचेन डेवलपर्स वे तकनीकी पेशेवर होते हैं जो ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करते हैं और संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल को डिजाइन करना, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट बनाना आदि। एक ब्लॉकचेन डेवलपर के पास ब्लॉकचेन के साथ-साथ ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर और प्रोटोकॉल के आधार पर स्मार्ट अनुबंधों को विकसित और अनुकूलित करने के लिए ज्ञान और कौशल का एक सेट होता है। वे 3डी मॉडलिंग, 3डी डिजाइन, 3डी सामग्री विकास को भी डील करते हैं जैसे कि गेम डेवलपमेंट में होता है। ब्लॉकचैन डेवलपर्स को मुख्य रूप से दो प्रकारों में बांटा जा सकता है - ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर और कोर ब्लॉकचेन डेवलपर।

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोर डेवलपर द्वारा योजना के अनुसार डिजाइन का विकास और कार्यान्वयन करते हैं, जैसे -

- वे डीएपी विकसित करते हैं।
- वे कोर डेवलपर्स द्वारा डिजाइन के अनुसार स्मार्ट अनुबंध लागू करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि डीएपी योजना के अनुसार चलें।
- अन्य सेवाओं और ऐप्स के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण पर रिसर्च और देखभाल।

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स आर्किटेक्चर के विकास और अनुकूलन के लिए जिम्मेदार होते हैं। डेवलपर ब्लॉकचेन समाधान का समर्थन करने वाले प्रोटोकॉल को डिजाइन, विकसित और अनुकूलित करता है। एक अच्छा उदाहरण कंसेंसस प्रोटोकॉल है जो परिभाषित करता है कि ब्लॉकचेन और संसाधनों का उपयोग करने वाले सदस्य कैसे इन संसाधनों को साझा करने और उपयोग करने पर सहमत होते हैं।

- कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स ब्लॉकचेन की कार्यक्षमता और विशेषताओं को लागू करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे इच्छित कार्य करें।
- वे नेटवर्क की सुरक्षा को डिजाइन और कार्यान्वित करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि नेटवर्क चालू है।
- वे अन्य सेवाओं के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण की योजना, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं।
- वे एक ब्लॉकचेन नेटवर्क की सुविधाओं और कार्यक्षमता का विस्तार करने की योजना बनाते हैं।

आवश्यक तकनीकी कौशल

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके पास कंप्यूटर साइंस / इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में ऐकडेमिक बैकग्राउंड चाहिए। आप किसी विशेष स्ट्रीम में स्नातक या मास्टर डिग्री हासिल करने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि ब्लॉकचेन डेवलपर बनने के लिए किसी विशिष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह आपको बुनियादी बातों को समझने में मदद करेगा और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी को प्रभावी ढंग से सीखने के लिए आपकी फाउंडेशन रखेगा। डिग्री प्रोग्राम्स के अलावा आप विशेष तकनीक में अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं। ब्लॉकचेन प्रोफेशनल बनने का कॅरियर इतना आसान नहीं होता है, इसके लिए आपको बहुत डेडिकेशन, कड़ी मेहनत और कंसिस्टेंसी की आवश्यकता होती है। लेकिन आज ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के तेजी से विकास को देखते हुए ब्लॉकचेन डेवलपर्स के कॅरियर का दायरा बहुत ही शानदार और उज्ज्वल होता जा रहा है।

प्रमुख स्किल्स

ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर को समझना

यह समझना सुनिश्चित करें कि ब्लॉकचेन क्या है, जैसे कि उन्नत ब्लॉकचेन सुरक्षा, ब्लॉकचेन एप्लिकेशन, ब्लॉकचेन एकीकरण और ब्लॉकचेन के फायदे और सीमाएं और साथ ही इनकी चुनौतियां। ब्लॉकचेन डेवलपर्स को ब्लॉकचेन सर्वसम्मति, हैश फंक्शन और वितरित लेजर तकनीक को समझने की आवश्यकता होती है। व्हाइट पेपर ब्लॉकचेन की वास्तुकला और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। उन्हें विभिन्न ब्लॉकचेन और उनके कामकाज को समझने की जरूरत होती है जिनमें एथेरियम, बिटकॉइन, नियो और हाइपरलेगर सबसे महत्वपूर्ण हैं।

डेटा स्ट्रक्चर और डेटाबेस

एक डेवलपर को ब्लॉकचेन नेटवर्क को आवश्यकता के अनुसार उचित रूप से कॉन्फिगर करना चाहिए और इसलिए टारगेट नेटवर्क के लिए विभिन्न और इस प्रकार सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस और डेटा संरचनाओं को समझना चाहिए।

स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट

एक डेवलपर को स्मार्ट अनुबंधों के प्रकार और उन्हें विकसित करने के तरीके को समझना चाहिए।

विकेंद्रीकरण को समझना

जैसा कि ब्लॉकचेन और विकेंद्रीकृत अनुप्रयोगों में लागू होता है। इन डीएपी को विभिन्न प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं का उपयोग करके विभिन्न ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर बनाया जा सकता है।

क्रिप्टोग्राफी को समझना

क्रिप्टोग्राफी और डिजिटल लेजर ब्लॉकचेन के कामकाज का आधार होते हैं। डेवलपर को यह समझना चाहिए कि क्रिप्टोग्राफी क्या होती है, क्रिप्टोग्राफी में लागू होने वाले एल्गोरिदम और कौन से एल्गोरिदम किस प्रकार के ब्लॉकचेन नेटवर्क के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि ये एल्गोरिदम कैसे विकसित किए जाते हैं।

क्रिप्टोनॉमिक्स को समझना

यह समझना जरूरी है कि क्रिप्टोकरेंसी में ब्लॉकचेन पर कैसे कोडित किया जाता है। ब्लॉकचेन डेवलपर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम गेम थ्योरी, मॉडलिंग क्रिप्टोनॉमिक्स के लिए गणितीय ढांचे और मॉडलिंग में शामिल मुश्किलों को सिखा सकते हैं। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि क्रिप्टोनॉमिक्स और संबंधित मौद्रिक नीतियों को प्रभावित करने वाले फैक्टर्स कौन कौन से हैं।

कंप्यूटर कोडिंग

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग किसी भी उन्नत और प्रभावी विकेन्द्रीकृत ऐप या डीएपी के विकास के लिए आवश्यक होता है, हालांकि कुछ मामलों में आप इस कौशल के बिना शुरुआती डीएपी विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज या कोडिंग सीखकर इसे शुरू करते हैं और फिर ब्लॉकचेन विकास में विशेषज्ञता के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपमेंट के लिए मेनस्ट्रीम की प्रोग्रामिंग या कोडिंग भाषाओं की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ ब्लॉकचेन जैसे एरेम को एक विशिष्ट कोडिंग भाषा में ज्ञान की आवश्यकता होती है जिस पर वे कुछ भी डेवेलप करने के लिए आधारित होते हैं।

कैसे बनें वॉयस ओवरआर्टिस्ट

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है।

क्या आपकी आवाज मधुर और प्रभावशाली है? क्या आपको अपनी आवाज से प्यार है? यदि हाँ, तो आप नि:सन्देह वॉयस-ओवर फील्ड में अपना कॅरियर आजमा सकते हैं और वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट होकर कुछ बड़ा पैसा कमाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइये इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते हैं।

वॉयस-ओवर क्या है?

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है। वॉयस-ओवर प्राय: किसी मौजूदा संवाद के अलावा जोड़ा जाता है। यह पेशेवर ऑडियो के एक भाग के रूप में आवाज प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह गेमिंग, वीडियो, कार्टून, विज्ञापनों आदि के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तकनीकी रूप से कहा जाए तो वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट की मुख्य जिम्मेदारी लिखित शब्द को ऑडियो या वॉइस में बदलना है। इसके लिए बोलने और संवाद की कला प्रमुख है।

वॉयस-ओवर आर्टिस्ट कौन होते हैं?

हम पूरे दिन आवाजें सुनते हैं, चाहे वह मेट्रो रेल घोषणाएं हों, विज्ञापन अभियान हो या रेडियो सुन रहे हों या फिर फोन पर हेल्पलाइन पर कॉल करते समय हो। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि ये शांत और सुरीली आवाज किसकी है? वे वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाजों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है।

सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण। इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बनने के लिए टॉप कॉलेज और पाठ्यक्रम

नए जमाने के कॅरियर विकल्प के रूप में, जो अब भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है, कोई स्थापित कॉलेज तो नहीं हैं जो वॉइस-ओवर-कलाकारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में कई निजी संस्थानों ने वॉइस-कोचिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है, जो छात्रों को मूल बातें सीखने में मदद करते हैं। उनमें से कुछ हैं:

- इंडियन वॉयस ओवर, मुंबई
- फिलमिट अकादमी, मुंबई
- वॉयस बाजार, मुंबई

इसके अलावा, कई स्थापित वॉयस-ओवर-कलाकारों ने भी इसके लिए अपने स्वयं के ट्रेनिंग क्लासेज शुरू किए हैं। आप गूगल सर्च के द्वारा अपने इलाके में ऐसे संस्थानों की पहचान कर सकते हैं।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट के लिए सबसे लोकप्रिय कॅरियर

विकास क्षमता और विभिन्न पहलुओं को देखते हुए, आजकल हम देख रहे हैं कि मनोरंजन, विज्ञापन, कॉर्पोरेट, ई-लर्निंग, एनीमेशन, प्रशिक्षण, विपणन, शिक्षा, रेडियो और अन्य कार्यक्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरी और समृद्ध आवाजों के साथ वॉयस-ओवर कलाकारों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्नत प्रौद्योगिकी ने वीडियोगेम, ऐप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच, इंटरनेट जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है। अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। एक पेशेवर कॅरियर विकल्प होने के नाते वॉयस-ओवर कलाकार बाजार में एक सम्मानजनक पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं। अपेक्षाकृत नया डोमेन और एक छोटा उद्योग होने के नाते, गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है और इसलिए भुगतान भी काफी अच्छा है।

भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हराकर 2-0 से क्लीन स्वीप किया

-प्लेयर ऑफ द मैच कुलदीप यादव

-प्लेयर ऑफ द सीरीज : रविन्द्र जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में वेस्टइंडीज को दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में सात विकेट से हराने के साथ ही 2-0 से सीरीज जीत ली है। भारतीय टीम ने पांचवे और अंतिम दिन पहले सत्र में ही तीन विकेट पर 121 रनों का लक्ष्य हासिल करने के साथ ही सीरीज अपने नाम की। भारतीय टीम को अंतिम दिन जीत के लिए 58 रन बनाने थे जो उसने तीन विकेट के नुकसान पर बना लिए। भारतीय टीम ने चौथे दिन के एक विकेट पर 63 रन से आगे खेलते हुए पांचवे दिन सुबह साई सुदर्शन 39 रन और शुभमन 13 के विकेट खो दिये। वहीं के एल राहुल ने नाबाद 58 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इससे पहले भारतीय टीम ने पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था।

दूसरे टेस्ट की जीत में स्पिनर कुलदीप यादव और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की अहम भूमिका रही। कुलदीप ने इस मैच की दोनो पारियों में कुल मिलाकर 8 विकेट लिए जबकि यशस्वी ने पहली पारी में 175 रन बनाकर भारतीय टीम को बढ़त दिलायी। भारतीय टीम ने पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 248 रनों पर आउट हो गयी थी। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 270 रनों की बढ़त मिली थी। जिसके आधार पर उसने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। कैरिबियाई टीम ने फॉओऑन खेलते हुए दूसरी पारी में जॉन कैम्पबेल के 115 और शाई होप के 103 रनों की सहायता से 390 रन बनाए। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 121 रनों का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने जायसवाल (8) का विकेट शुरुआत में ही गंवा दिया। वहीं इसके बाद राहुल ने नाबाद 58 और साई सुदर्शन 39 ने टीम का स्कोर आगे बढ़ाया और उसे लक्ष्य की ओर अग्रसर किया। भारत की ओर से पहली पारी में यशस्वी के 175 रनों के अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 129 और सुदर्शन ने 87 रनों की पारी खेली थी। भारतीय टीम ने इस प्रकार वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 वीं टेस्ट सीरीज जीती है। 2002 के बाद से ही कैरेबियाई टीम भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच नहीं जीत पाई है।

स्वदेश पहुंचे विराट, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए आज भारतीय टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली चार महीने बाद इंग्लैंड से भारत लौटे हैं। विराट अब ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम से जुड़ेंगे। भारतीय टीम बुधवार को इस दौरे पर रवाना होगी। विराट आईपीएल 2025 के बाद ही अपने परिवार के साथ लंदन चले गये थे।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के पहले ही टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया था। अब वह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में मिली जीत के बाद ये विराट की पहली सीरीज होगी, इसप्रकार वह सात माह के बाद खेलते नजर आयेंगे। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे क्योंकि क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में रोहित शर्मा को कप्तानी से हट दिया था। विराट के अलावा रोहित शर्मा भी इसी सीरीज से वापसी करेंगे। वह भी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इस सीरीज में विराट और रोहित के प्रदर्शन के बाद ही तय होगा कि वह आगे खेलेंगे या नहीं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में शुरु होगी। इसके बाद टीम 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट मैदान में खेलेगी। एकदिवसीय सीरीज़ के बाद, 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज भी खेली जाएगी। यह दौरा टीम इंडिया के लिए आगामी वर्ष की तैयारियों में अहम साबित होगा। भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, जहाँ उसे एकदिवसीय सीरीज़ में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

संजू सैमसन की केरल रणजी टीम में वापसी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। संजू सैमसन का नाम केरल की रणजी ट्रॉफी टीम में वापस आ गया है और इसके साथ ही उत्सुकता, उत्साह और शांत जिज्ञासा की लहर आ गई है। केरल 15 अक्टूबर से तिरुवनंतपुरम में अपने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के पहले मैच में महाराष्ट्र का सामना करने के लिए तैयार है, ऐसे में विकेटकीपर-बल्लेबाज की लाल गेंद क्रिकेट में वापसी एक तरह से घर वापसी और सामंजस्य दोनों का प्रतीक है।

संजू सैमसन को आखिरी बार प्रथम श्रेणी मैच खेले हुए लगभग एक साल हो गया है, उनका पिछला मैच कर्नाटक के खिलाफ था। पिछले एक साल में, उनका ध्यान मुख्य रूप से सफेद गेंद के प्रारूपों पर केंद्रित रहा है, जिसमें उन्होंने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स का नेतृत्व किया और भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में भी शामिल रहे। अब, जब वह एक बार फिर केरल की सफेद जर्सी पहन रहे हैं, तो सैमसन के पास लाल गेंद क्रिकेट की मांग वाले कौशल और धैर्य को फिर से दिखाने का मौका है। केरल के चयनकर्ताओं ने कप्तानी मोहम्मद अजहरुद्दीन को सौंप दी है, जबकि बाबा अपराजित को उप-कप्तान बनाया गया है। यह कदम टीम के निरंतरता पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाता है, जबकि सैमसन इस महीने के अंत में राष्ट्रीय टीम के लिए तैयारी कर रहे हैं।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना की शीर्ष पर बढ़त मजबूत

दुबई (एजेंसी)। मौजूदा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में कई शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों ने ताजा आईसीसी महिला वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में उल्लेखनीय बढ़त हासिल की है। विशाखापट्टनम में शानदार 80 रनों की पारी खेलकर फॉर्म में लौटी भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं और शीर्ष पर अपनी मजबूत बढ़त बनाए हुए हैं। हालांकि कई खिलाड़ियों ने मौजूदा टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के साथ अपनी स्थिति में सुधार किया है।

इनमें ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली भी शामिल हैं, जो भारत के खिलाफ रोमांचक मैच में 142 रनों की शानदार पारी खेलकर नौ स्थानों की लंबी छलांग लगाकर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। 700 रेटिंग अंकों के साथ, हीली मंधाना, इंग्लैंड की कप्तान नैट शिवर-ब्रंट और बेथ मूनी से पीछे हैं और रैंकिंग में और ऊपर पहुंचने की कोशिश करेंगी। वह दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वाट के साथ चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने भी अपनी हालिया पारियों की बदौलत तीन स्थान की छलांग लगाई है, जिसमें भारत के खिलाफ मैच जिताऊ 70 रन भी शामिल हैं।

टूर्नामेंट में रन चार्ट में शीर्ष पर चल रही न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन भी दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की चेज विशेषज्ञ नादिन डी क्लर्क जिन्होंने विशाखापत्तनम में दो बार प्रोटियाज के सफल चेज प्रयासों का नेतृत्व किया है, बल्लेबाजी रैंकिंग में 26 स्थान की छलांग लगाकर 32वें स्थान पर आ गईं। आईसीसी महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में सोफी एक्लेस्टोन नंबर 1 स्थान पर बनी हुई हैं, उनके ठीक पीछे गार्डनर हैं। हालांकि, क्रिकेट विश्व कप के एक आकर्षक सप्ताह के बाद शीर्ष 10 में नए नाम शामिल हुए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड छह स्थान की छलांग लगाकर 8वें स्थान पर पहुंच गईं। नोनकुलुलेको म्लाबा बाएं हाथ की स्पिनर 8 विकेट लेकर टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज रही हैं। आईसीसी महिला वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में गार्डनर शीर्ष पर बनी हुई हैं और शीर्ष 10 में सिर्फ एक बदलाव आया है। दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्रायोन तीन स्थान ऊपर चढ़कर और अपना नया व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इस सूची में शामिल हो गई हैं। आईसीसी मीडिया के एक बयान के अनुसार, ट्रायोन ने गेंदबाजों की रैंकिंग में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और 18 स्थान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

भरत थम्मिनेनी दुनिया की 8,000 मीटर ऊंची नौ चोटियों पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बने

कोलकाता । आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पर्वतारोही भरत थम्मिनेनी मंगलवार को छठे सबसे ऊंचे पर्वत 'माउंट चो ओयू' (8,188 मीटर) पर चढ़ाई करने के साथ दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों में से नौ पर फतह करने वाले पहले भारतीय बन गए। इस 36 वर्षीय पर्वतारोही के करीबी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस उपलब्धि से पहले थम्मिनेनी ने मई 2017 में माउंट एवरेस्ट, सितंबर 2018 में माउंट मनास्लू, मई 2019 में माउंट ल्होत्से, मार्च 2022 में माउंट अन्नपूर्णा, अप्रैल 2022 में माउंट कंचनजंगा, मई 2023 में माउंट मकालू, अक्टूबर 2024 में माउंट शीशपंगमा और अप्रैल 2025 में माउंट धौलागिरी पर चढ़ाई की थी। ये सभी 8,000 मीटर से अधिक ऊंची चोटियां हैं। बची हुई पांच शीर्ष चोटियां माउंट के2, नंगा पर्वत, गशेरब्रुम 1 और 2 तथा ब्रॉड पीक पाकिस्तान में हैं और वर्तमान में भारतीय पर्वतारोहियों के लिए वर्जित हैं। थम्मीनेनी 30 सितंबर को चीन के चो ओयू बेस कैंप पहुचे थे लेकिन खराब मौसम और भारी बर्फबारी के कारण उन्हें पहाड़ पर चढ़ने के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ा जिससे वह बेस कैंप में ही रुके रहे।

भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के अनुभवों का लाभ एशेज में मिलेगा : मार्श

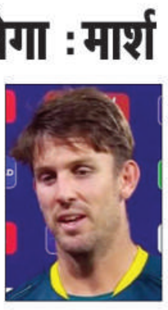

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने कहा है कि भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय और टी20 सीरीज उनकी टीम के लिए काफी फायदेमंद रहेगी। साथ ही कहा कि इसके अनुभवों का लाभ उन्हें इसके बाद होने वाली एशेज सीरीज में मिलेगा। भारतीय टीम अपने इस दौरे में तीन एकदिवसीय मैचों के अलावा पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। मार्श को इस सीरीज में नियमित कप्तान पैट कमिंस के चोटिल होने के कारण टी20 के साथ ही एकदिवसीय प्रारुप की भी कप्तानी दी गयी है। मार्श ने कहा, ''हमारे सभी खिलाड़ी एशेज के लिए तैयारी कर रहे हैं पर सभी को भारत जैसे शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खेलना पसंद है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे बीच जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता है पर एक टीम के तौर पर हम उनके लिए बहुत सम्मान रखते हैं। मुझे लगता है कि एशेज सीरीज़ से पहले भारत को ये दौरा सही समय पर हुआ है। इसमें दोनो टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होगा।' इससे उनकी टीम को एशेज से पहले अपनी लय हासिल करने का भी अवसर मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से हो जाएगा रोहित और विराट के भविष्य का फैसला : शास्त्री

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी महत्वपूर्ण रहेगा। शास्त्री का मानना है कि इस सीरीज़ से ही विराट और रोहित का भविष्य तय होगा। साथ ही कहा कि अगर ये दोनो अपने फार्म और फिटनेस में खरे उतरे तभी 2027 विश्व कप के लिए इनके नाम पर विचार हो सकता है। वहीं असफल रहने पर इनका बाहर होना तय है। शास्त्री ने सिडनी में एक कार्यक्रम के दौरान कहा वे दोनो ही जानते हैं कि ये सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है। इसी लिए यहां आये हैं। उनका आगे बना रहता फिटनेस, भूख और फॉर्म पर निर्भर करेगा। सीरीज़ के अंत तक उन्हें स्वयं पता चल जाएगा कि वह अपने कैरियर में किस जगह पर है। इसके बाद आगे क्या करना है ये उन्हें ही तय करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस उम्र में अनुभव बहुत मायने रखता है पर वही खिलाड़ी खेल सकता है जिसके भीतर भूख बची हुई हो। साथ ही कहा कि 'जब बड़े मैच आते हैं, तो बड़े खिलाड़ी ही आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेते हैं। अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता, हमने इसे चैंपियंस ट्रॉफी में भी देखा है।' रोहित इस दौरे के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काफी काम किया है जिसके अब वह काफी फिट नजर आते हैं जबकि विराट ने लंदन में इसकी तैयारी की। दोनों ही फिटनेस टेस्ट में भी सफल रहे हैं। ऐसे में दोनो को ही 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। इसी के साथ ही ये दोनो स्टार बल्लेबाज सात महीने के बाद मैदान पर वापसी करेंगे। दोनो ने ही टेस्ट और टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है और अब केवल एकदिवसीय खेल रहे हैं।

महिला विश्व कप क्रिकेट में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप क्रिकेट में बुधवार को इंग्लैंड की टीम पाकिस्तान के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली जीत के बाद से ही इंग्लैंड की टीम के हौंसले बुलंद हैं और वह सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ये मुकाबला भी जीतने उतरेगी। नेट स्किवर-ब्रंट की कप्तानी में टीम भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने से पहले अपनी लय को बनाये रखना चाहेगी। ब्रंट ने अब तक बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया है। सकती हैं। इंग्लैंड की श्रीलंका के खिलाफ 89 रन की जीत में कप्तान ने 117 रन बनाने के अलावा दो विकेट भी लिए थे।

स्किवर-ब्रंट के अलावा एमी जोन्स, टैमी ब्यूमोंट, हीथर नाइट और सोफिया डंकले जैसी बल्लेबाजों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसकी टीम छह अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच कोलंबो में खेल रही है लेकिन इसके बावजूद वह अब तक नाकाम रही है। वह इंग्लैंड को हरा पायेगी इसकी संभावना नहीं है। इंग्लैंड इस मैच में जीत दर्ज करने पर अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच जाएगा। पाकिस्तान को अब तक अपने तीनों मैच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। उसके बल्लेबाज नहीं चल पा रहे हैं। उसकी टीम ने तीन मैच में अभी तक केवल एक बार 150 रन की संख्या को पार किया है।

दोनो ही टीमें टीम इस प्रकार हैं

इंग्लैंड: नैट स्किवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

पाकिस्तान: फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, डायना बेग, एमान फातिमा, मुनीबा अली, नाशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमाइमा सोहेल, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सिद्रा नवाज, सैयदा अरूब शाह।

टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात : शुभमन

नई दिल्ली। अपनी कप्तानी में पहली टेस्ट सीरीज जीतने से उत्साहित भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल ने कहा है टीम की कप्तानी करना करने के लिए सम्सान की बात है। शुभमन को इंग्लैंड दौरे के पहले टीम का कप्तान बनाया गया था। इस दौरे में सीरीज 2-2 से बराबरी पर रही थी। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम ने 2-0 से सीरीज जीती है। शुभमन ने कप्तानी के अब तक के अनुभवों को लेकर कहा, मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं। सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना और टीम की कमान संभालना गर्व और सम्मान की बात है। कप्तान के दौरान किसी भी हालात में सही विकल्प चयनित करना भी अहम होता है। मैं उस स्थिति में सबसे संभावित फैसले लेने का प्रयास करता हूं। कभी-कभी आपको एक साहसिक फैसला भी लेना होता है। यह इस बात पर आधारित रहता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है। शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन देने को लेकर कहा, हम लगभग 300 रन 270 रन आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए। नीतीश को सीरीज में अवसर दिए जाने को लेकर उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी केवल विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी सहायता कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है। वहीं कप्तान ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं। एक चीज जो आप हमेशा चाहते हैं और ध्यान में रखते हैं वो है अपनी टीम को किस प्रकार से जीत दिलायें। ऐसे में जब मैं बल्लेबाज के तौर पर मैदान पर जाता हूं, तो मेरे दिमाग में रन बनाने का ही ख्याल आता है।

रणजी मुकाबले आज से , ऋषभ कर सकते हैं दूसरे या तीसरें दौर से वापसी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रणजी ट्रॉफी मुकाबले बुधवार से यहां शुरु होंगे। इसमें आक्रामक विकेटर बल्लेबाज ऋषभ पंत वापसी कर सकते हैं। ऋषभ इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही टीम से बाहर थे। ऐसे में उनपर सबकी नजरें रहेंगी। रणजी में युवा और अनुभवी दोनों ही वर्ग के खिलाड़ी अपनी क्षमता साबित करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

जुलाई में मैनचेस्टर में चोटिल होने के बाद ऋषभ मैदान से बाहर थे। दिल्ली की टीम में उनका नाम पहले दौर के लिए शामिल नहीं है पर अगर बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हरी झंडी देता है, तो वह दूसरे या तीसरे दौर में वापसी कर सकते हैं। उनके लिए यह रणजी ट्रॉफी अहम है क्योंकि इससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नवंबर में शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले खेल का अनुभव मिलेगा।

इस सत्र में कई युवा खिलाड़ियों पर भी नजरें रहेंगी। इसमें यश ढुल और प्रियांश आर्य व वैभव सूर्यवंशी (बिहार), आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं गेंदबाज हर्ष दुबे, एडहेन एप्पल टॉम, मानव सुथार और गुरजपनीत सिंह भी टीम में जगह बनाने के प्रयास करेंगे।

इनके अलावा अनुभवी खिलाड़ी जैसे ईशान किशन, पृथ्वी शॉ, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़ और रजत पाटीदार भी सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का प्रयास करेंगे। वहीं मोहम्मद शमी, हनुमा विहारी और अजिंक्य रहाणे भी इस सत्र में खेलते हुए दिखेंगे। रहाणे के लिए यह संभवतः आखिरी रणजी ट्रॉफी होगी।

रोहित-कोहली के भविष्य पर गौतम गंभीर का बड़ा बयान आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप कप खेलने के इच्छुक हैं लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मंगलवार को इस स्टार जोड़ी के भविष्य को लेकर कोई वादा नहीं किया। गंभीर ने कहा कि वनडे विश्व कप में अभी दो साल से अधिक का समय है और 'वर्तमान में रहना जरूरी है'।

शुभमन गिल की वनडे कप्तान के रूप में नियुक्ति के साथ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने पहले ही वनडे क्रिकेट में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है और 2027 में कोहली (39) और रोहित (40) की उम्र को देखते हुए उनके भविष्य पर काफी संदेह है। गंभीर ने कहा, '50 ओवर का विश्व कप अभी ढाई साल दूर है। वर्तमान में रहना बहुत जरूरी है। जाहिर है वे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। वे वापसी कर रहे हैं। उनका अनुभव ऑस्ट्रेलिया में काम आएगा।'

उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के समापन पर कहा, 'उम्मीद है कि ये दौरा दोनों खिलाड़ियों के लिए सफल साबित होगा लेकिन इससे जरूरी बात यह है कि टीम एक सफल श्रृंखला खेले।' ऐसा माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में होने वाले नौ वनडे मैचों (ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन-तीन मैच) में इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर काफी कुछ निर्भर करेगा।

भारतीय टीम पिछले एक साल में गंभीर की कोचिंग में सभी प्रारूपों में बदलाव के दौर से गुजर रही है। गंभीर से जब पूछा गया कि वह राष्ट्रीय टीम में शामिल करते समय किसी खिलाड़ी में किन गुणों को देखते हैं तो उन्होंने कहा, 'इस सूची में प्रतिभा सबसे पहली चीज है। फिर काम के प्रति लगन और ड्रेसिंग रूम में आपके व्यवहार खासकर टेस्ट क्रिकेट में काफी मायने रखता है।'

उन्होंने कहा, 'हम यह भी परखने की कोशिश करते है कि रन बनाने और विकेट लेने के अलावा आप किस तरह से टीम के लिए योगदान दे सकते हैं। आप में खेल के लिए जज्बा होना भी काफी जरूरी है। आप में अगर ये सारे गुण है तो आप निश्चित रूप से एक सफल टेस्ट करियर बना सकते हैं।'

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के बाद भी डब्ल्यूटीसी अंकतालिक में तीसरे नंबर पर ही है भारतीय टीम

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां टेस्ट सीरीज में मिली जीत के बाद भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 की अंक तालिका में भारतीय टीम की स्थिति में बदलाव नहीं आय है और वह पहले की तरह ही तीसरे स्थान पर ही बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया 100 प्रतिशत और श्रीलंकाई टीम 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ ही पहले और दूसरे नंबर पर है। वहीं भारतीय टीम का अंक प्रतिशत बढ़कर 61.90 पर पहुंच गया है पर इसके बाद भी वह दूसरे स्थान पर चल रही श्रीलंका से पीछे है। भारतीय टीम अब तक सात मैचों में चार जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ 52 अंक हासिल किए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के अंक उससे अधिक हैं। वेस्टइंडीज लगातार पाँच टेस्ट हारने के बाद छठे स्थान पर फिसल गयी है। भारत को अब अगली टेस्ट सीरीज घरेलू धरती पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलनी है, उसमें अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है तो वह शीर्ष दो में पहुंच सकती है।

कुपवाड़ा में एनकाउंटर : सेना ने 2 आतंकवादियों को किया ढेर, तलाशी अभियान जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एलओसी के पास 2 आतंकवादियों को सेना ने ढेर कर दिया है। माचिल और दुदनियाल इलाकों में इस मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान शुरु किया गया है। सेना की ओर से जानकारी दी गई कि कुपवाड़ा सेक्टर में एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी गई। क्षेत्र में तलाशी अभियान शुरू किया गया। इससे पहले, कठुआ जिले में सुरक्षा बलों ने एक पुराने मोर्टार गोले का पता लगाकर उसे सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। यह जानकारी अधिकारियों ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि गोला स्थानीय निवासियों से मिली सूचना के आधार पर रविवार शाम को हीरानगर सेक्टर के करोल मथुरा सीमावर्ती गांव में खेत में बरामद किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया और मोर्टार गोले को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। सीमा सुरक्षा बल ने सर्दियों से पहले जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर अपनी चौकसी बढ़ा दी है, क्योंकि इस दौरान सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशें बढ़ने की आशंका है। बीएसएफ के सीनियर अधिकारी ने बताया कि खुफिया जानकारी से पता चला कि आतंकवादी घाटी में घुसपैठ करने के लिए सीमा पार विभिन्न लांच पैडों पर इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर देखा गया है कि सर्दियों से पहले घुसपैठ की कोशिशें बढ़ जाती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए हमने अपने जवानों और अधिकारियों को अलर्ट पर रखा है और सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है।

पंजाब पुलिस ने संयुक्त अभियान में की हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद

तरनतारन (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), अमृतसर ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ मिलकर संयुक्त अभियान में तरनतारन के खेमकरण क्षेत्र में भारत-पाक सीमा के पास से हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस को बरामदगी में दो एके-47 राइफलें, दो एके-47 मैगजीन, एक पीएक्स5 स्टॉर्म पिस्तौल (मैगजीन सहित) और 10 जिंदा कारतूस मिले है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये हथियार पाकिस्तान से तस्करी के जरिए भारत लाए गए थे। एसएसओसी, अमृतसर ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तस्करों की पहचान करना, उनके नेटवर्क का पता लगाना और उसे ध्वस्त करना। यह संयुक्त कार्रवाई पुलिस और बीएसएफ की सीमा पार से होने वाली अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की प्रतिबद्धता दर्शाती है। यह जानकारी पंजाब पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर साझा की, और डीजीपी गौरव यादव ने भी इस संबंध में एक पोस्ट किया था। यह अभियान संगठित अपराध को खत्म करने और राज्य में शांति बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पुलिस ने नागरिकों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत देने की भी अपील की है।

जयपुर एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट का शेड्यूल फिर गड़बड़ाने लगी

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट का शेड्यूल फिर गड़बड़ाने लगा है। मंगलवार को फिर स्पाइस जेट एयरलाइंस की जयपुर से दुबई फ्लाइट अपने निर्धारित समय पर उड़ान नहीं भर सकी। वहीं दुबई से जयपुर आने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट भी अपने निर्धारित वक्त से लेट है। इसकी वजह से बड़ी संख्या में पैसेंजर्स को परेशान होना पड़ा है। दरअसल, दुबई से जयपुर के लिए उड़ान भरने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त से लेट चल रही है। फ्लाइट को अल सुबह 3 बजकर 40 मिनट पर दुबई से जयपुर से लिए उड़ान भरनी थी। लेकिन तकनीकी कारणों की वजह से यह फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त से 6 घंटे है। जो सुबह 3 बजे बाद जयपुर पहुंचेगी। वहीं स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त पर उड़ान नहीं भर पाई। स्पाइस जेट एयरलाइंस की फ्लाइट को आज सुबह 9 बजकर 30 मिनट पर दुबई के लिए उड़ान भरनी थी। इसके बाद फ्लाइट को दोपहर 12 बजकर 55 मिनट पर दुबई पहुंचना था। लेकिन इनकमिंग एयर क्राफ्ट की देरी की वजह से स्पाइसजेट एयरलाइंस ने आखिरी वक्त पर दुबई फ्लाइट को री-शेड्यूल किया है। इसके बाद अब अपने निर्धारित वक्त से लेट 3 बजकर 30 मिनट बाद दुबई के लिए उड़ान भर पाएगी।

16 हजार रुपये के लिए गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह ने पाकिस्तान को भेजी सेना की जानकारी

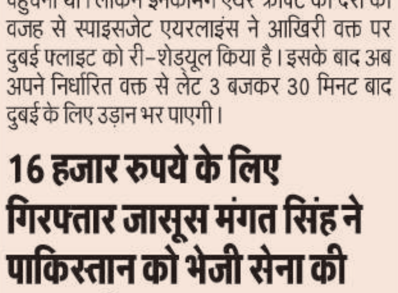

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार जासूस मंगत सिंह (42) ने मात्र 16,000 रुपए में भारतीय सेना की खुफिया जानकारी पाकिस्तान को भेजी थी। मंगत सिंह को राजस्थान की सीआईडी इंटेलिजेंस ने 10 अक्टूबर को अलवर से गिरफ्तार किया था। मंगत को एक पाकिस्तानी युवती ने अश्लील वीडियो कॉल करके फंसाया। उसने मंगत के अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिए और फिर मंगत को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पाकिस्तानी जासूस लड़की ने उससे अलवर के आर्मी एरिया की जानकारी मांगी। मंगत ने अप्रैल की शुरुआत में अलवर के इटाराणा कैंट एरिया की बाहर से ली गई कुछ फोटो भेजीं। पहलगाम हमले के बाद, पाकिस्तानी हैंडलर्स ने उससे सैन्य वाहनों की मूवमेंट की जानकारी मांगनी शुरू कर दी। इसके बाद मंगत को कुल 16,000 रुपए (पहले 8,000 रुपए, फिर 5,000 रुपए और 3,000 रुपए) मिले। मंगत ने जासूसी करने के लिए इटाराणा आर्मी एरिया से लगभग ढाई किलोमीटर दूर एक पुलिसकर्मी का मकान किराए पर लिया ताकि सैन्य गतिविधियों पर आसानी से नज़र रखी जा सके। राजस्थान सीआईडी इंटेलिजेंस टीम को जून महीने में ही मंगत की गतिविधियों पर शक हो गया था और उन्होंने उसकी निगरानी शुरू कर दी थी।

देश में बच्चों के जन्म की संख्या घटी, लोगों की मौत का आंकड़ा बढ़ा

2023 में 2.50 करोड़ पैदा हुए, यह 2022 से 2.32 लाख कम ;

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम पर आधारित वाइटल स्टैटिस्टिक्स ऑफ इंडिया की 13 अक्टूबर को जारी रिपोर्ट के मुताबिक कि भारत में साल 2022 की तुलना में 2023 में जन्म में कमी आई, लेकिन मौत का आंकड़ा बढ़ा। रिपोर्ट में बताया गया कि साल 2023 में 2 करोड़ 52 लाख बच्चों का जन्म हुआ था, जो साल 2022 की तुलना में 2 लाख 32 हजार कम था। क्योंकि उस साल का आंकड़ा 2 करोड़ 54 लाख 32 हजार था। वहीं, 2023 में 86.6 लाख लोगों की मौत रिकॉर्ड की गई थीं। 2022 में ये आंकड़ा 86.5 लाख रहा था। हेल्थ मिनिस्ट्री के कोविड-19 डेशबोर्ड के मुताबिक 5 मई 2025 तक देश में कोविड के कारण 5 लाख 33 हजार 665 मौतें हो चुकी हैं।

सबसे ज्यादा मौतें 2021 में हुई थीं तब कोविड की सेकेंड वेव चल रही थी। तब 2020 की तुलना में 21 लाख ज्यादा मौतें हुई थीं। 2020 में कुल 81.2 लाख मौतें और 2021 में यह आंकड़ा 1 करोड़ 2 लाख 2 हजार से ज्यादा था।

झारखंड में सबसे कम सेक्स रेशो

रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में सबसे कम सेक्स रेशो बर्थ झारखंड का रहा है। यहां प्रति 1000 लडकों पर 899 लड़कियों का जन्म रिकॉर्ड हुआ है। दूसरे नंबर पर बिहार है, यहां का आंकड़ा 900 है। तीसरे नंबर पर तेलंगाना 906, चौथे पर महाराष्ट्र 909, पांचवे पर गुजरात 910, छठे पर हरियाणा 911, 7वें नंबर पर मिजोरम 911 है। 2020 से बिहार लगातार सबसे कम सेक्स रेशो दर्ज कर रहा है। सबसे ज्यादा सेक्स रेशो (जन्म) के मामले में अरुणाचल प्रदेश में पहले नंबर है। यहां प्रति 1000 लडकों पर 1085 लड़कियों ने जन्म लिया। दूसरे नंबर नगालैंड 1007, तीसरे पर गोवा 973, चौथे पर लद्दाख-त्रिपुरा 972, पांचवे पर केरल 967 है।

इन राज्यों में सबसे ज्यादा बर्थ रजिस्ट्रेशन

ओडिशा, मिजोरम, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 80-90 प्रतिशत रहा है। वहीं, 14 राज्यों में असम, दिल्ली, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, बिहार, राजस्थान, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल, मेघालय और उत्तर प्रदेश में बर्थ रजिस्ट्रेशन 50-80 प्रतिशत के बीच रहा है। 11 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों ने निर्धारित 21 दिनों के भीतर 90 प्रतिशत से अधिक बर्थ रजिस्ट्रेशन हासिल किया। इन राज्यों में गुजरात, पुडुचेरी, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली और दमन एंड दीव, तमिलनाडु, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, गोवा और पंजाब शामिल हैं। साल 2023 में कुल दर्ज जन्मों में संस्थागत जन्मों (अस्पताल में हुए जन्म) का हिस्सा 74.7 प्रतिशत रहा। हालांकि, रिपोर्ट में सिक्किम का डेटा शामिल नहीं किया गया है। पूरे देश में जन्मों का कुल रजिस्ट्रेशन 98.4 प्रतिशत रहा।

मोहन सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पेश किया सर्वे... चर्चा का विषय बना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई में सर्वे का जिक्र किया। सर्वे के हवाले से मध्य प्रदेश सरकार ने कहा कि राज्य में 10 हजार शहरी और ग्रामीण परिवारों का सर्वे हुआ। सर्वे में शामिल 56 फीसदी ओबीसी वर्ग के लोगों ने बताया कि जब उच्च जाति का कोई व्यक्ति उनके घर से गुजरता है, तब वे बैठे नहीं रह सकते। वे सम्मान देने के लिए खड़े होते हैं। यह सर्वे महू स्थित डॉ. बीआर आंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से हुआ है। राज्य सरकार की ओर से ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी तक बढ़ाने को सही ठहराने की दलील देकर सर्वे को पेश किया गया है। सर्वे को 2023 में किया गया था। सर्वे में शामिल 3,797 परिवारों ने माना कि छुआछूत अब भी उनके गांवों में मौजूद है। इसके अलावा जाति के आधार पर मोहल्ले बंटे हुए हैं। इसके अलावा 3,238 परिवारों का कहना है कि उनके घर में आकर कोई ब्राह्मण पूजा-पाठ नहीं कराता। इसका कारण जाति होता है। इसके अलावा 57 फीसदी यानी करीब 6 हजार लोगों का कहना था कि उनकी जाति के लोगों को मंदिर में पुजारी नहीं बनाया जा सकता। उन्हें किसी मठ या आश्रम का प्रमुख नहीं बनाया जाता। इसके अलावा करीब 50 फीसदी लोगों का कहना था कि उनके परिवार के सदस्यों को धार्मिक शिक्षा देने वाले संस्थानों में प्रवेश नहीं मिलता। एक मजेदार बात यह भी रही कि मध्य प्रदेश सरकार ने अदालत में ओबीसी आरक्षण को लेकर जो एफिडेविट दिया है, उसमें प्राचीन भारत को जातिविहीन बताया गया है। इसके अलावा कहा गया है कि वैदिक काल में भेदभाव नहीं था, लेकिन कालांतर में चीजें बदल गईं। भारत में ही एक वर्ग का जाति के आधार पर भेदभाव हुआ। किसान और पेशेवर जातियों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती चली गई। यही आज ओबीसी वर्ग का हिस्सा हैं। इस दलील के साथ ही राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी करने का प्रस्ताव रखा है। अब तक सूबे में 14 फीसदी ओबीसी कोटा ही मिलता है।

370 हटाने के विरोध में आईएएस की नौकरी छोड़ने वाले गोपीनाथन ने कहा- कांग्रेस देश को सही दिशा देने में सक्षम

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2019 में जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने से व्यथित हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी कन्नन गोपीनाथन ने विरोध में नौकरी छोड़ दी। अब उन्होंने कांग्रेस ज्वाइन कर ली है। इसके बाद कहा कि कांग्रेस ही देश को सही दिशा में ले जा सकती है। साल 2012 बैच के अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के गोपीनाथन ने 2019 में इस्तीफा दे दिया था। वह मिजोरम के आइजोल में कलेक्टर रहे और दादर और नगर हवेली और दमन और दियु में अहम विभागों में सचिव पद पर रहे। साल 2020 में मातृभूमि से बातचीत में गोपीनाथन ने बताया था कि यूपीएससी परीक्षा में उन्होंने 59वीं रैंक हासिल की थी। केरल से आने वाले गोपीनाथन के पिता भी सरकारी कर्मचारी रहे थे।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद गोपीनाथ ने कहा, मैंने 2019 में नौकरी से इस्तीफा दिया और तब ये पता था कि सरकार देश को जिस दिशा में लेकर जा रही है, वह रास्ता गलत है। मुझे यह भी पता था कि इस गलत के खिलाफ लड़ना है। इस फैसले के बाद मैं देश के 80-90 जिलों में गया, लोगों से बातचीत की और तमाम नेताओं से मुलाकात की। मुझे समझ आया कि कांग्रेस ही इस देश को सही दिशा में ले जा सकती है। उन्होंने कहा, हम बहुत समय बाद प्रजा से नागरिक बने थे, क्योंकि हमें सवाल पूछने का हक है। मगर हमने यह भी देखा कि इस सरकार में जो भी सवाल पूछता है, उसे देशद्रोही बता दिया जाता है। उन्होंने कहा, मुझे काफी वक्त लगा लेकिन खुशी है कि आज मैं कांग्रेस पार्टी से जुड़ा हूं और मुझे पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा।

वोट चोरी मामले में बीआरएस ने चुनाव आयोग से की बिहार की तरह एक्शन की मांग

हैदराबाद (एजेंसी)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर वोट चोरी के सबूतों के साथ एक विस्तृत शिकायत दर्ज कराई। इस मुलाकात के बाद, उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस और निचले स्तर के सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से हुए इस लोकतांत्रिक घोटाले का पर्दाफाश किया। केटीआर ने आक्रामक रुख अपनाते हुए कहा, जुबली हिल्स में तीन तरह की बड़ी धांधलियां हो रही हैं, सबसे पहले वोटों का भारी दोहराव किया गया है। उन्होंने कहा, एक-एक आदमी को तीन-तीन वोटर आईडी कार्ड जारी किए गए हैं। हमारी जानकारी के मुताबिक, लगभग 2,000 लोगों के पास डुप्लीकेट या ट्रिप्लीकेट वोटर आईडी हैं और ये सभी जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में केंद्रित हैं।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यह सिर्फ एक गलती नहीं, बल्कि एक संगठित अपराध है। उन्होंने कहा, यह कैसे संभव है कि मनचेरियल, गडवाल और नागरकुरनूल जैसे जिलों में पंजीकृत मतदाताओं को कांग्रेस पार्टी की मिलीभगत से रातों-रात जुबली हिल्स का वोटर बना दिया गया? अकेले 2 सितंबर को हजारों वोट अवैध रूप से सूची में शामिल कर दिए गए। केटीआर ने चेतावनी दी कि यदि चुनाव आयोग त्वरित कार्रवाई करने में विफल रहता है तो BRS न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने से भी पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा, सीईओ ने हमें आश्वासन दिया है कि वे इस मामले को गंभीरता से देखेंगे। हमें उम्मीद है कि वे कार्रवाई करेंगे, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो हम इस लड़ाई को कानूनी रूप से लड़ेंगे। उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग पर भी दबाव बनाते हुए कहा, यह विडंबना है कि जो कांग्रेस पार्टी बिहार में वोट चोरी का आरोप लगाती है, वही पार्टी तेलंगाना में उपचुनाव जीतने के लिए उसी तरह के कदाचार में लिप्त है। हम केंद्रीय चुनाव आयोग से भी अपील करते हैं कि वे इस मामले पर संज्ञान लें, राज्य सीईओ से रिपोर्ट मांगें और लोकतंत्र की पवित्रता को बनाए रखने के लिए निर्णायक कार्रवाई करें।

चुनाव आयोग के सामने रखीं तीन मांगें

उच्च स्तरीय जांच

इस पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच का आदेश दिया जाए, ताकि यह पता चल सके कि निचले स्तर के अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतना बड़ा फर्जीवाड़ा कैसे संभव हुआ। इसके बाद दूसरी मांग इस चुनावी कदाचार के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों को तत्काल उनके पदों से हटाकर दंडित करने की है। वहीं तीसरी मांग नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने से पहले, धोखाधड़ी से जोड़े गए सभी 19,000 वोटों को मतदाता सूची से तत्काल हटाया जाए।

डब्ल्यूएचओ ने चेताया कहा- तीन कफ सिरप जहरीले हैं, जहां दिखें सूचना दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में जहरीले कफ सिरप से कथित तौर पर करीब दो दर्जन बच्चों की मौत हो गई। इससे डब्ल्यूएचओं की चिंता बढ़ गई है। इस पर वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने 3 कफ सिरप को लेकर चेतावनी दी है। इसमें जहरीला कोल्ड्रिफ सिरप भी शामिल है, जिसकी वजह से मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में बच्चों की मौतें हुई हैं। डब्ल्यूएचओ ने सभी अथॉरिटीज से कहा है कि देश में अगर कहीं भी ये सिरप दिखाई दें तो तत्काल हेल्थ एजेंसी को रिपोर्ट करें। ग्लोबल हेल्थ एजेंसी ने श्रीसन फार्मा की कोल्ड्रिफ, रेडनेक्स फार्मा की रेस्पिफ्रेश टीआर और शेप फार्मा की रिलाइफ सिरप के कुछ विशेष बैचों की पहचान की है, जिनमें मिलावट पाई गई है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि ये सिरप स्वास्थ्य के लिए बड़े खतरे पैदा कर सकते हैं और कई गंभीर व जानलेवा बीमारियों का कारण बन सकते हैं। जांच में खांसी के इन सिरपों में डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) नाम का जहरीला कैमिकल भारी मात्रा में पाया गया है। जो एक रंगहीन और गंधहीन रसायन है, इसका उपयोग सिरप को मीठा करने के लिए किया जाता है। जबकि इसका उपयोग मानव उपभोग के लिए नहीं किया जा सकता है।

बता दें कि कोल्ड्रिफ का उत्पादन तमिलनाडु स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल निर्माता द्वारा किया गया था। प्रयोगशाला परीक्षणों से पता चला कि सिरप में डायथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा 48.6 प्रतिशत थी, जो भारतीय अधिकारियों और विश्व स्वास्थ्य संगठन दोनों द्वारा निर्धारित 0.1प्रतिशत की स्वीकृत सीमा से बहुत ज्यादा थी। इसके अलावा गुजरात में रेडनेक्स फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित रेस्पिफ्रेशटीआर कफ सिरप 1.342 फीसदी डीईजी से दूषित पाया गया और गुजरात में शेप फार्मा द्वारा निर्मित रिलाइफ कफ सिरप में भी 0.616 फीसदी डीईजी पाया गया है।

डब्ल्यूएचओ की इस चेतावनी से पहले ही भारत में इन 3 सिरपों को बैन कर दिया गया है। हाल ही में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने विश्व स्वास्थ्य संगठन को सूचित भी किया था कि इन तीनों ही सिरप को सभी मेडिकल स्टोर्स से वापस मंगा लिया गया है और निर्माताओं को इनका उत्पादन रोकने का आदेश दिया गया है। हालांकि भारत सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी कर खांसी का सिरप प्रिस्क्राइब करने से पहले सावधानी बरतने की सलाह दी है साथ ही कहा है कि जो सिरप आमतौर पर 5 साल तक के बच्चों के लिए प्रिस्क्राइब नहीं किया जाता है उसे किसी भी कीमत पर 2 साल से कम उम्र के बच्चों को न दिया जाए।

टाइम्स नेटवर्क ने बिहार के नए रंग दिखाए चुनावी मौसम में पेश किए कई खास कार्यक्रम

एजेंसी

नई दिल्ली : लिट्टी-चोखा और मधुबनी कला से कहीं आगे, बिहार आज खुद को नए रूप में गढ़ रहा है युवा, महत्वाकांक्षी और निरंतर बदलता हुआ। कवियों और नेताओं की यह धरती अब एक बार फिर भारत की सबसे रोमांचक राजनीतिक कहानी का केंद्र बनी हुई है।

लगभग 58% आबादी 25 साल से कम उम्र की होने के साथ, बिहार एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है जो हाथ में स्मार्टफोन और दिल में सपने लिए आगे बढ़ रही है। राज्य का एमएसएमई क्षेत्र 15 से अधिक प्रमुख सेक्टरों में 6 लाख से ज्यादा नौकरियाँ बनाकर एक शांत आर्थिक बदलाव की कहानी लिख रहा है। पोस्ट-ऑपरेशन सिंदूर और नई जीएसटी व्यवस्था के बाद होने वाले इस अहम चुनाव में दांव बेहद ऊँचे हैं। इसी पृष्ठभूमि में टाइम्स नाउ और टाइम्स नाउ नवभारत ने बिहार की नब्ज पकड़ने वाले कई नए और गहन कार्यक्रमों की शुरूआत की है। यह चुनाव एक क्लासिक डेविड बनाम गोलियत की तरह है - क्या प्रशांत किशोर की रणनीति एनडीए की मजबूत पकड़ को चुनौती दे पाएगी? या फिर महागठबंधन एक बार फिर पुराना समीकरण दोहराएगा? बिहार आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ पुरानी यादें और नए बदलाव साथ-साथ चल रहे हैं।

टाइम्स नाउ नवभारत और टाइम्स नाउ ने अपने लोकप्रिय शो 'इलेक्शन यात्रा' को फिर से शुरू किया है - एक मोबाइल न्यूजरूम जो 28 ज़िलों में 4500 किमी की यात्रा करेगा। पटना की भीड़भाड़ वाली गलियों से लेकर राघोपुर, हाजीपुर, नालंदा, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर और दरभंगा तक, यह यात्रा लोगों की असली आवाज सीधे दर्शकों तक पहुँचाएगी। मैंडेट 2025 के तहत टाइम्स नाउ का प्रोग्रामिंग शेड्यूल बिहार की राजनीति के हर पहलू को गहराई से पेश करेगा –नेशनल डिबेटः बिहार के अहम मुद्दों पर हर शनिवार रात 8 बजे और रविवार दोपहर 3 बजे गहन चर्चा ।इनसाइडः एक डॉक्यूमेंट्री-शैली का शो जो हर शनिवार और रविवार सुबह 11:30 बजे प्रसारित होगा, चुनावी ताकतों का विश्लेषण करते हुए ।एक्सेसः यह कार्यक्रम प्रमुख उम्मीदवारों के चुनावी सफर को दर्शकों के करीब से दिखाएगा।

ला नीना के प्रभाव से देश में इस बार पड़ेगी कड़ाके की ठंड... ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत बर्फ से ढका

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इस बार कड़के की ठंड पड़ेगी, क्योंकि ऊपरी हिमालय का 86 प्रतिशत हिस्सा समय से दो महीने पहले ही बर्फ से ढंक चुका है। पिछले दिनों आए वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण पूरे हिमालय पर तापमान 2 से 3एसेल्सियस कम बना हुआ है।

इसकारण ताजा बर्फ फिलहाल पिघल नहीं रही। यह अच्छा संकेत है। दिसंबर में ला नीना सक्रिय हो रहा है। जो प्रशांत महासागर के तापमान के सामान्य से ठंडा होने की एक मौसमी घटना है। इसके कारण भारत में अच्छी बारिश और ज्यादा ठंड पड़ती है।

ऊपरी हिमालय यानी 4 हजार फीट से ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में औसत तापमान माइनस 15ए सेल्सियस या उससे भी कम रहता है। ला नीना के कारण उत्तर, मध्य और पूर्वी भागों में औसत तापमान 3-4एसेल्सियस तक और गिर सकता है।

देश के मध्य में मौजूद मध्य प्रदेश में ठंड ने समय से पहले दस्तक दे दी है। भोपाल में न्यूयतम तापमान 15.8एसेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जो सामान्य से 3.6एसेल्सियस कम है। भोपाल में यह तापमान पिछले 26 साल में अक्टूबर के पहले पखवाड़े में तीसरी बार इतना कम रिकॉर्ड हुआ है। इधर, राजस्थान में दिन और रात के तापमान में अंतर नजर आने लगा है। सीकर में रात का न्यूयतम तापमान 15एसेल्सियस से नीचे रिकॉर्ड हुआ।

नेपाल से लेकर कश्मीर तक एक ही नजारा, बर्फ का कैचमेंट भी बढ़ा डॉ. मेहता के मुताबिक ताजा बर्फबारी ने ग्लेशियरों की सेहत दुरुस्त होने के भी संकेत दिए हैं। हिमालय पर तापमान कम होने के चलते इस बार बर्फ पिघल नहीं रही। इससे ग्लेशियर 5 साल के लिए रिचार्ज हो जाएंगे। पूरे उत्तर भारत की नदियों के स्रोत नहीं सूखने वाले है।

सिक्किम, कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल से लेकर नेपाल तक पूरे उच्च हिमालय पर सफेद बर्फ की चादर बिछी हुई है। बर्फ का कैचमेंट एरिया भी बढ़ गया है। इसी वजह से मध्य और निम्न हिमालयी क्षेत्रों व मैदानों में अक्टूबर से ही पारा गिरने लगा है।

दुनिया का औसत तापमान 122 साल में 0.99 डिग्री बढ़ा, अब घट रहा वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप का औसत सतही तापमान पिछले 122 सालों में 0.99ए डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, लेकिन 2025 के आखिर तक यह वृद्धि अस्थायी रूप से उलट जाएगी, क्योंकि ला नीना के कारण वैश्विक औसत तापमान 0.2ए डिग्री तक गिरने की संभावना है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**